हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, सोमवार
13.01.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 338
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी
राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

राजनीति अपने विचारों को लागू करने का सबसे शानदार माध्यम बन सकती: पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश के युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राजनीति अपने विचारों को लागू करने का सबसे शानदार माध्यम बन सकती है। प्रधानमंत्री ने आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित भारत युवा नेता संवाद 2025 में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से योग्यता के आधार पर बहुत स्तरीय चयन प्रक्रिया से चुने गए 300 युवा नेताओं से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, खेल, संस्कृति, स्टार्टअप, बुनियादी ढांचे आदि जैसे विषयों पर प्रेरक प्रस्तुतियाँ सुनीं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केवल बात करने से ही विकसित भारत नहीं बनेगा। हमारे पास 25 साल का स्वर्णिम समय है। इस अमृत काल में आत्मविश्वास से भरी युवा शक्ति ही विकसित भारत का सपना सरकार करेगी। स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें देश के नौजवानों पर बहुत भरोसा था।

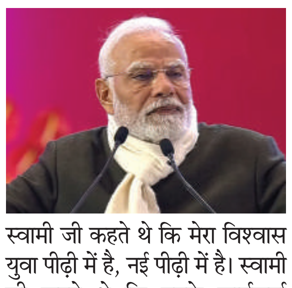

स्वामी जी कहते थे कि मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, नई पीढ़ी में है। स्वामी जी कहते थे कि उनके कार्यकर्ता नौजवान पीढ़ी से आएंगे और वो हर समस्या का समाधान निकालेंगे। उन्होंने कहा, "जैसे विवेकानंद जी का आप पर भरोसा था, मेरा विवेकानंद जी पर भरोसा है, मुझे उनकी कही हर बात पर भरोसा है।" उन्होंने विकसित भारत का अर्थ समझते हुए कहा कि यह आर्थिक, रणनीतिक, सामाजिक और संस्कृत रूप से सशक्त भारत है। इस विकसित भारत में कमाने और सीखने के भरपूर अवसर होंगे। दुनिया की सबसे बड़ी कौशल जनशक्ति होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आज पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दशक के अंत में यह 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत युवा नेता संवाद में प्रदर्शनी का किया अवलोकन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत मंडपम में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 में प्रदर्शनी का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उनकी परियोजनाओं को देखा। स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री देशभर के 3,000 गतिशील युवा नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री दस विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा लिखे गए सर्वश्रेष्ठ निबंधों का संकलन भी जारी करेंगे। इन विषयों में प्रौद्योगिकी, स्थिरता, महिला सशक्तीकरण, विनिर्माण और कृषि जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री युवा नेताओं के साथ दोपहर के भोज में शामिल

होंगे, जिससे युवाओं को प्रधानमंत्री के साथ अपने विचार, अनुभव और महत्वाकांक्षाएं सीधे साझा करने का अवसर मिलेगा। यह व्यक्तिगत बातचीत शासन और युवा आकांक्षाओं के बीच की खाई को पाटेगी, जिससे प्रतिभागियों के बीच स्वामित्व और जिम्मेदारी की गहरी भावना पैदा होगी। उल्लेखनीय है कि 11 जनवरी से शुरू हो रहे इस संवाद के दौरान युवा नेता प्रतियोगिताओं, गतिविधियों और सांस्कृतिक और विषयगत प्रस्तुतियों में शामिल होंगे। इसमें सलाहकारों और डोमेन विशेषज्ञों के नेतृत्व में विषयों पर विचार-विमर्श भी शामिल होगा। इसमें भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन भी होंगे जो इसकी आधुनिक उन्नति का प्रतीक होंगे। विकसित भारत युवा नेता संवाद में भाग लेने के लिए 3,000 गतिशील और प्रेरित युवाओं का चयन विकसित भारत चैलेंज के माध्यम से किया गया है, जो देशभर से सबसे अधिक उत्साही और गतिशील युवा आवाजों को पहचानने और उन्हें प्रदर्शित करने के लिए एक सावधानीपूर्वक तैयार की गई, योग्यता-आधारित बहुस्तरीय चयन प्रक्रिया है। इसमें 15 से 29 वर्ष के प्रतिभागियों के तीन चरण शामिल थे। पहला चरण, विकसित भारत क्विज़, सभी राज्यों के युवाओं के भाग लेने के लिए 12 भाषाओं में आयोजित किया गया था। इसमें लगभग 30 लाख युवाओं ने भाग लिया।

महाकुंभ में साधना का अनूठा पर्व: तंबू में जीवन, गाड़ी में गृहस्थी और कल्पवास का तप

- गृहस्थ से साधक बनने की अनूठी यात्रा
- दिनचर्या: साधना और तप का संगम
- पूरे देश से पहुंच रहे हैं श्रद्धालु

एजेंसी। प्रयागराज

महाकुंभ का पावन अवसर श्रद्धा, तप और भक्ति का संगम है। हर 12 साल में आयोजित होने वाले इस दिव्य आयोजन में लाखों कल्पवासी माघ के पूरे महीने प्रयागराज की पवित्र धरती पर अपने जीवन को साधना, संयम और तपस्या के रंग में रंगते हैं। इस बार 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में बड़ी संख्या में कल्पवासी महाकुंभ नगर पहुंच रहे हैं। ये साधक अपनी गृहस्थी को समेटकर गाड़ियों में जरूरत का सामान लादे यहां तपस्या के लिए आते हैं और तंबू में रहते हुए एक अलग ही जीवन जीते हैं। कल्पवासियों के जीवन की शुरुआत घर से ही तपस्या की तैयारी के साथ होती है। वे ट्रक, ट्रैक्टर, पिकअप और अन्य वाहनों में अपनी आवश्यक वस्तुएं जैसे बर्तन, बिस्तर, लकड़ी, राशन, और पूजा सामग्री लेकर प्रयागराज पहुंचते हैं। महाकुंभ नगर में अपने तंबू लगाकर वे 45 दिनों तक रहने की तैयारी करते हैं। इस दौरान वे अपनी पूरी दिनचर्या को साधना और संयम के नियमों के अनुसार ढाल लेते हैं। कल्पवासी सुबह सूर्योदय से पहले गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के

त्रिवेणी संगम में स्नान करके अपने दिन की शुरुआत करते हैं। इसके बाद वे ध्यान, भजन और प्रवचन में समय बिताते हैं। एक समय भोजन करने वाले ये साधक साधारण आहार लेते हैं और अधिकतर समय भक्ति और साधना में लीन रहते हैं। उनकी दिनचर्या में कथा और सत्संग सुनना, दान-पुण्य करना और धार्मिक अनुष्ठान शामिल होते हैं। रात में तंबू में साधारण बिस्तर पर सोकर वे अगले दिन फिर से साधना के लिए तैयार होते हैं। माघ मास में कल्पवास का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दौरान संगम में स्नान और तपस्या करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कल्पवास से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस साधना से आत्मशुद्धि होती है और व्यक्ति ईश्वर से जुड़ने का अनुभव करता है। महाकुंभ में कल्पवास करने वाले श्रद्धालु पूरे भारत से आते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और दक्षिण भारत तक से श्रद्धालु इस पावन अवसर पर प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उनके वाहनों में लदे सामान से यह साफ झलकता है कि वे अपनी पूरी गृहस्थी यहां समेटकर लाए हैं। महाकुंभ केवल धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा आध्यात्मिक अवसर है जो श्रद्धालुओं को ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करता है। यहां कल्पवासियों को आत्मचिंतन और साधना के लिए जो माहौल मिलता है, वह उन्हें ईश्वर के और करीब ले जाता है। महाकुंभ में कल्पवास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं है, बल्कि यह संयम, त्याग और तपस्या का जीवंत उदाहरण है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रेटर नोएडा: केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, 32 दमकल गाड़ियों ने 6 घंटे में पाया काबू

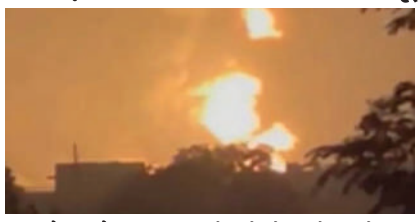

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग इतनी भयावह थी कि उस पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 32 गाड़ियों को लगाया गया और इसे बुझाने में लगभग 6 घंटे का समय लगा।हादसा रविवार सुबह करीब 3:30 बजे बांके बिहारी केमिकल प्लांट में हुआ। आग लगने के बाद कुछ ही समय में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। केमिकल फैक्ट्री से उठते काले धुएं के गुब्बार और तेज लपटों को देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने तुरंत 32 गाड़ियों को मौके पर भेजा। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल होने के कारण आग तेजी से फैलती जा रही थी, जिससे इसे बुझाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दमकलकर्मियों ने करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस भीषण हादसे में हालांकि किसी की जान नहीं गई, जो राहत की बात है। लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने मानी भारत की बात: गणतंत्र दिवस पर बनेंगे मुख्य अतिथि, नहीं जाएंगे पाकिस्तान

नई दिल्ली। हर साल भारत दुनिया भर के नेताओं को गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित करता है। इस साल समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति

प्रभोवो सुबियांटो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शनिवार को इस मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सुबियांटो अपनी भारत यात्रा के बाद पाकिस्तान नहीं जाएंगे। पहले उनके पाकिस्तान जाने की योजना थी। भारत ने जब इस मुद्दे को उठाया तो इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने अपनी पाकिस्तान यात्रा को टाल दिया। भारत ने अभी तक इस वर्ष के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि की औपचारिक घोषणा नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबियांटो के साथ अपनी यात्रा के दौरान व्यापक बातचीत करेंगे।पिछले वर्ष फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन मुख्य अतिथि थे। वहीं 2023 में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी शामिल हुए थे। वहीं, कोविड-19 महामारी के कारण 2021 और 2022 में गणतंत्र दिवस पर कोई मुख्य अतिथि नहीं था। 2020 में ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो मुख्य अतिथि थे। गणतंत्र दिवस समारोह में अब तक कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय नेता उपस्थित हो चुके हैं। उनमें दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा (2019), संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान (2017) और फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांकोइस ओलांद (2016) शामिल हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे विदेश मंत्री एस. जयशंकर

एजेंसी। नई दिल्ली

वाशिंगटन डीसी में 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण करेंगे। इस भव्य समारोह में

भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। यह जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने दी है। डॉ. जयशंकर को ट्रंप-वैंस कमेटी की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिला है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस अवसर पर जयशंकर अमेरिका आने वाले अन्य देशों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे और नई अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह 20 जनवरी को वाशिंगटन डीसी में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दुनिया भर के कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है। ट्रंप, जो अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जो गैर-लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस में वापसी कर रहे हैं, शपथ ग्रहण के बाद वाशिंगटन की सड़कों पर परेड करेंगे और जनता का अभिवादन स्वीकार करेंगे। इससे पहले, उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस शपथ लेंगे। यह कार्यक्रम सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को भी चिह्नित करेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसंबर के आखिरी सप्ताह में अमेरिका का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा सहयोग पर चर्चा की थी। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप की टीम के कई सदस्यों से भी बातचीत की, जिसमें अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) भी शामिल थे। डॉ. जयशंकर के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने दी उन्हें श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। महान भारतीय संत, दार्शनिक और समाज सुधारक स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं और विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उन्हें भारत के एक महान सुपुत्र के रूप में याद किया जाता है। उनकी जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि स्वामी जी ने भारत के महान आध्यात्मिक संदेश को पश्चिमी दुनिया तक पहुंचाया। उन्होंने भारत के

लोगों में एक नये आत्मविश्वास का संचार किया। स्वामीजी ने युवाओं को अपनी क्षमता उजागर करने, राष्ट्र-निर्माण की दिशा में काम करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उनकी विरासत दुनिया भर के अनगिनत लोगों को प्रेरित करती रहती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के आध्यात्मिक ज्ञान के एक प्रतीक, स्वामीजी का प्रतिष्ठित 1893 शिकागो संबोधन भारत के समावेशी लोकाचार को दर्शाता है। उन्होंने भारतीयों को गर्व, आत्म-विश्वास और मानवता की सेवा के आह्वान से प्रेरित किया। युवाओं से उनका आह्वान- 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' - आत्म-सशक्तिकरण के लिए एक कालातीत मंत्र बना हुआ है। स्वामी विवेकानन्द को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए एक शाश्वत प्रेरणा, वह युवा मन में जुनून और उद्देश्य को प्रज्वलित करते रहते हैं। हम एक मजबूत और विकसित भारत के उनके दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने स्व-संस्कृति के प्रति न सिर्फ देशवासियों को जागरूक किया, बल्कि विश्व को वेदांत और योग दर्शन से प्रभावित भी किया। रामकृष्ण मिशन के माध्यम से उन्होंने 'नर सेवा को ही नारायण सेवा' का पर्याय बनाया। युवाओं में चरित्र निर्माण व आत्मगौरव के बीज बोकर उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद जी का जीवन और दर्शन सभी के लिए प्रेरणापुंज है।

कांग्रेस का वादा- दिल्ली के युवाओं को 1 साल की अप्रेंटिसशिप और हर महीने 8500 रुपये

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर दिल्ली के बेरोजगार युवाओं को 1 साल अप्रेंटिसशिप और साथ में साढ़े 8 हजार रुपये देने का वादा किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने रविवार को पार्टी की ओर से युवा उड़ान योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कोशिश यह रहेगी कि युवा वहीं रोजगार भी पा जाएं। पायलट ने कहा कि रोजगार का निर्माण करना किसी भी सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन केंद्र और राज्य की दोनों सरकारों ने बेरोजगारों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में राजनीति सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप की रह गई है, लेकिन अब लोग बेहतर विकल्प चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले चुनावों में जनता कांग्रेस को चुनेगी और सरकार बनाएगी।

दिल्ली सीएम ने लोगों से मांगा चुनाव लड़ने चंदा, 40 लाख की है जरुरत

जनता से 100 से लेकर 1000 रुपए तक का योगदान देने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम आतिशी ने विधानसभा चुनावों के

लिए क्राउड फंडिंग के जरिए जनता से आर्थिक मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि चुनावी अभियान को चलाने और मजबूती से चुनाव लड़ने के लिए उन्हें 40 लाख रुपए की जरुरत है। उन्होंने जनता से 100 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक का योगदान देने की अपील की है। सीएम आतिशी का कहना है कि यह जनता की मदद से संभव हो सकेगा और उनका समर्थन ही चुनावी अभियान की नींव बनेगा। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली की जनता हमारी राजनीति और विचारधारा का समर्थन करेगी। हर छोटा योगदान बड़ा बदलाव ला सकता है। अगर आप 100 या 1000 रुपए तक भी मदद करते हैं, तो यह हमारे चुनाव अभियान को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा। राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता और जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्राउड फंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। आतिशी ने इसे जनता के साथ सीधा संवाद और भरोसे का माध्यम बताया। इस अपील से यह साफ होता है कि आतिशी जनभागीदारी पर जोर देते हुए अपने चुनाव अभियान को जनता के समर्थन से मजबूत बनाना चाहती हैं।

इस्रो का डॉकिंग मिशन ट्रॉयल सफल : हैंडशेक के 3 मीटर करीब आकर दूर हुए दोनों सैटेलाइट

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इस्रो) ने अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। रविवार तड़के स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पाडेक्स) मिशन के तहत, दो सैटेलाइट्स एडीएक्स01 (चेसर) और एसडीएक्स02 (टारगेट) के बीच सफलतापूर्वक 15 मीटर की दूरी तक ट्रायल पूरा हुआ। इसके बाद दोनों सैटेलाइट्स एक-दूसरे से मात्र 3 मीटर की दूरी तक पहुंचे। इस्रो ने कहा कि सैटेलाइट्स ने पहले 15 मीटर और फिर 3 मीटर तक पहुंचने का ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही अब अंतरिक्ष यानों को सुरक्षित दूरी

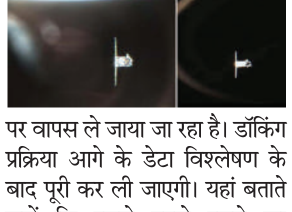

पर वापस ले जाया जा रहा है। डॉकिंग प्रक्रिया आगे के डेटा विश्लेषण के बाद पूरी कर ली जाएगी। यहां बताते चलें कि इससे पहले इसरो का अपडेट तब आया था, जबकि 10 जनवरी को इन सैटेलाइट्स के बीच की दूरी 230 मीटर थी। यह मिशन अंतरिक्ष में डॉकिंग के उद्देश्य से किया गया है, जो भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी के साथ एजेंसी अब भारतीय ग्राउंड स्टेशनों का वेट कर रही है, ताकि वे वास्तविक डॉकिंग प्रयोग के लिए सिग्नल प्राप्त कर सकें यह प्रयोग पहले 7 जनवरी को निर्धारित था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसे 9 जनवरी तक स्थगित कर दिया गया था।

देश के 18 राज्यों में छाया रहा कोहरा, बारिश का अलर्ट जारी

दिल्ली में विजिबिलिटी कम होने से 25 ट्रेनें और कई फ्लाइट्स देरी से उड़ीं

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में ठंड का प्रकोप जारी है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी के चलते उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंडी हवाएं चल रही हैं। दिल्ली समेत 18 राज्यों में रविवार को घना कोहरा छाया रहा। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में धुंध का सबसे ज्यादा असर रहा, जहां विजिबिलिटी कम होने से 25 ट्रेनें और कई फ्लाइट्स देर से उड़ान भर सकीं। यूपी के कानपुर, मैनपुरी, फतेहपुर और रायबरेली समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। अयोध्या में दूसरे दिन भी प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां पारा 4 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं मध्य प्रदेश के ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर और

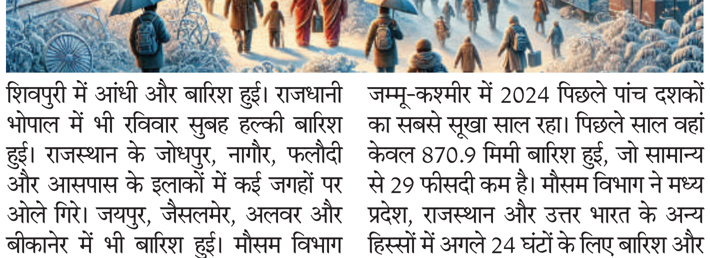

शिवपुरी में आंधी और बारिश हुई। राजधानी भोपाल में भी रविवार सुबह हल्की बारिश हुई। राजस्थान के जोधपुर, नागौर, फलौदी और आसपास के इलाकों में कई जगहों पर ओले गिरे। जयपुर, जैसलमेर, अलवर और बीकानेर में भी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 1 से 11 जनवरी के बीच देश में सामान्य से 91 फीसदी कम बारिश हुई। राज्य में औसतन 20.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन केवल 2 मिमी बारिश हुई। जम्मू-कश्मीर में 2024 पिछले पांच दशकों का सबसे सूखा साल रहा। पिछले साल वहां केवल 870.9 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 29 फीसदी कम है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में अगले 24 घंटों के लिए बारिश और ओलों का अलर्ट जारी किया है। कोहरा और ठंडी हवाएं चलने की संभावना है। देश के 18 राज्यों में घना कोहरा छाया रहा। दिल्ली में 25 ट्रेनें और फ्लाइट्स देर से उड़ान भर सकी।

14 जनवरी से भारत की यात्रा पर रहेंगे सिंगापुर के राष्ट्रपति

नई दिल्ली। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम अगले सप्ताह मंगलवार, 14 जनवरी से भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मौजूदा दौर में दोनों देशों द्वारा मनाई जा रही अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति शानमुगरत्नम की यह भारत यात्रा हो रही है। 16 जनवरी को राजधानी दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री और सिंगापुर के राष्ट्रपति के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें आपसी संबंधों के अलावा कुछ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। बैठक के पूर्व में सिंगापुर के राष्ट्रपति नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में भारतीय सैन्यबलों द्वारा दिए जा रहे परंपरागत गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण करेंगे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 13 जनवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया

एजेंसी । रांची । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को राजभवन में युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श और विचार सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी हैं। साथ ही राज्यपाल ने राजभवन स्थित मूर्ति गार्डेन में उनकी प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर किया नमन

एजेंसी । रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि महान युगद्रष्टा और युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें सादर नमन। साथ ही राष्ट्रीय युवा दिवस की आप सभी को शुभकामनाएं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने युग प्रवर्तक, हिंदू, हिंदुत्व और हिंदुस्तान को दुनिया में प्रतिष्ठित करने वाले, आध्यात्मिक गुरू और युवाओं से प्रेरणापुंज स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कोटिशः प्रणाम किया है। उन्होंने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी सोशल मीडिया पर स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा है कि युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं महान विचारक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए अपनी प्रतिभा एवं ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर देश तथा समाज की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए।

मलेशिया में प्रवासी श्रमिक की मौत, शव मंगवाने की मांग

एजेंसी । गिरिडीह। जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के एक प्रवासी मजदूर उमेश सिंह(35) की मलेशिया में मौत हो गई।रविवार को सुबह में उसकी मौत होने की सूचना परिजनों को मिली । बताया गया कि शनिवार रात 10 बजे ही युवक ने वीडियो कॉल से अपने परिजनों से बात की थी।परिजनों को क्या पता था कि सात घंटे बाद उन्हें उसकी मौत की खबर मिलेगी। मृतक डुमरी थाना क्षेत्र के चीनो निवासी चेतलाल सिंह के पुत्र हैं। वह मलेशिया में एफजीभी कंपनी में काम करता था।उसकी मौत कैसे हुई इसकी जानकारी परिजनों को नहीं मिली है। मृतक परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उमेश सिंह अपने पीछे पत्नी और बेटी किरन कुमारी (17), पूजा कुमारी(13)और बेटा पप्पू कुमार (15) को छोड़ गया है। घटना की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया है और गांव में भी शोक की लहर है। इस बीच प्रवासी श्रमिकों के हितों को लेकर अनवरत काम करने वाले सिकन्दर अली ने सरकार से शव मंगवाने की मांग की है।

मकर संक्रांति 14 जनवरी को, 19 साल बाद बन रहे कई शुभ योग

- पुष्य नक्षत्र, मकर राशि और शनि देव का बन रहा खास संयोग- देश के कई राज्यों में राजनीतिक उथल-पुथल की संभावना

एजेंसी । चतरा। स्नान-दान का महापर्व मकर संक्रांति इस बार 14 जनवरी को ही मनाया जायेगा। भगवान सूर्य नारायण 14 जनवरी को दिन में 03:27 बजे धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर संक्रांति का पुण्यकाल इस बार दिनभर होगा। आचार्य चेतन पाण्डेय ने कहा कि इस बार मकर संक्रांति मंगलवार दिन को पड़ रहा है। शास्त्र के अनुसार मंगलवार को सूर्य की संक्रांति होने से पित्त, कफ और वात के प्रकोप से प्राणियों को पीड़ा होती है। राजाओं में कलह और अवृष्टि दुर्भिक्ष होने की अधिक संभावना बनती है। इस बार मकर संक्रांति के प्रभाव से राजनीतिक, सामाजिक उथल-पुथल मच सकती है। लगभग 19 वर्ष बाद इस बार मकर संक्रांति पर अद्भुत संयोग बन रहा है। मकर संक्रांति के दिन पुष्य नक्षत्र भोग करेगा। पुष्य नक्षत्र के स्वामी स्वयं शनिदेव हैं और मकर राशि के भी स्वामी शनि देव ही हैं। यह संयोग स्नान और दान के लिए बहुत ही फायदेमंद माना गया है। आचार्य ने कहा कि 14 जनवरी को सुबह 10:29 तक पुनर्वसु नक्षत्र है। इसके बाद पुष्य नक्षत्र प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार मकर संक्रांति 12 में तीन राशियों के लिए अत्यंत शुभ और लाभकारी समय लेकर आ रहा है। कर्क, तुला और मीन राशि के जातकों के लिए इस बार मकर संक्रांति विशेष लाभदायक होगा। सूर्यनारायण के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही पिछले छह माह से चला आ रहा दक्षिणायन का समापन होगा और उत्तरायण प्रारंभ होगा। उत्तरायण को देवताओं का प्रभात बेला कहा गया है। उत्तरायण होते ही हिंदू धर्मावलंबियों के सभी प्रकार के मांगलिक और शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं। आचार्य ने कहा कि मकर संक्रांति के दिन भगवान भास्कर की पूजा विशेष लाभकारी मानी जाती है। इस दिन तिल का दान को विशेष महत्व दिया गया है। मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ॐ सूर्याय नमः, ॐ भास्कराय नमः, ॐ मित्राय नमः, ॐ भानवे नमः, ॐ खगाय नमः, ॐ पूषने नमः, ॐ मरिचये नमः, ॐ आदित्याय नमः, ॐ सवित्री नमः, ॐ अर्काय नमः, ॐ हिरण्यगर्भाय नमः भगवान सूर्य के अन्य नामाक्षर मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

मकर संक्रांति का शुभ मुहूर्त- इस बार मकर संक्रांति माघ महीने के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाएगा। कई वर्ष के बाद इस बार यह संयोग आया है जब मकर संक्रांति का त्योहार माघ महीने में मनाया जाएगा। ऐसे में इस वर्ष मकर संक्रांति पर स्नान-दान का बहुत लाभप्रद माना गया है। आचार्य पंडित चेतन पाण्डेय ने कहा कि बृहद् ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि संक्रांति दिन में हो तो इसका पुण्य कल दिनभर माना गया है। ऐसे में इस बार मकर संक्रांति का पुण्य काल सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक रहेगा। इस दरम्यान कभी भी स्नान-दान किया जा सकता है।

राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना के प्रतीक हैं पूर्व सैनिक : राज्यपाल

एजेंसी । रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को कहा कि पूर्व सैनिक राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना के प्रतीक हैं। उनका योगदान समाज एवं राष्ट्र के लिए अनुकरणीय है। राज्यपाल रांची के गुरुनानक स्कूल सभागार में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से आयोजित 'पूर्व सैनिक महासम्मेलन के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के पूर्व सैनिक सीमाओं की रक्षा के प्रहरी रहे हैं और आज भी वे समाज के प्रेरणास्रोत और गौरव हैं। उनका अनुशासन, साहस और समर्पण हमारे लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद को बधाई देते हुए कहा कि इसने इन वीर योद्धाओं को समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए संगठित किया है। राज्यपाल ने कहा कि सैनिकों का योगदान केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है। वर्ष 1965, 1971 और कारगिल युद्ध जैसी ऐतिहासिक घटनाओं के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं में सहायता और दूरदराज क्षेत्रों में सामाजिक उत्थान में उनकी भूमिका अद्वितीय है। उनकी सेवाएं हर क्षेत्र में प्रेरणा और शक्ति का प्रतीक हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जरिये "वन रैंक, वन पेंशन" जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के कार्यान्वयन न केवल पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करती है, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को भी दर्शाती है। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व सैनिकों के अनुशासन और नेतृत्व कौशल शिक्षा, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कार्य समाज को समृद्ध कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के बच्चों की शिक्षा, परिवार की सुरक्षा और रोजगार के सम्मानजनक अवसर सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व सैनिक केवल अतीत के रक्षक नहीं हैं, वे हमारे वर्तमान और भविष्य के निर्माता भी हैं। उनके सम्मान और गरिमा की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है, जो राष्ट्र के प्रति सच्ची सेवा का प्रमाण है। राज्यपाल ने झारखंड में संगठन की प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि जमशेदपुर से शुरू हुई यह यात्रा राज्य के 11 जिलों में विस्तारित हो चुकी है। यह संगठन न केवल पूर्व सैनिकों के अधिकारों की रक्षा कर रहा है, बल्कि समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान दे रहा है। सैनिकों की वीरता के पीछे उनके परिवारों के अद्वितीय समर्थन की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनके त्याग और धैर्य से पूरा समाज प्रेरणा लेता है। सैनिक परिवार कल्याण न्यास, जिसने शहीदों के परिवारों और आश्रितों की देखभाल का दायित्व उठाया है, सराहनीय है। राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों से कहा कि उनका संघर्ष और समर्पण व्यर्थ नहीं जाएगा। पूरा देश उनके साथ खड़ा है और उनके उत्थान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।

हिंदपीढ़ी इलाके से लापता दो सगी बहनों के अपहरण की आशंका

एजेंसी । रांची

शहर के हिंदपीढ़ी इलाके से दो सगी बहनों के लापता होने के मामले में पुलिस लगातार तकनीकी शाखा के सहयोग से सुराग लगाने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, दोनों बहनें रांची के कांटाटोली चौक के मंगल टावर के पास आधार कार्ड को सुधरवाने गई थी। इस दौरान दोनों का मोबाईल फोन ऑफ हो गया। इसके बाद पीड़ित परिवार ने थाने में शनिवार रात शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित परिजनों ने आशंका जताई है कि ऑटो में बैठने के दौरान मोबाइल छीन कर दोनों का अपहरण कर लिया गया है। युवतियों की पहचान रहनुमा प्रवीण (20) और अमरीना असगर (18) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस को दोनों के मोबाईल फोन का लास्ट लोकेशन रांची के ओरमांझी इलाके में मिला है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है, जिससे दोनों का सुराग मिल सके।

एबीवीपी ने विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया

एजेंसी । रांची

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हुए महानगर के विभिन्न शैक्षणिक परिसरों में रविवार को कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया। राम लखन सिंह महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एबीवीपी ने वर्तमान परिदृश्य में विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी एवं विकसित भारत में युवाओं की भूमिका विषय पर इंस्टीट्यूट आफ लीगल स्टडीज में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विष्णुचरण महतो, प्राध्यापक भारत कुमार, प्राध्यापक विजय कुमार, प्रदेश सह मंत्री ऋतुराज सहदेव उपस्थित रहे। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विष्णुचरण महतो ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में ही विश्व पटल पर भारत का परचम लहराया था। उन्होंने युवावस्था का संपूर्ण कल मातृभूमि के लिए समर्पित किया था। उनका मानना था कि किसी भी राष्ट्र के वर्तमान से भविष्य निर्माण में सबसे ज्यादा योगदान उस राष्ट्र के युवाओं का होता है। स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं आज भी पूरी तरह से प्रासंगिक हैं। उनकी शिक्षाओं को अगर हम जीवन में उतार लें तो राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से काम करने की ऊर्जा सभी युवाओं को मिलेगी। एबीवीपी रांची महानगर इकाई की ओर से युवा दिवस के पूर्व संध्या पर दीपोत्सव एवं युवा दिवस के अवसर पर बड़ा तालाब स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं रांची महानगर कार्यालय में संगोष्ठी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

स्वामी विवेकानंद का जीवन आत्मविश्वास, अनुशासन और परिश्रम का प्रतीक : राज्यपाल

एजेंसी । रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन आत्मविश्वास, अनुशासन और परिश्रम का प्रतीक है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवाओं के लिए प्रेरणा का अटूट स्रोत बताया। राज्यपाल स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा विकास संघ के तत्वावधान में कांके के चारी हुजीर स्कूल मैदान में आयोजित 'भव्य युवा महोत्सव' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के वाक्य "उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" का उल्लेख करते हुए युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा दी। साथ ही झारखंड के युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने साहस, परिश्रम और प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में राज्य और देश का मान बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस 'भव्य युवा महोत्सव' के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि यह महोत्सव राज्य के युवाओं के जीवन में नई प्रेरणा और ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

स्वामी विवेकानंद का जीवन भारत माता के गौरव और सम्मान का प्रतीक : राज्यपाल

एजेंसी । रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके जीवन और विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन भारत माता के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। उनका व्यक्तित्व और उनके विचार आज भी हमारे समाज को प्रेरित करते हैं और हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। राज्यपाल रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर रांची के बरियातू स्थित स्वयंसेवी संस्था विकास भारती बिशुनपुर के जरिये आयोजित 'कला एवं सांस्कृतिक महोत्सव में बोल रहे थे। राज्यपाल ने सन् 1893 में शिकागो में हुए विश्व धार्मिक महासभा में स्वामी विवेकानंद के जरिये दिए गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख किया, जिसने पूरी दुनिया को भारत की महान संस्कृति और मानवता के संदेश से अवगत कराया। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद के उद्धरण 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' काउल्लेख करते हुए कहा कि यह संदेश युवा शक्ति को प्रोत्साहित करता है। राज्यपाल ने विकास भारती बिशुनपुर के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था पद्मश्री अशोक भगत के नेतृत्व में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रयासरत है और अपने कार्यों से समाज में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने विकास भारती के सदस्यों को निःस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलते हुए लोक-कल्याण की दिशा में और भी सक्रियता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'स्टार्टअप इंडिया,' 'स्किल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना तभी पूरा होगा जब हमारे युवा अपनी पूरी ऊर्जा और रचनात्मकता से देश के विकास में योगदान देंगे। राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें और विकसित भारत में अपना योगदान दें। इस अवसर पर राज्यपाल ने संस्था द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों और प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विवेकानंद की जयंती पर किया नमन

एजेंसी । रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विवेकानंद की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को लिखा है कि सभी देशवासियों को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही कहा है कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श हमें सिखाते हैं कि हर युवा के भीतर बदलाव लाने की शक्ति है। आइए, इस दिन पर हम अपनी जिम्मेदारियों को समझें और एक समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लें। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को लिखा है कि देश की समृद्ध संस्कृति को विश्व पटल पर ले जाने वाले, युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर शत-शत नमन। आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सभी को बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

मोस्ट वांटेड राहुल तुरी की गले में लगी गोली सिर से हो गई पार

एजेंसी । रामगढ़

तीन जिलों का मोस्ट वांटेड अपराधी राहुल तुरी उर्फ आलोक जब पुलिस के साथ मुठभेड़ कर रहा था, तो झाड़ियों में छुप गया था। लगभग 48 से अधिक गोलियां दोनों तरफ से चली। राहुल तुरी की मौत तब हुई जब पुलिस की गोली उसके गले में लगी और सिर से पार हो गई। उसे एक और गोली पैर में भी लगी थी। इन सब का खुलासा रविवार को तब हुआ जब मजिस्ट्रेट के मौजूदगी में तीन डॉक्टरों की टीम ने उसके शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पर रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने भी पूरी निगाह रखी थी। एसपी अजय कुमार ने बताया कि राहुल तुरी की मौत हो गई, लेकिन उसका साथी आकाश करमाली गिरफ्तार कर लिया गया था। शनिवार की देर रात तक कुजू ओपी क्षेत्र के मुरपा बस्ती में सुनसान इलाके में भी छापेमारी चल रही थी। लेकिन अंधेरा होने की वजह से पुलिस को सर्च अभियान रोकना पड़ा। रविवार की सुबह से ही आकाश करमाली की निशानदेही पर एक बार फिर सर्च अभियान शुरू हुआ। हजारीबाग और रामगढ़ जिले के जिन स्थानों पर वह रुका था और जिन-जिन स्थानों पर हथियार छुपा कर रखा था उसकी जानकारी उसने दी है। फिलहाल मुठभेड़ के स्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर 7.62 एमएम का पिस्टल और मैगजीन से जिंदा गोली बरामद की गई है। साथ ही राहुल तुरी के हथियार से चली गोली के खोखे बरामद किए गए हैं। हजारीबाग जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में भी सर्च अभियान चल रहा है, लेकिन अभी तक वहां कोई सफलता हासिल नहीं हुई है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 13 जनवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

गोस्वामी क्लासेस के विद्यार्थियों का सीटेट में उल्लेखनीय प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : गोस्वामी क्लासेस के विद्यार्थियों ने सीटेट में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। शुक्रवार को सीटेट का परिणाम जारी हुआ है। संस्थान के निदेशक अशोक पारस ने बताया कि संस्थान के करीब डेढ़ दर्जन विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। उनमें दीपक कुमार बाउरी, बीरबल हेंब्रम, शत्रुघ्न शर्मा, बीजू लाल कुमार माझी, सुमन कुमारी और बेला कुमारी ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतरता जरूरी है। मेहनत के बल पर सब कुछ संभव है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लगन और मेहनत ही सफलता का मार्ग तय करती है। अशोक पारस ने बताया कि उनकी संस्थान विगत दस वर्षों से शिक्षक तैयारी का पर्याय बना हुआ है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल थाने में दर्ज एक दुष्कर्म मामले के आरोपी तथा निमियाघाट थाना अंतर्गत रांगामाटी टोला बरमसिया निवासी फरीद अंसारी के 30 वर्षीय पुत्र वारिस अंसारी उर्फ रेहान उर्फ मो. नदीम कुरैसी को थाना के अनि दीपक कुमार पासवान ने रविवार को गिरफ्तार कर चिकित्सीय जांच के बाद तेनुघाट स्थित अनुमंडलीय उपकारा भेज दिया गया। वारिस अंसारी पर थाना क्षेत्र अंतर्गत असनापानी के बेलदार टोला निवासी एक 31 वर्षीय महिला ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने को लेकर थाना में मामला दर्ज करवाया था।

खांजो नदी किनारे एसएस हाई स्कूल के पूर्ववर्ती छात्रों ने किया मिलन समारोह

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार स्थित एसएस प्लस टू हाई स्कूल के 1994 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों का पिकनिक सह मिलन समारोह का आयोजन रविवार को खांजो नदी किनारे सम्पन्न हुआ। इस दौरान सहपाठियों ने अपने स्कूली जीवन के पुराने व बीते दिनों की याद कर जमकर मस्ती की। मौके पर धनलाल कपरदार, मनोज प्रजापति, विजय प्रजापति, आलमगीर, अजय पाल, राशिद अंसारी, हसीब रहमान, छत्रु महतो, कुणाल जायसवाल, नितिन जायसवाल, पवन गोस्वामी, फजल करीम, रामेश्वर मुर्मू, परवेज खान, रामबिलास नायक व अन्य सहपाठी मौजूद थे।

होहो-हाहा क्लब ने किया कंबल व शॉल का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित वरीय नागरिकों की संस्था होहो-हाहा क्लब द्वारा रविवार को गोमिया प्रखंड अंतर्गत नवदंडा गांव स्थित उप्रावि में आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों के बीच कड़ाके की ठंढ को देखते हुए 100 कंबल एवं युवतियों के बीच 30 शॉल और बच्चों के बीच चॉकलेट एवं बिस्किट का वितरण किया गया। क्लब द्वारा प्रत्येक वर्ष बुजुर्गों, महिलाओं और पुरुषों के बीच कंबल का वितरण ठंढ में किया जाता है। मौके पर डीवीसी के अवकाश प्राप्त कार्यकारी निदेशक पी कुमार, केपी सिंह, भोला प्रसाद, डॉ. एस नंदी, सीसीएल कर्मी आर मंडल, संजीत, शिक्षक मनोज आर्यन, सीएसआर कोनार के सुनील कुमार, गोमिया की जिला परिषद सदस्य बिमला देवी और समाजसेवी नारायण महतो आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ता परिषद ने मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : वनभोज स्थल, सिटी पार्क में अधिवक्ता परिषद ने स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई। नए आपराधिक कानून व अंतिम व्यक्ति को न्याय, विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि झारखंड स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण एवं मुख्य वक्ता डॉ. बागिस उपाध्याय प्राध्यापक नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रांची, स्वामी विवेकानंद स्मारक केंद्र बोकारो के संचालक (प्रचारक) श्रीराम भरोसे गिरि व विशिष्ट अतिथि सुनील कुमार, क्षेत्र मंत्री, अधिवक्ता परिषद, प्रांत महामंत्री विजय नाथ कुंवर आदि थे। चेयरमैन राजेंद्र कृष्ण ने स्वामी जी के बारे में विस्तार से बताया व गिरि ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्मेंर में डॉ. बागिस व प्राध्यापक ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के नए कानून के विषय में बताया। सुनील कुमार क्षेत्र मंत्री, प्रांत महामंत्री कुंवर ने भी संबंधित विषय पर अपना व्याख्यान दिया गया। राजेंद्र विश्वकर्मा, ब्रजेश कुमार, सुबोध कुमार एवं अन्य युवा अधिवक्ताओं ने भी प्रश्नोत्तरी व ज्ञानबर्धन जानकारी दी।

सरकार मदद करे तो आध्यात्मिक धरोहर बन सकता है रामलखन टुंगरी : प्रकाश

रामलखन टुंगरी स्थल को धरोहर के रूप में विकसित करने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिला प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ विभिन्न आध्यात्मिक व धार्मिक धरोहरों से भी परिपूर्ण है। इन्हीं में से एक धरोहर स्थल है रामलखन टुंगरी स्थान। इससे थोड़ी दूरी पर स्थित है मृगीखोह। धार्मिक आस्था से जुड़े उक्त दोनों स्थलों को विकसित कर इसे धरोहर के रूप में स्थापित किया जा सकता है। झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ के मंजूरा ग्राम समिति अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी प्रकाश कुमार महतो ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि राज्य की हेमंत सरकार से रामलखन टुंगरी और मृगीखोह क्षेत्र के विकास की पूर्ण अपेक्षा है। उन्होंने गोमिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र महतो से भी इस दिशा में सकारात्मक आशा व्यक्त की है। उन्होंने दोनों स्थलों के विकास की मांग करते हुए कहा कि सरकार अगर मदद करे तो यह पौराणिक धर्म-स्थली विश्वप्रसिद्ध धरोहर के रूप में स्थापित हो सकता है। उन्होंने कहा कि मृगीखोह में हर साल मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में मृगी खोह, उसके बाद सेवाती घाटी तथा राम लखन टुंगरी में विशाल मेला लगता है। यहां कसमार के साथ-साथ जरीडीह, पेटरवार सहित पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा व अन्य राज्यों से भी लोग भारी तादाद में पहुंचते हैं। क्षेत्र की युवतियां व महिलाएं ढोल-नगाड़े व गाजे-बाजे के साथ टुसू प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के बाद टुसू का विसर्जन करती हैं। प्रकाश ने कहा कि मृगी खोह तथा राम-लखन टुंगरी और सेवाती घाटी को पर्यटन स्थल की श्रृंखला के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कसमार प्रखंड के उक्त दोनों स्थलों में पानी-बिजली सहित कोई बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है। कुछ दिनों पूर्व सड़क बनी है, लेकिन अन्य मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। उन्होंने रामलखन टुंगरी स्थल एवं मृगखोह को धरोहर के रूप में विकसित करने की मांग की है। प्रकाश सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि रामलखन टुंगरी में हर साल मकर संक्रांति के बाद भव्य मेला लगता है, लेकिन आज तक यहां के विकास को लेकर ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। यहां लगने वाले रामलखन टुंगरी मेले में हर साल हजारों की तादाद में श्रद्धालु आते हैं, परंतु पानी-बिजली और शौचालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। सड़क की स्थिति तो सुधरी है, परंतु पानी और बिजली के साथ-साथ शौचालय की व्यवस्था नहीं है। यहां का पुराना मंदिर भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुका है, जिसके जीर्णोद्धार की भी जरूरत है। सरकार यदि इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में सकारात्मक सहयोग करे तो मंदिर और आसपास के पूरे इलाके का सौंदर्यीकरण तथा अन्य विकास कार्य हो सकते हैं। इससे न केवल क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से कई लोगों को रोजी-रोटी भी मिलेगी तथा त्रेता युग की इस धरोहर की बदौलत कसमार तथा बोकारो जिला सहित झारखंड को विश्व में एक नई पहचान मिलेगी।

कसमार में कुम्हार महासंघ ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो :झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ कसमार प्रखंड इकाई ने रविवार को प्रजापति धर्मशाला, जैनामोड़ में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस दौरान स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर चर्चा की गयी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कसमार प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार प्रजापति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उनका युवाओं में अटूट विश्वास था। उनका मानना था कि युवा ही देश का भविष्य हैं। अगर युवा जागरूक होंगे, तो देश प्रगति करेगा। कसमार गर्री ग्राम कमिटी अध्यक्ष शशि भूषण प्रजापति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेने की जरूरत है। युवा देश के रीढ़ है और युवा को आगे आने की जरूरत हैं। इस दौरान गर्री ग्राम कमिटी के सचिव संजय कुमार प्रजापति, पवन कुमार, मंजूरा ग्राम कमिटी अध्यक्ष प्रकाश कुमार प्रजापति आदि ने भी संबोधित किया।

अधिवक्ताओं के मिलन समारोह में सुरक्षा को लेकर बनाई रणनीति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रविवार को बालीडीह स्थित डैम पर अधिवक्ताओं का मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन किया गया। वनभोज सह मिलन समारोह में वरीय अधिवक्ता हरि प्रकाश सिंह ने कहा कि हम सब एक परिवार की तरह हैं और सभी के सुख दुख में साथ है। वहीं, इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य हम सभी लोग अधिवक्ता हित के लड़ाई में एक साथ है। उन्होंने राज्य सरकार से झारखंड में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट जल्द लागू करने की मांग की। इसके लिए झारखंड के सभी अधिवक्ता आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। वरीय अधिवक्ता लालटू चरण महतो ने सभी आए हुए अधिवक्ताओं का गर्म जोशी से स्वागत किया और कहा कि सभी काले कोर्ट वाले एक है, यदि कोई हमे बांटने का प्रयास करेगा तो उसे जवाब दिया जाएगा। अधिवक्ता दिनेश प्रसाद शर्मा ने सभी अधिवक्ताओं से आग्रह किया कि हमलोग मिलजुल कर एक साथ रहें और अधिवक्ताओं के खिलाफ हो रहे हमला पर रोक लगे। मौके पर अधिवक्ता संघ के सदस्य सोमनाथ शेखर, बासुदेव गोस्वामी, फटीक चंद्र सिंह, चंद्रशेखर तिवारी, विजय झा, राजीव कुमार सिंह, नरेश महतो, संजीत महतो, बिनोद गुड़िया, महीतोश मंडल, हरिवंश नारायण पोद्दार, संपूर्ण चंद्र लायक, सृष्टिधर सिंह, बिनोद कुमार सिंह, प्रेम तिवारी, दिनेश प्रसाद घोषाल, धनजी चौधरी, अरूप चक्रवर्ती, पंकज बंसल आदि मौजूद थे।

गोस्वामी समाज का गरगा डैम में जिला स्तरीय समागम का हुआ आयोजन

- डॉ पूर्णेन्दु गोस्वामी बने अध्यक्ष व अशोक पारस उपाध्यक्ष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गोस्वामी समाज, झारखंड का बोकारो जिला स्तरीय गोस्वामी समागम समारोह रविवार को गरगा डैम के किनारे आयोजित हुआ। इस दौरान गोस्वामी समाज को मजबूत व विकसित बनाने समेत अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मौके पर सामाजिक कुरीतियों को मिटाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष दीपक गोस्वामी, प्रदेश उपाध्यक्ष चक्रधर नाथ गोस्वामी, डॉ पूर्णेन्दु गोस्वामी, अशोक पारस, गिरिधारी गोस्वामी आकाशखूंटी, जिला सचिव सरयू प्रसाद गोस्वामी, मीरा योगी, कामेश गोस्वामी, कालीचरण गोस्वामी, धीरेंद्रनाथ गोस्वामी, हरेकनाथ गोस्वामी, अबोध गोस्वामी, शंकर गोस्वामी आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। संचालन अशोक पारस व गिरिधारी गोस्वामी आकाशखूंटी ने संयुक्तरूप से किया।

इस दौरान सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुंदर गोस्वामी समेत अन्य कई लोगों को शॉल देकर सम्मानित किया गया। डायलिसिस की अवस्था मे भी सुंदर गोस्वामी कार्यक्रम में पहुंचे। मौके पर प्रयाग चंद्र गोस्वामी की पुस्तिका आदि गुरु शिव स्तुति वंदना का विमोचन भी हुआ। समागम समारोह के दौरान गोस्वामी समाज की जिला कमेटी का पुनर्गठन भी किया गया। इसमें डॉ पूर्णेन्दु गोस्वामी अध्यक्ष, अशोक पारस उपाध्यक्ष, सरयू प्रसाद गोस्वामी सचिव, हरेकनाथ गोस्वामी उप सचिव तथा कामेश गोस्वामी कोषाध्यक्ष बनाये गये हैं। प्रदेश सह सचिव सुरेंद्रनाथ गोस्वामी ने नयी कमेटी की घोषणा की। इसी तरह महिला इकाई का गठन भी हुआ। उसमें मीरा योगी अध्यक्ष, आशा गोस्वामी सचिव, अहिल्या गोस्वामी उपाध्यक्ष, रंजनी गोस्वामी उप सचिव, पुष्पा गोस्वामी कोषाध्यक्ष तथा ललिता देवी, कविता गोस्वामी, मीणा गोस्वामी, ममता देवी, पुष्पा देवी व अनु गोस्वामी आदि सदस्य बनायी गयी है। मौके पर राकेश्वर गिरी, पंडित श्याम गोस्वामी, डॉ एके प्रसाद, शिवचरण गोस्वामी, रंजीत गिरि, मुकेश गोस्वामी, नंदगोपाल गोस्वामी, दशरथ गोस्वामी, सुवेन्द्र गोस्वामी, ममता गोस्वामी, सावित्री देवी, रंजीत गोसाई, चंद्रमोहन गोस्वामी, विकास गोस्वामी, संजीत गोस्वामी, शशि गोस्वामी, देवीलाल गोस्वामी आदि मौजूद थे।

संघ की बैठक में 27 के प्रदर्शन को लेकर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक तारकेश्वर महतो की अध्यक्षता में सेक्टर 3सी में हुई। बैठक का संचालन करते हुए संघ के महामंत्री सुमन सिंह ने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन को पूर्व में दिए गए मांग पत्र के आलोक में प्रबंधन अब तक उदासीन है, अतः सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 27 जनवरी को पास सेक्शन एडीएम के पास प्रदर्शन सह आमसभा आयोजित की जाएगी। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संयुक्त महामंत्री आशा देवी ने कहा कि प्रबंधन को 32 सूत्री मांग पत्र सौंपा जा चुका है। मुख्य रूप से उपस्थित सदस्यों में उपाध्यक्ष नवीन सिंह, मिथिलेश पाल सिंह, मीडिया प्रभारी गंगेश कुमार पाठक, मीरा देवी, देवेंद्र कुमार, सुमित सिंह, सुरेश कुमार, आशिष कुमार, प्रतिमा शर्मा, रामचरण हजाम, मदन पाठक, भोला प्रसाद, लक्ष्मण सिंह, गुलाम जिलानी आदि अन्य थे।

सीएसआर के तहत महिलाओं को स्वावलंबी बना रहा डीवीसी : सुशील

प्रशिक्षण की समाप्ति पर परियोजना प्रधान ने किया प्रमाण-पत्र वितरित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : डीवीसी प्रबंधन की ओर से सीएसआर के तहत सीएसआर प्रशिक्षण केंद्र में विगत 6 जनवरी से आयोजित महिलाओं एवं युवतियों के लिए खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन रविवार को किया गया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, विशिष्ट अतिथि बेरमो प्रखंड प्रमुख गिरजा देवी मौजूद थीं। एक सप्ताह तक चलने वाले प्रशिक्षण समाप्ति पर सभी प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं एवं युवतियों को एचओपी एवं प्रखंड प्रमुख ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित करने का काम किया।

मौके पर एचओपी ने कहा कि डीवीसी सीएसआर द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण से महिलाओं को रोजगारोन्मुख कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सफल प्रयास है। कहा कि महिलाएं अपने प्रोडक्ट को बेहतर बनाने का कार्य करें तो उसे डीवीसी के कर्मचारी, अधिकारी एवं इंजीनियर ही लेने का कार्य करेंगे। प्रखंड प्रमुख ने भी डीवीसी सीएसआर के इस प्रकार के प्रयास की सराहना की। डिग्री कॉलेज के प्राचार्य जीपी सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। मौके पर डीवीसी एचआर के वरीय प्रबंधक सुनील कुमार, इप्टा नारायणपुर की सुभद्रा कुमारी, गोविंदपुर की पंचायत समिति सदस्य अनिता देवी और बांकुड़ा से आये प्रशिक्षक सुजीत कुमार सेनगुप्ता, भैरो महतो, कृष्णा कुमार, सुष्मिता बर्णवाल सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। सीएसआर द्वारा महिलाओं को आचार, जैम, जेली, टमाटर व चिल्ली सॉस आदि बनाने का प्रशिक्षण सीएसआर के डीजीएम बीजी होलकर के नेतृत्व में दिया गया था।

श्रीमद् भागवत गीता पाठ के विजेताओं को किया पुरस्कृत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चिन्मय मिशन बोकारो द्वारा चिन्मय विद्यालय के तेजोमयानंद सभागार में आयोजित नगर स्तरीय गीता गायन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, मिशन सचिव हरिहर राउत, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मलिक एवं उप प्राचार्य नरर्मेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। चास-बोकारो के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बहुत ही उत्साह से गीता गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजन में चिन्मय मिशन बोकारो के सदस्य, विद्यालय के शिक्षकों एवं अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रमुख रूप से चिन्मय मिशन के सचिव हरिहर राउत, कैलाश, आशीष ठाकुर,अनिल कुमार, वकीलकांत मिश्रा, पंकज कुमार मिश्रा, निखिल चंद्र मिश्रा, रजनीश चौधरी एवं अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संजीव मिश्रा ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के भूमिका में सोमा तिवारी, नेहा कुमारी, ज्योति कुमारी, रोली प्रियदर्शी, सविता प्रमाणिक, गीतांजलि, नरेंद्र कुमार राय एवं उदित पांडे ने अहम भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में कुल 6 ग्रुप बनाए गए थे एवं प्रत्येक ग्रुप में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कारों के साथ साथ सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। मौके पर अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मलिक, उप प्राचार्य नरर्मेन्द्र कुमार, मिशन सचिव हरिहर राउत एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति ने सभी को विजेताओं को ढेरों शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना की । चिन्मय मिशन बोकारो ने सभी प्रतिभागी विद्यालय के प्रबंधक, प्राचार्यों एवं शिक्षको का आभार प्रकट किया। चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद एवं विद्यालय प्राचार्य सूरज शर्मा ने दूरभाष द्वारा सभी विजेताओं को बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

बेड़ो में अगलगी से पुआल का गांज जलकर राख

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बेड़ोः बेड़ो थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली मैदान के पचपदा पतरा के समीप शनिवार की रात लगभग नौ बजे किसान मंगरा उरांव का पुआल जलकर राख हो गया। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इधर घटना की सूचना ग्रामीणों ने मंगरा उरांव को दिया। वहीं सूचना मिलते ही अन्य ग्रामीण वहां पहुंचे। ग्रामीणों ने आग बुझाने का अथक प्रयास किया। लेकिन तब तक देर हो गई थी। पुआल में आग लगने से मंगरा उरांव को हजारों का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने बताया कि उसके चार पांच गाय बैल हैं। वह अपनी मवेशियों के लिए पुआल जमा करके रखा था। लेकिन उसमें आग लगने से उसके मवेशियों को खिलाने के लिए अब कुछ नहीं बचा। इधर घटना की जानकारी मिलने पर समाज सेवी चरवा उरांव, ग्राम प्रधान राम प्रसाद लोहरा और पड़हा राजा विशाल उरांव ने प्रखंड प्रशासन से पीड़ित किसान को आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

अमेरिका में जाकर हिंदुत्व की आवाज बुलंद करने वाले युवाओं के आइकॉन स्वामी विवेकानंद ही हो सकते हैं: अमरेंद्र सिंह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर स्वदेशी जागरण मंच द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई। मजदूर मैदान में आयोजित स्वावलंबी भारत अभियान कार्यक्रम में मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र सिंह ने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आइकॉन बताते हुए कहा कि उनका जीवन और संदेश युवाओं को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को रोजगार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित करना है। अमरेंद्र सिंह ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच हर घर स्वदेशी और युवाओं को रोजगार के लक्ष्य को पूरा करने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम के दौरान मेले में आए नागरिकों और छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला, रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में इंटरनेशनल आर्टिस्ट सरोज कुमार और नागेंद्र सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर अमरेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान के तहत युवाओं को राष्ट्र निर्माण और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

स्वदेशी मेले के अंतर्गत आयोजित काव्य गोष्ठी में बोकारो, धनबाद, हजारीबाग सहित विभिन्न जिलों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि बोकारो केवल इस्पात की भूमि नहीं है, बल्कि यहां कवि, साहित्यकार और रचनाकार भी गढ़े जाते हैं। ग्रंथ सृजन संस्थान के संस्थापक रजत नाथ ने कहा कि साहित्य और कला समाज का प्रतिबिंब होते हैं, और मन की भावनाओं को शब्दों में ढालना ही काव्य है।

काव्य गोष्ठी में विवेक सिंह ने "क्रोध और द्वंद", गीता कुमारी ने "आओ चलकर ढूंढ़ें गांव में पीपल की छांव", और सुप्रिया सरस ने "थोड़ी-सी बदतमीजी मुझे भी सिखाई होती" जैसी रचनाएं प्रस्तुत कीं। वहीं, चंदनी वर्मा ने "मन जिताए, मन हराए" और कल्पना केसर ने "प्रेम का एहसास" कविता सुनाई। इन रचनाओं ने दर्शकों को बांधे रखा।

कार्यक्रम का संचालन गीता कुमारी और लव कुमार ने किया। स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा संकल्प दिवस के रूप में मनाने का यह प्रयास युवाओं को आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उत्पादों की ओर प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना है। धन्यवाद ज्ञापन ज्योति नाथ ने दिया।

नगर विकास समिति ने स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई

भारत युवाओं का देश : बालकृष्ण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : नगर विकास समिति के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती धर्मशाला मोड़ स्थित स्वर्गीय राजेंद्र महतो स्मृति भवन में मनाई गई। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं केक काटकर उपस्थित सदस्यों ने एक दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के संरक्षक सदस्य बालकृष्ण कुमार मुरारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का 11 सितंबर 1893 को विश्व धर्म सम्मेलन में अमेरिका के शिकागो शहर में दिया गया भाषण आज धरातल पर चरितार्थ हो रहा है। भारत आज युवाओं का देश है और युवा शक्ति के बल पर विश्व में परचम लहरा रहा है। आज भारत "गर्व से कहो कि हम हिंदू हैं" इसे देश के प्रधान सेवक से लेकर ग्राम पंचायत के सुदूर क्षेत्र तक रहने वाले सनातनवासियों में कूट-कूट कर दिख रहा है।

समिति के महासचिव शिवकुमार श्रीवास्तव के जन्मोत्सव पर भी सभी सदस्यों ने खुशी व्यक्त की। साथ ही श्री श्रीवास्तव के उज्जवल भविष्य एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्य में बढ़-चढ़कर सदैव अग्रसर रहने की कामना की। कार्यक्रम में नगर विकास समिति के अध्यक्ष अभय कुमार मुन्ना, शिव कुमार श्रीवास्तव, रामकिंकर महथा, नरोत्तम झा, जनार्दन सिंह चौधरी, आशीष कुमार, पंकज सिंह, मधुसूदन सिंह, खिरोधर महतो, दीनबंधु महतो, प्रदीप सिंह, बुद्धू मोदक सहित अनेक सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी।

लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में अखंड हरी कीर्तन के साथ चार दिवसीय मकर संक्रांति मेला का शुभारंभ, 72 घंटे के अखंड हरीकीर्तन का होगा आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

संवाददाता लापुंग :- लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में आयोजित चार दिवसीय मकर संक्रांति मेला महोत्सव का 72 घंटे के अखंड हरी कीर्तन के शुभारंभ के साथ किया गया। इस दौरान पुजारी राम शंकर पाठक ने जजमान विनय पांडे के साथ मिलकर सुंदरकांड पाठ के बाद वैदिक मंत्रोचार के बीच 72 घंटे के अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ किया। मेले के दौरान श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान सहित पूजा अर्चना और मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक रणनीति बनाई गई। इस मौके पर अध्यक्ष राजकमल गोप ने कहा कि घघारी बाबा धाम में आयोजित होने वाले मकर संक्रांति महोत्सव के दौरान रांची, गुमला, लोहरदगा और खूंटी जिले से हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का हमें ध्यान रखना होगा। मेला के दौरान वाहनों को मेला स्थल से एक किलोमीटर दूर ही बैरिकेटिंग लगाकर रोका जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मेला आयोजन समिति के भुवन महतो, सेवक सिंह, तीर्थनाथ सिंह, सुनील उरांव, संजय महतो, पुजारी सीताराम पाठक, राजकुमार पाठक, राम शंकर पाठक, विनय पाण्डेय, मार्कण्डेय गोस्वामी तुलसीदास गोस्वामी, नारायण सिंह, हरिमोहन गोप, मनबोध सिंह, महावीर गोप श्याम लाल शेखर सिंह सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेड़ो में मना विवेकानंद जयंती समारोह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ोः बेड़ो प्रखंड के एकल अभियान बेड़ो संच के बैनर तले महादानी मैदान व एबीवीपी के तत्वावधान में केसीबी कॉलेज बेड़ो के सभागार में रविवार को विवेकानंद जयंती सह रामलला का प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान एकल अभियान बेड़ो संच के तत्वावधान में एक शोभायात्रा निकाली गई। जो महादानी मैदान से शुरू होकर गुमला रोड,लोहरदगा रोड,जिला परिषद व देवी मंडप होते हुए पुनः महादानी मैदान स्थित रंगमंच पर पहुंच कर एक समारोह में बदल गया। जहां स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया गया। समारोह में संच के अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता,वाणी कुमार रॉय,भीखा उरांव, अशोक पण्डा,रंजीत खत्री,मनोज साहु,दूधन स्वांसी, योगेन्द्र पाण्डेय, हीरालाल महतो, पुरूषोत्तम यादव, डॉ एस पी साहु व मनोज साहु आदि ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। इधर इसे सफल बनाने में बेड़ो,रातू,मांडर,चान्हो, लापुंग,नगड़ी व ठाकुरगांव संच के शिक्षक, शिक्षिका व दर्जनों विद्यार्थियों ने सराहनीय योगदान दिया। वहीं एबीवीपी के तत्वावधान में करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो के सभागार में आयोजित विवेकानंद जयंती समारोह की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती व स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर सरस्वती विद्या मंदिर बेड़ो के प्रधानाचार्य उमेश नारायण सिंह,मुखिया सुशांति भगत, शिवेंद्र सौरभ व प्रो विकास कुमार सिन्हा आदि ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही स्वामी विवेकानंद के संदेशों को मानवता व विश्व कल्याण के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बताया। जो आज भी प्रासंगिक है। इस दौरान महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं समारोह का संचालन आकाश रक्षित व धन्यवाद ज्ञापन तीरथ महतो ने किया।

डीवीसी के सदस्य सचिव ने चंद्रपुरा के कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया

राष्ट्रीय मुख्यधाराः दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के सदस्य सचिव डॉ जॉन मथाई ने आज चंद्रपुरा के प्रशिक्षण संस्थान में अवस्थित कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान श्री विजया नन्द शर्मा , वरिष्ठ महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ डीसी पांडेय , प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक श्री विनोद राय सहित डीवीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सदस्य सचिव डॉक्टर मथाई ने डीवीसी द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।इस प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण पाकर हजारों छात्र-छात्राएं रोजगार से जुड़ चुके हैं।

सदस्य सचिव एवं अन्य अधिकारियों ने प्रशिक्षण संस्थान में पौधारोपण किया और डीवीसी के अधिकारियों के साथ बैठक कर कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यहां के कई यूनियन के नेताओं के साथ भी वार्तालाप की।

प्रधानाध्यापक के हत्यारें की गिरफ्तारी को लेकर शिक्षक और परिजनों ने घंटो किया जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। प्रधानाध्यापक के हत्या के विरोध में सहकर्मी शिक्षक-शिक्षिका एवं परिजनों ने शिवपहाड़ चौक पर धरना पर बैठ दिनभर जाम रखा। शव का पोस्टमार्टम रोक हत्या के कारणों और हत्यारें की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन एवं शिक्षक सुबह से शिवहाड़ चौक को जाम कर प्रशासन तथा पुलिस विरोधी नारे लगाते रहे।

जाम से वाहनों का आवागमन पूरी तरह दिनभर ठप रहा। शिक्षक और परिजन शिवपहाड़ चौक पर गिधनी पहाड़ी जाने वाली रोड़, एसपी कॉलेज, पोखरा चौक एवं कुम्हारपाड़ा की ओर जाने वाले सभी रास्तों में रस्सी बांध बाईक सहित सभी वाहनों का आवागमन बाधित रखा। हत्या के कारणों को जल्द उजागर करने और हत्यारों को गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद करीब छह बजे लोग माने और जाम हटाया। तब जाकर प्रशासन शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप सकी। हालांकि हत्या की आशंका जता परिजनों के शिकायत के बाद से ही मुफस्सिल थाना पुलिस सक्रिय हो गई थी।

हत्या करने के संदेह में पुलिस शनिवार को देर रात ही जसीडीह से एक आरोपित को गिरफ्तार कर पूछताछ में जुटी है। सूत्रों की माने तो गिरफ्तार आरोपित दिवंगत प्रधानाध्यापक के विद्यालय का ही लिपिक बताया जा रहा है। हत्या के कारण प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। गिरफ्तार लिपिक का विद्यालय के ही शिक्षिका से संबंध की बातें सामने आ रही है। इसमें प्रधानाध्यापक का हस्तक्षेप के कारण आरोपित के जरिये साजिशन हत्या कर खुदकुशी का रूप देने की बातें सामने आ रही है। मामले में एक आरोपित को जसीडीह से गिरफ्तारी की बात स्वीकारते हुए थाना प्रभारी सत्यम कुमार ने बताया कि परिजनों के लिखित शिकायत पर एक आरोपित को जसीडीह से गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

उल्लेखनीय है कि छह जनवरी से गायब मसलिया में पदस्थापित प्रधानाध्यापक का पेड़ से लटका शव जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कड़हलबिल के घने जंगल में शनिवार को मिला था। शव की पहचान गिधनी निवासी ब्रेन्तियुस हेम्ब्रम (40)के रुप में हुई। जंगल में शव की सूचना पर पत्नी एवं परिजन पहुंचे। हत्या कर शव को पेड़ से लटका देने का आरोप लगाया था।

स्कूल प्रबंधन पर अत्याचार के आरोप, जांच के लिए टीम गठित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद के डिगवाडीह स्थित कार्मेल स्कूल में दसवीं की छात्राओं के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के मामले ने तूल पकड़ लिया है। छात्राओं और अभिभावकों द्वारा विद्यालय प्रबंधन पर लगाए गए गंभीर आरोपों की जांच के लिए उपायुक्त (डीसी) ने टीम का गठन किया है। जांच टीम सीसीटीवी फुटेज की विशेषज्ञों से जांच कराने के बाद सोमवार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

इस मामले को लेकर धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को अभिभावकों और छात्राओं ने समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त से मुलाकात की और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

क्या हैं आरोप?- अभिभावकों का आरोप है कि 9 जनवरी को स्कूल प्रबंधन ने पेन डे मनाने के कारण छात्राओं को अपमानित किया। आरोप है कि छात्राओं का शर्ट उतरवाया गया और उन्हें केवल ब्लेजर में घर भेज दिया गया। बताया गया कि पेन डे के दौरान छात्राएं एक-दूसरे के शर्ट पर लिख रही थीं, जो प्रबंधन को अनुचित लगा।

अभिभावकों ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ऐसी सजा से छात्राओं पर मानसिक तनाव बढ़ सकता था और वे किसी खतरनाक कदम को उठाने पर मजबूर हो सकती थीं। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जांच जारी, स्कूल प्रबंधन ने आरोपों से किया इंकार- घटना की जांच के लिए एसडीएम के नेतृत्व में एक टीम कार्मेल स्कूल पहुंची। टीम ने छात्राओं और शिक्षकों से पूछताछ की। साथ ही, विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने की कोशिश की गई। हालांकि, तकनीकी विशेषज्ञ की अनुपस्थिति के कारण फुटेज की जांच नहीं हो सकी।

स्कूल प्रबंधन ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि घटना के तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। जांच टीम के सोमवार तक अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

यह मामला शिक्षा प्रणाली और स्कूलों में अनुशासन के नाम पर किए जाने वाले व्यवहार पर सवाल खड़ा कर रहा है। अब सबकी निगाहें जांच रिपोर्ट और प्रशासन द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर टिकी हैं।

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में स्वामी विवेकानंद जयंती सह स्कूल की 9वीं स्थापना दिवस मनाई गई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ोः डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो के परिसर में रविवार को स्वामी विवेकानंद जयंती सह स्कूल की नवीं स्थापना दिवस मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के निदेशक सह प्रधानाध्यापक कैलाश कुमार , फाउंडर विष्णु महतो, सचिव श्रवण कुमार एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र में मल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कक्षा नवीं एवं हॉस्टल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की गई। साथ ही शिक्षकों के बीच फन गेम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों पर इस स्कूल की स्थापना हुई हुई व संचालन होता है।स्वामी विवेकानंद जी का जीवन हमें लगातार मेहनत करने और तब तक नहीं रुकने की प्रेरणा देता है जब तक हम अपनी मंजिल को प्राप्त न कर लें। स्कूल ने सफलतापूर्वक नवीं साल पूरा कर लिया है। साथ ही सफलता की मुकाम हासिल कर रहा है। वहीं इस क्षेत्र के बच्चों को शहरी स्कूलों की तरह सभी सुविधाएं प्रदान कर अच्छी शिक्षा दे रही है।यह अपने क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित संस्थान बन चुकी है। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक सावित्री देवी,अनीता कुमारी, ज्योति धीर, तारा देवी, रवि सिंह, आरती कुमारी, संदीप सिंह, रियांशु पांडे, अंजू पांडे, जयंतो चौधरी, अजय कुमार, गुलशन कुमार, दिनेश कुमार, राम सिंह, संदीपा, निर्मला, अमित, अनिल, प्रियंका, अरुणिमा, कमला, संचिता, भारती, मोनी, सुमति, फातिमा, अंजलीका, सोमी, सुशीला, विजय, सुषमा, स्मिता, गायत्री, आराधना, हंसिका, अंशु,जुगेंद्र, प्रियंका गागरी,आंचल, खुशबू, पृष्का, रंजन चंद्रा,कविता एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने सराहनीय योगदान दिया।

झारखंड कला सांस्कृतिक शोध संस्थान रंगमण्डल एवं नाट्य अकादमी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड कला सांस्कृतिक शोध संस्थान रंगमण्डल एवं नाट्य अकादमी द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम हरमू स्थित कार्यालय, रांची में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में खूंटी महाविद्यालय, खूंटी के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ मंजूषा पूर्ति उपस्थित रहे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन और शिक्षाओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश आज भी युवाओं को प्रेरित करता है और आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण तथा सामाजिक उत्थान के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में संस्था के सचिव डॉ दीपक प्रसाद भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनकी शिक्षाओं को वर्तमान समाज के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे विवेकानंद जी के विचारों को अपनाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर आधारित चर्चा का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने अपने विचार साझा किए। संस्था के इस आयोजन को सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से काफी सराहनीय माना गया। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सफल प्रयास था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित श्रीमान रामेश्वर राम गौंझू, अरुण कुमार कश्यप, अधिश्री प्रसाद, संतोषी कश्यप, शांति बढाईक, अद्विक कुमार, अक्षिता कश्यप, विकास आईन्द, यशस्वी कश्यप, अंश लकड़ा, हृदय नारायण, बिरसी देवी, आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भौतिकी के क्षेत्र में नवीनतम शोध और विचारों के आदान-प्रदान पर जोर

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी (आइएसएम) के पेनमेन सभागार में भौतिकी विभाग और इंडियन सोसाइटी ऑफ एटॉमिक एंड मॉलेक्यूलर फिजिक्स के सहयोग से आयोजित 24वें राष्ट्रीय परमाणु और आणविक भौतिकी सम्मेलन का शनिवार को समापन हो गया. इस चार दिवसीय कार्यक्रम में देश-विदेश के 100 से अधिक संस्थानों से आये 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी में नवीनतम शोध प्रस्तुत करना, विचारों का आदान-प्रदान करना और सहयोग को प्रोत्साहित करना था. समापन समारोह में आइआइटी आइएसएम के उपनिदेशक प्रो. धीरेज कुमार ने क्वांटम अनुसंधान के महत्व पर जोर देते हुए प्रतिभागियों को अभिनव शोध के लिए प्रेरित किया. दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. ज्योति राजपूत ने भारत में इस क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक प्रयासों की सराहना की. भौतिकी विभाग के प्रमुख और सम्मेलन के संयोजक प्रो. बाबी एंटनी ने शोध पत्रों और चर्चाओं का विस्तृत विवरण दिया. सम्मेलन में विशेषज्ञों के प्लेनरी व्याख्यान, उभरते शोधकर्ताओं की मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियां शामिल थीं. प्रो. पीएम सरुन ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया.

पति के भय से बेहोश हुई वन स्टॉप सेंटर में शिकायत करने पहुंची महिला

धनबाद, एजेंसी। वन स्टॉप सेंटर में शनिवार को फरियाद लेकर पहुंची महिला बेहोश हो गयी. आनन फानन में सेंटर की सदस्यों ने उसे एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया. वन स्टॉप सेंटर की को-ऑर्डिनेटर साधना कुमार व मेंबर पूनम सिंह ने बताया बरवाअड्डा की गीता कुमारी (22) अपने पति अमित पांडेय की शिकायत लेकर वन स्टॉप सेंटर पहुंची. उसने बताया कि 2023 में उसकी शादी अमित से हुई है. सीतामढ़ी में उसका मायका है.पति बहुत मारपीट करता है. कल भी उसने उसे बहुत मारा. शनिवार की सुबह वह घर से निकल कर स्टेशन पहुंच गयी, वह मायके जा रही थी. लेकिन पति ने पकड़ लिया. किसी तरह वह भागकर हिल कॉलोनी पहुंची. वहां से वन स्टॉप सेंटर फोन कर मामले की जानकारी दी. वन स्टॉप सेंटर में उसकी ऑनलाइन काउंसेलिंग चल रही है. वह टोटो से सेंटर पहुंची. यहां मामले की जानकारी दे रही थी, इसी बीच किसी ने कह दिया उसका पति आ रहा है, यह सुनते ही वह बेहोश हो गयी. तुरंत डीएसडब्लयूओ की गाड़ी से एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया. गीता के झरिया में रहने वाले दीदी, जीजा को सूचित किया गया. वे अस्पताल पहुंचे. गीता अभी तक बेहोश है. उसे ऑक्सीजन लगाया गया है. उसके होश में आने का इंतजार किया जा रहा है.

बीसीसीएल ने 100 लाभार्थियों को अनुकंपा के आधार पर नियोजन

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में शनिवार को कार्यक्रम आयोजित कर 95 लाभार्थियों को नियोजन पत्र वितरित किया गया. इससे पूर्व नौ जनवरी को रांची में आयोजित कार्यक्रम में कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी के हाथों से पांच लाभार्थियों को नियोजन पत्र प्रदान किया गया था. यानी बीसीसीएल ने साल के शुरुआत में अनुकंपा के आधार पर 100 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया है. इस अवसर पर बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने कहा कि बीसीसीएल का उद्देश्य है कि हम अपने कर्मियों के सुख-दुख में सदैव उनके साथ खड़े रहें. असमय मृत्यु को प्राप्त करने वाले कर्मियों के आश्रित अभ्यर्थियों को सही समय पर नियोजन प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है. इसके माध्यम से बीसीसीएल समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रहा है. बीसीसीएल सीएमडी ने कहा कि यह पहल न केवल कर्मियों के परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करती है, बल्कि बीसीसीएल की सामाजिक जिम्मेदारी व मानवीय मूल्यों को भी दर्शाती है. सीएमडी ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से कंपनी ने अपने कर्मियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व उनके परिवारों के कल्याण के प्रति अपनी संवेदनशीलता को प्रदर्शित किया है. मौके पर बीसीसीएल के महाप्रबंधक (कार्मिक) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (कल्याण) सरोज कुमार पांडेय, विभागाध्यक्ष (श्रमशक्ति व नियोजन) सत्यप्रिय रॉय, विभागाध्यक्ष (कर्मचारी स्थापना) अपूर्व कुमार मित्रा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित की गयी.

झरिया विधायक रागिनी के कार्यालय में भगोड़े देवर ने की फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

धनसार, एजेंसी। कांग्रेस नेता सुरेश सिंह की हत्या के मामले में 13 साल से फरार शशि सिंह ने साथी रतीश सिंह के साथ मिल शनिवार सुबह कतरास मोड़ में भाजपा विधायक रागिनी सिंह के कार्यालय पर फायरिंग की।

इस घटना के बाद झरिया में सिंह मेंशन और रघुकुल समर्थकों में फिर तनाव बढ़ गया है। विधायक का आरोप है कि कांग्रेस की पूर्व विधायक पूर्णिमा सिंह, उनके देवर एकलव्य सिंह और हर्ष सिंह उनकी हत्या का षड्यंत्र करते रहे हैं।

विधायक ने कहा शनिवार को हमारी हत्या के षड्यंत्र के तहत ही एकलव्य व हर्ष सिंह ने ही शशि सिंह को भेजा था। रागिनी ने एक सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया है। उसमें दिख रहा है कि दो युवक कार्यालय के अंदर आए। इसके बाद बाहर निकल गए। एक के हाथ में रुमाल था, आरोप है कि इसके नीचे पिस्टल थी।

सूचना पाकर झरिया थाना प्रभारी शशिरंजन कुमार कतरास मोड़ कार्यालय पहुंचे व छानबीन की। स्थानीय लोगों ने बताया कि कतरास मोड़ में विधायक के कार्यालय के सामने एक पुराना घर है। यहीं पर शनिवार की सुबह करीब सात बजे दो वाहन से चार लोग उतरे थे। उसमें से दो लोग कार्यालय में घुसे थे। एक के हाथ में रुमाल से ढकी पिस्टल थी।

कार्यालय में वे किसी की तलाश कर रहे थे, नहीं मिलने पर वहां से निकले। कार्यालय के विपरीत दिशा में मौजूद बंद घर के पास गए। उसके बाद फायरिंग करने लगे। बंद घर के दरवाजे व दीवार पर गोली के निशान बन गए। इसके बाद सभी चले गए। वहीं थानेदार का कहना है कि लिखित शिकायत हुई है। जांच कर रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को देंगे। हमारे कार्यालय की होती रेकी, प्रशासन को दे चुके हैंष रागिनी सिंह का कहना है कि हर्ष और एकलव्य ने हत्या की साजिश की है। चुनाव जीतने के बाद से कुछ लोग मेरे कार्यालय के आसपास रेकी कर रहे हैं। इसकी सूचना हमने पूर्व में ही जिला प्रशासन को दे दी थी। रागिनी ने बताया कि सुबह सात बजे मुझे कतरास मोड़ झरिया अपने कार्यालय में आना था। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था, इसकी सूचना बहुत लोगों को थी। ठंड की वजह से मुझे घर से निकलने में विलंब हो गया, अन्यथा न जाने क्या होता। सुबह आठ बजे पता चला कि कार्यालय में दो अपराधी आए थे। कार्यालय पहुंच सीसीटीवी फुटेज देखे।

पहचाना कि उनमें से एक पृथ्वी मेंशन सरायढेला निवासी शशि सिंह है, जो हमारे चचिया ससुर रामधीर सिंह का पुत्र है। शशि हत्या के आरोप में फरार है, सरकार ने 50 हजार का इनाम घोषित किया है।

दूसरा रतीश सिंह है, जो गोरखपुरी कैंप, बोर्रागढ़ का रहने वाला है। ये दोनों चेक करने आए थे कि हम कार्यालय में हैं या नहीं। फिर बाहर जाकर फायरिंग की। ये पहले से घात लगाए थे।

विरोधी राजनीति में हार गए, इसलिए क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव में भी अपराधी तत्व खुलेआम घूम रहे थे। धनबाद में खुद प्रशासन सुरक्षित नहीं है। बाघमारा की घटना उदाहरण है।पुलिस पर ही अपराधी हमले कर अधिकारी को घायल कर चुके हैं।

प्रवासी भारतीय दिवस पर ओडिशा में सरायकेला के छऊ कलाकारों ने बांधा समां, इन्हें किया गया सम्मानित

सरायकेला, एजेंसी। ओडिशा के रघुराजपुर (पुरी) में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस पर सरायकेला के कलाकारों ने छऊ नृत्य का प्रदर्शन किया गया. इस दौरान कलाकारों ने अपने नृत्य के प्रदर्शन से कार्यक्रम का समां बांध दिया. कलाकारों ने सबसे पहले समारोह में की जाने वाली आरती में अपना नृत्य पेश किया. इसके पश्चात कलाकारों ने पौराणिक थीम पर आधारित हर-पार्वती व चंद्र भागा नृत्य पेश कर लोगों की तालियां बटोरी. इसके अलावा देशभक्ति से ओत प्रोत पताका (तिरंगा) नृत्य से भी लोगों का मनोरंजन किया. ढोल व नगाड़े की थाप और शहनाई-बांसुरी की सुरीली धुन पर कलाकारों को नृत्य करते देख लोग मंत्र मुग्ध हो गये. रघुराजपुर समेत आस पास के लोग सरायकेला के समृद्ध छऊ नृत्य कला से भी र-ब-रु हुए.

इस दौरान जगन्नाथ आर्ट स्कूल, सरायकेला के निदेशक सह छऊ गुरु सुशांत महापात्र को शोल व स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया. साथ ही छऊ नृत्य प्रदर्शित करने वाले कलाकार अशीत पटनायक, गणेश परीक्षा, सुदीप कवि, संजय कर्मकार, राकेश कवि, ड्रेसर व कॉडिनेटर सुमित महापात्र, वाद्य कलाकार देवराज दुबे, विनोद प्रधान, बाबूराम सरदार, पूर्णचंद्र सरदार को मंच पर सम्मानित किया गया.

मालूम हो कि ओडिशा का रघुराजपुर पुरी जिले में भार्गवी नदी के तट पर बसा एक अनोखा गांव है. यह गांव ओडिशा की समृद्ध कलात्मक विरासत का एक संपन्न केंद्र बन गया है.

झारखंड और बिहार के बीच दूरी और परेशानी दोनों होगी कम, सातों दिन चलेगी ये ट्रेन

चक्रधरपुर, एजेंसी। रेल प्रशासन ने चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले राउरकेला एवं झारसुगुडा स्टेशन से होकर चलने वाली ट्रेन नंबर 07051/ 07052 हैदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार 01 अप्रैल तक और 07005/07006 सिकंदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार 03 अप्रैल तक कर दिया है।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन, रक्सौल से प्रत्येक मंगलवार को रवाना होकर बुधवार की सुबह 05¬55 बजे राउरकेला और सुबह 07¬50 बजे झारसुगुडा स्टेशन से होते हुए सिकंदराबाद जाती है 7

ट्रेन नंबर 07005 सिकंदराबाद-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को सिकंदराबाद से 31 मार्च तक चलेगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी ट्रेन नंबर 07006 रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गरुवार को रक्सौल से 03 अप्रैल तक चलेगी ।

कोडरमा व इसके आसपास के रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। नए साल में झारखंड और बिहार के बीच दूरी व परेशानी दोनों कम होगी। कोडरमा से राजगीर तक 13 जनवरी से सप्ताह में सातों दिन ट्रेन का परिचालन होगा।रेलवे ने इसके लिए 11 जनवरी से ट्रेन में आरक्षण की बुकिंग भी शुरू कर दी है। ट्रेन संख्या 03321 और 03322 प्रतिदिन चलेगी।

इसका ठहराव कोडरमा गझंडी, गुरुपा, पहाड़पुर, बंधुआ, पैमार जंक्शन, तिलैया (नवादा) जंक्शन, नाटेश्वर जंक्शन रुकते हुए राजगीर पहुंचेगी। उक्त ट्रेन में एसी चेयर कार की एक बोगी 65 यात्रियों के लिए तथा एसी 3 की एक कोच 35 यात्रियों के लिए होगी।कोडरमा से राजगीर तक के लिए चेयर कार में 550 रुपए प्रति यात्री तथा एसी 3 में प्रति यात्री 770 रुपए किराया लगेगा। इसके अलावा 19 जनरल कोच होंगे।कोडरमा से यह ट्रेन दोपहर 3 बजे खुलेगी और 5¬50 बजे राजगीर पहुंचेगी। इसी तरह डाउन में उक्त ट्रेन राजगीर से दिन में 10¬55 पर राजगीर से खुलेगी और 14¬15 पर कोडरमा पहुंचेगी।

उल्लेखनीय होगा कि कोडरमा से तिलैया निर्माणाधीन लाइन पर काम जारी है। अगले कुछ माह में इस लाइन के भी चालू होने की संभावना है। इस नई लाइन पर से कोडरमा से राजगीर की दूरी 64 किलोमीटर होगी।इस रेलखंड पर करीब 23 किमी सुरंग, पहाड़ में रेलवे लाइन बिछाने का काम बाकी है, शेष पर काम पूरा हो चुका है। आने वाले वर्षों में झारखंड-बिहार के इस रूट में राजगीर और पटना बख्तियारपुर के रास्ते ट्रेन का परिचालन शुरू होगा।

झारखंड के इन इलाकों में आज छाया रहेगा कोहरा, इस दिन के बाद फिर गिरेगा पारा

रांची, एजेंसी। झारखंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. न्यूनतम तापमान तकरीबन सभी जिलों में 10 डिग्री से नीचे चला गया है. हालांकि, कनकनी और शीतलहरी से थोड़ी राहत मिली है. जिससे आम दिनों के मुकाबले शनिवार को ठंड कम लगी. मौसम विभाग की मानें तो एक से दो दिन ठंड से लोगों को राहत जरूर मिलेगी. वहीं, रविवार को राज्य के पश्चिमी भागों में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा. इसके बाद आंशिक रूप से बादल छाये रहेंगे.

रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो राज्य के कई इलाकों में 15 जनवरी तक सुबह सुबह हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा. 14 जनवरी तक पूरे दिन आंशिक रूप से बादल छाये रह सकते हैं. सुबह में धुंध का अनुमान है. 15 जनवरी से मौसम साफ हो सकता है. इसके बाद फिर तापमान 10 डिग्री सेसि से नीचे आ सकता है. राजधानी में शुक्रवार को न्यूनतम पारा 10 डिग्री के पार जा सकता है. जबकि अधिकतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहेगा.

वहीं अगर बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में मौसम शुष्क रहा. कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे का कोहरा भी देखा गया. सबसे अधिक न्यूनतम तापमान गुमला में 3.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. जबकि सबसे अधिक उच्चतम तापमान सरायकेला में 27.6 डिग्री सेल्सियस रहा. बता दें कि पहाड़ों में हो रही बर्फबारी के कारण झारखंड और आसपास के इलाकों में ठंड पड़ रही है. वहां से आने वाली हवा लोगों को ठिठुरा रही है.

खुल गए पहाड़ी मंदिर के दान पात्र, 3 विदेशी मुद्रा समेत मिले इतने रुपए

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची के पहाड़ी मंदिर परिसर में रखे 11 दान पात्रों को खोला गया, तो इसमें से 3 विदेशी मुद्रा समेत 3 लाख रुपए से अधिक मिले. दान पात्रों से 2,42,305 रुपए और 60,220 रुपए के सिक्के मिले हैं. इस तरह पहाड़ी मंदिर के कुल 11 दान पात्रों से 3,02,525 (3 लाख 2 हजार 525) रुपए निकले हैं. अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार के आदेश पर कार्यपालक दंडाधिकारी शाइनी तिग्गा की उपस्थिति में दान पात्रों को खोला गया और उससे निकलने वाली मुद्रा की गिनती की गई. रुपए की गिनती के समय कोषाध्यक्ष कृष्ण कन्हैया, राजेश गाड़ोदिया, मदन लाल पारीक, सुनील माथुर, दयाशंकर शर्मा, पहाड़ी मंदिर के सदस्य, पहाड़ी मंदिर में आये आम श्रद्धालु और पहाड़ी मंदिर के कर्मचारी मौजूद थे.

दान पात्रों में जो राशि मिली, सबसे पहले उसे नोटों और सिक्कों के हिसाब से अलग किया गया. नोटों और सिक्कों की छंटनी के दौरान इसमें 3 विदेशी मुद्रा भी मिली. दान पेटी से 500 रुपए के 71,500 नोट मिले. 100 रुपए के 50000 नोट, 50 रुपए के 36,150 नोट, 20 रुपए के 36,000 नोट, 10 रुपए के 28,000 नोट मिले. इतना ही नहीं, 20,655 रुपए के मिक्स नोट भी दान पात्र में से निकले. इसके अलावा 20 रुपए के 1520 सिक्के, 10 रुपए के 30,000 सिक्के, 5 रुपए के 13000 सिक्के, 2 रुपए के 11,000 सिक्के और 1 रुपया के 4700 सिक्के निकले. नोट व सिक्का मिलाकर कुल 3,02,525 रुपए प्राप्त हुए. इन पैसों को जल्द ही बैंक में जमा कर दिया जाएगा.

मंईयां सम्मान योजना पर झारखंड में हंगामा, महिलाओं ने घेरा सरकारी दफ्तर

हजारीबाग, एजेंसी। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान राशि नहीं मिलने से नाराज दर्जनों महिलाओं ने शुक्रवार हजारीबाग में हंगामा कर दिया। यहां इचाक प्रखंड कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। वहां मौजूद सभी महिलाओं का कहना था कि उनके खाते में अठन्नी तक नहीं मिली। मंईयां सम्मान राशि से वंचित महिलाएं खाते में राशि नहीं आने की वजह जानना चाह रही थीं। महिलाओं ने सरकारी व्यवस्था के खिलाफ भड़ास निकालते हुए कहा कि छह महीने बाद मंईयां सम्मान की कोई राशि खाते में नहीं आई। कुछ खास महिलाओं के खाते में लगातार पैसा क्रेडिट हो रहा है।

हेमंत सोरेन सरकार की ऐसी व्यवस्था से क्षेत्र की महिलाओ में गुस्सा है। राशि नहीं मिलने से नारज महिलाएं कह रही थी कि सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है सरकार को गरीबों और महिलाओं की चिंता नहीं है। अगर यही रवैया रहा तो प्रखंड की तमाम महिलाएं जो सम्मान राशि से वंचित हैं प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे। इस बीच कुछ महिलाए कंप्यूटर कक्ष पहुंच गई। ज्यादा भीड़ और स्लो नेटवर्क के चलते उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। इससे नाराज महिलाएं हो हंगामा करते हुए बाहर निकल कर मुख्य गेट में ताला जड़ने पर उतारू हो गई। बाहर मौजूद भीड़ ने महिलाओं को समझाने बुझाने का हर संभव प्रयास किया किंतु महिलाएं मानने को तैयार नहीं थी इसी बीच सीओ राम जी प्रसाद गुप्ता कार्यालय पहुंचे। उन्होंने महिलाओं के उग्र होने का करण जाना,जिसके बाद बीडीओ संतोष कुमार से फोन पर बात करने के बाद महिलाएं मान गई।

जानकारी पाकर मामले में सीओ राम जी प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जिला में चौकीदार बहाली को लेकर फिजिकल जांच परीक्षा चल रहा है, जिसमें बीडीओ संतोष कुमार की ड्यूटी लगी है। ड्यूटी में चले जाने के कारण ब्लॉक में नहीं थे । महिलाओं को यह आश्वासन दिया कि अगला शुक्रवार को बीडीओ संतोष कुमार ब्लॉक में मौजूद रहेंगे। इसके बाद मैया समान योजना की राशि नहीं आने का कारणों का पता चल पाएगा।

फंस गई झारखंड की नीलम देवी, साइबर क्रिमिनल को बासमती देवी ने ऐसे किया फेल

टाटीझरिया (हजारीबाग), एजेंसी। नीलम देवी के पति के खाते से 14,000 रुपए उड़ाने वाले साइबर अपराधियों को उस वक्त निराशा हाथ लगी, जब बासमती देवी ने उनकी चाल भांप ली. हजारीबाग जिले के टाटीझरिया प्रखंड के होलंग गांव निवासी सुरेंद्र कुमार महतो पिता बिशुन महतो का फोन पे नंबर लेकर साईबर अपराधियों ने उसके अकाउंट से 14 हजार रुपए निकाल लिए. इस घटना के बाद साइबर क्रिमिनल्स ने एक और महिला को अपना शिकार बनाना चाहा, लेकिन तब तक उसे नीलम देवी के साथ हुई घटना की जानकारी मिल चुकी थी. वह पूरी तरह से सतर्क हो गई और साइबर अपराधियों ने जब उससे फोन-पे नंबर मांगा, तो उसने इससे साफ इंकार कर दिया. इस तरह उसने खुद को साइबर ठगी से बचा लिया.

इसके पहले शुक्रवार की शाम 5 बजे नीलम देवी के पति के खाते से 14000 रुपए साइबर क्रिमिनल्स ने उड़ा लिए. नीलम देवी ने बताया कि शुक्रवार को शाम में उनके मोबाईल पर फोन नंबर 7070142834 से फोन आया. फोन करने वाले ने कहा कि आपके पति का नाम सुरेंद्र महतो है. आपके घर एक फरवरी को लड़की का जन्म हुआ है. उसका नाम स्नेहा कुमारी है. आंगनबाड़ी की तरफ से 1500 रुपए आए हैं.

नीलम देवी ने जवाब दिया- रुपए आये हैं, तो बैंक अकाउंट में आ जाएंगे. उधर से फोन करने वाले ने कहा कि आपके बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर नहीं हो पा रहे हैं. आप फोन-पे नंबर या फिर गूगल पे नंबर दीजिए. पैसा उसी में चला जाएगा. नीलम देवी ने अपने पति का फोन-पे नंबर 9653211582 उसे दे दिया.

साइबर अपराधियों ने नीलम देवी के पति सुरेंद्र को फोन किया. यही बात उससे भी कही. अपराधी ने पहले एक रुपया सुरेंद्र के अकाउंट में भेजा. सुरेंद्र ने 1 रुपया अकाउंट में आने की बात कही, तो साइबर क्रिमिनल्स ने उससे ओटीपी मांगा और ओके दबाने के लिए कहा. सुरेंद्र ने जैसे ही ओके किया, उसके खाते से 14 हजार रुपए कट गए. पैसे कटने के बाद उसे अहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है.

सुरेंद्र कुमार महतो ने साइबर क्राइम की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर की. वह उत्तर प्रदेश में पोकलेन ऑपरेटर है. अभी भी वहीं काम कर रहा है. नीलम देवी के पति सुरेंद्र कुमार महतो के बैंक अकाउंट से पैसे उड़ाये जाने की साइबर क्राइम की इस घटना के बारे में पूरे गांव को पता चल गया.

झारखंड में मौसम बढ़ाएगा टेंशन, आईएमडी ने जारी किया एक और अलर्ट

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड में ठंड का सितम लगातार जारी है। प्रदेश के कई जिलों का तापमान 5 डिग्री के नीचे पहुंच गया है। जमशेदपुर का तापमान भी लगातार गिर रहा है। शनिवार को इस साल का अब तक का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2-3 दिनों तक प्रदेश में मौसम ऐसा ही बना रहेगा। लोगों को ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री और अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर तापमान कम होने की वजह से कनकनी बढ़ गई है। वहीं, सुबह में घना कोहरा देखा गया। इस कारण से भी लोगों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। रविवार को भी सुबह में कोहरा छाए रहेगा। जबकि न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री का इजाफा देखने को मिल सकता है। मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव होने से अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इधर, शहर में बढ़ते ठंड को देखते हुए मौसम विभाग ने भी लोगों को अलर्ट किया है।

मौसम विभाग ने कहा है कि शहर में सुबह और शाम में हल्का कोहरा या धुंध छाया रहेगा। इस दौरान लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अधिक सावधान और सतर्क होने की जरूरत है।

इस मौसम में हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक सहित अन्य मामले तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए ऐसे मौसम में विशेष ध्यान रखें।

प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का पिछड़ना तय

डॉनल्ड ट्रंप समर्थक-समूह के अंतर्विरोध निर्वाचित राष्ट्रपति के ह्वाइट हाउस में प्रवेश से पहले ही सामने आने लगे हैं। इनके बीच ट्रंप ने साफ संकेत दिया है कि ऐसे टकरावों में उनका झुकाव अपने अरबपति दोस्तों की तरफ ही होगा। एच-1बी वीजा के मुद्दे पर उन्होंने एलन मस्क के रुख समर्थन कर दिया है। आव्रजकों के प्रति नफरत भरा अभियान चला कर ट्रंप ने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थन आधार तैयार किया है। पिछले साढ़े चार दशक से चली नीतियों से वंचित हुए अमेरिकी श्रमिक वर्ग ने इस नारे से संदेश ग्रहण किया कि ट्रंप आव्रजकों को निकाल बाहर करेंगे, जिन्होंने 'उनके अवसरों को हड़प0 लिया है। जबकि जिन धनी-मानी लोगों के संसाधनों से ट्रंप ने वह आक्रामक अभियान चलाया, उनके स्वार्थ आव्रजकों से जुड़े हुए हैं। एच-1बी वीजा हाई टेक में माहिर व्यक्तियों को मिलता है, जिनके बिना अमेरिका के तकनीक उद्योगपति अपना कारोबार नहीं चला सकते। और बात सिर्फ उनकी नहीं है। जो मेहनतकश श्रमिक गैर-कानूनी ढंग से अमेरिका आते हैं, वो भी आम अमेरिकी कंपनियों के लिए फायदेमंद बने रहे हैं। ये मजदूर कानूनन तय न्यूनतम मजदूरी से कम पर काम करने को तैयार रहते हैं। इस तरह कम खर्च कर कंपनियां अपना काम चला लेती हैं। इस रूप में ट्रंप के धनी-मानी समर्थकों के हित मागा आधार से सीधे टकराते हैं। मागा के नाम पर इक्` हुए आम लोग शायद इसे नहीं समझ पाए कि ट्रंप का जो वास्तविक एजेंडा है, उससे उनके बेहतर दिनों की वापसी तो नहीं होगी। अरबपतियों के मुनाफा बढ़ाने का मार्ग इससे जरूरत प्रशस्त होगा। यह उन्हें जरूर याद होगा कि एक समय एच-1बी वीजा को अमेरिकियों के अवसर चोरी का माध्यम बताते थे।

मकर संक्रान्ति पर विशेष : आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी, गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ़ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोड़कर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है। मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं। मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है। पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रखी रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है। गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चलकर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बनाकर तप करने लगे। इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हें शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है। गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है। गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है। मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेंगे। गंगासागर मेला में दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

नये साल की खुशी

दिनेश दिनमणि।

आठ साल की
झुनकी के
कुछ दिनों से
अच्छे दिन हैं।
दोकानी बाबु से
जब से पता चला था
कि आने ही वाला है
नया साल
मन खुशी से
था बेहाल।
डेढ़ साल छोटे भाई
चैतू को
हरखते हुए बताई थी।
चैतू ने
ताज्जुबनाक ख़ुशी से
सवाल किया था-
जब मां जिंदा थी
तब से अच्छे दिन !
जब बाबा बीमार नहीं पड़े थे
उससे भी अच्छे दिन?
हां रे! उससे भी अच्छे!

सचमुच!
हुंडरू के आस-पास
नये साल की
चहल-पहल ने
दिन फिरा दिए हैं
झुनकी के।
एक बोझा
काठी-झुरी बेचकर,
डेक-बर्तन मांज कर भी
दस-बीस रुपए कमा रही है।
खाने का तो
कहना ही क्या!
बाबू लोगों के पत्तलों में
बहुत सारा मिल जाता है।
पेट-मन अघा जाता है।
खटिया में पड़े
बाबा के लिए भी
कितना कुछ ले जा पाती है!

चैतू तो गदगद है।
बड़े-बड़े डेग बाजा के
जमकोआ गानों के साथ
ठुमके भी लगा रहा है।
खुश हुए
कोई कोई बाबू से
दस बीस ईनाम भी पा रहा है
खाना भी, गाना भी--
बहुते मजा!

चैतू दीदी से पूछता है-
क्या हर दिन अब
ऐसा ही मजेदार होगा?
झुनकी को पिछला अनुभव है--
नहीं रे...!
जब तक नया साल रहेगा।
पर,
यह नया साल कब तक रहेगा?
"यही कोई
दस पंद्रह दिन।"

चैतू मायूस हुआ।
एक बाबू के पत्तल के
झोर के आखिरी
अंश को नन्ही हथेली से
लपेट कर चाटते हुए
दीदी से
मासूम सवाल करता है--
लेकिन दीदी!
ये नया साल
इतनी जल्दी
पुराना क्यों हो जाता है?

नायक कभी मरते नहीं

तिलका मांझी शहादत दिवस के उपलक्ष में

डॉ दीपक प्रसाद, रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य, कार्तिक उरांव महाविद्यालय, गुमला, रांची विश्वविद्यालय, रांची

नायक कभी मरते नहीं, वे अपने कर्मों से अमर हो जाते हैं। उनकी वीरता और बलिदान समय की सीमाओं को पार कर जाते हैं। तिलका मांझी जैसे नायक हमारे विचारों में जीते रहते हैं। उनकी शहादत प्रेरणा बनकर हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करती है। उनके संघर्ष ने स्वतंत्रता की चिंगारी को आग में बदल दिया। सत्य और न्याय के लिए दिया गया बलिदान अमर हो जाता है। नायक केवल शरीर से विदा लेते हैं, विचारों से नहीं। वे हर दिल में हौसले की लौ बनकर जलते रहते हैं। नायक समाज की आत्मा होते हैं, जो कभी खत्म नहीं होती। तिलका मांझी का नाम इस बात का प्रमाण है कि नायक अमर हैं। तिलका मांझी, जिन्हें झारखंड का पहला स्वतंत्रता सेनानी माना जाता है, भारतीय इतिहास में एक प्रमुख नाम हैं। उनका जन्म 11 फरवरी 1750 को वर्तमान झारखंड के सुल्तानगंज (अब बिहार) में एक संथाल परिवार में हुआ था। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ आवाज उठाई और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। तिलका मांझी को झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में आदिवासी समाज के अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष करने वाले योद्धा के रूप में याद किया जाता है। झारखंड के आदिवासी समाज ने हमेशा अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। तिलका मांझी ने भी इन्हीं मूलभूत अधिकारों की रक्षा के लिए अंग्रेजों का विरोध किया। उस समय अंग्रेजों ने झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन शुरू कर दिया था और आदिवासी समुदाय पर कठोर कर थोपे थे। इन अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ तिलका मांझी ने अपने समुदाय को संगठित किया और 1784 में ब्रिटिश सत्ता के ख़िलाफ़ सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया। तिलका मांझी ने तीर-धनुष से सुसज्जित होकर अंग्रेजों पर हमला किया और कई बार उन्हें परास्त किया। 1784 में, उन्होंने भागलपुर में ब्रिटिश कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड की हत्या कर दी, जो ब्रिटिश प्रशासन के लिए एक बड़ा झटका था। हालांकि, उनकी वीरता का अंत 1785 में हुआ जब अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्हें पेड़ से बांधकर घसीटते हुए भागलपुर लाया गया और वहीं 13 जनवरी 1785 को उनकी शहादत हुई। तिलका मांझी झारखंड के लिए सिर्फ एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके संघर्ष ने यह संदेश दिया कि अपने अधिकारों और संसाधनों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करना आवश्यक है। उनके नेतृत्व ने झारखंड के आदिवासी समाज को एक नई चेतना और साहस प्रदान किया। आज भी झारखंड के कई स्थानों पर तिलका मांझी के नाम पर स्मारक, विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित किए गए हैं, जैसे कि तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय। तिलका मांझी के संघर्ष का क्षेत्र झारखंड, जिसे "भूमिपुत्रों की भूमि" कहा जाता है, जो प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक धरोहरों से भरपूर है। यह क्षेत्र आदिवासी परंपराओं, लोककथाओं और सामुदायिक जीवन के लिए जाना जाता है। झारखंड की प्रमुख आदिवासी जनजातियां, जैसे संथाल, हो, मुंडा, उरांव आदि, अपने पारंपरिक जीवन और रीति-रिवाजों को संरक्षित करते हुए आधुनिकता के साथ संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं। तिलका मांझी की शहादत न केवल झारखंड बल्कि पूरे भारत के लिए प्रेरणादायक है। उनका जीवन हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का साहस देता है। उनकी विरासत आज भी झारखंड के लोगों के दिलों में जीवित है और आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाती है कि स्वतंत्रता और न्याय के लिए बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता। झारखंड के लोग आज भी तिलका मांझी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों का पालन करने की प्रेरणा लेते हैं। उनकी स्मृति हमें अपने मूल अधिकारों और प्रकृति के प्रति कर्तव्यों का सम्मान करने की शिक्षा देती है।

मेष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा होगा आपको रिलैक्स फील होगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है, जल्द ही आप करियर में नया मुकाम पाने वाले हैं। खासतौर पर साइंस से जुड़े छात्रों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आज माता-पिता के साथ किसी रिश्तेदार के घर जा सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। जो छात्र कॉलेज में नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, वे जल्द ही अपनी तैयारी पूरी कर लेंगे। शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज नया काम शुरू करते समय आपको बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूरलेना चाहिए। इससे आपको काम में मदद मिलेगी। साथियों के साथ आपका दिन अच्छा गुजरेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कुछ लोग आपसे किसी काम के लिए मदद मांग सकते हैं। परिवार में आपके गुणों की तारीफ हो सकती है। किसी नई तकनीक को अपनाने से आपके व्यापार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ आप डिनर करने का प्रोग्राम बनाएंगे। जो लोग संगीत या गायन से जुड़े हैं, उन्हें किसी बड़ी जगह पर परफॉर्मेंस का मौका मिल सकता है।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नएलोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपके ऑफिस में काम को लेकर कलिग आपकी शिकायत कर सकता है। आपको अपनी हर चीज़ परफेक्ट रखनी चाहिए। अगर आप किसी नए काम की शुरुआत करने जा रहे हैं तो काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी विशेष काम की ओर आपका झुकाव हो सकता है, आप अपना पूरा दिन पसंदीदा काम करके गुजारेंगे। आज करियर के मामले में चीजें बेहतर होने के आसार हैं। आज सेहत के प्रति आपको सतर्क रहने की जरूरत है। फास्ट फूड खाने से आपको बचना चाहिए। आज आपके बिजनेस में मुनाफा होने का योग बन रहा है।

कन्या राशिः आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी तरह के कानूनी मामले में दोस्तों की मदद मिलेगी। जिससे दोस्तों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आज आप परिवार वालों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आप काफी हद तक सफल भी होंगे। आपको काम में कुछ नएलोगों के साथ साझेदारी करने का मौका मिल सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, साथ ही आज आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम को करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमाने का है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज जीवनसाथी के साथ आप मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में लोगों से हर तरह का सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज किसी जरूरी काम में आपको भाई-बहनों का सपोर्ट मिलेगा। अपने परिवार वालों के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं। आज आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना चाहिए और आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरुरत है।

शब्द पहेली - 8371

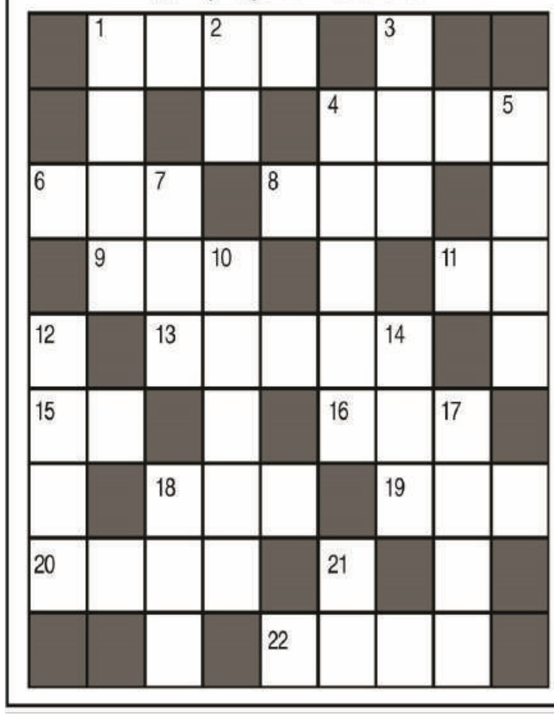

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छ्ल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -8370 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❋; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❋समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
RNI : JHAHIN/2014/54374
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 13 जनवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

बिहार के सरकारी स्कूलों की बदल जाएगी सूरत, मेंटेनेंस के लिए मिलेंगे अब इतनी राशि

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों की सूरत बदलनेवाली है. बिहार सरकार सभी सरकारी स्कूलों को मेंटेनेंस के लिए अलग से राशि देने का फैसला किया है. नये वित्तीय वर्ष से प्रत्येक सरकारी विद्यालय में मेंटेनेंस पर 50 हजार रुपये खर्च होंगे. इसके लिए प्रत्येक सरकारी स्कूल को 50 हजार रुपये की राशि मिलेगी. यह राशि सरकारी स्कूलों के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी.शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों को प्रति स्कूल 50 हजार रुपये की दर से राशि देने संबंधी प्रस्ताव तैयार किया गया है, जो वित्त विभाग को बजट में शामिल करने हेतु भेजा जाएगा. स्कूल को मिलने वाली 50 हजार रुपये की राशि से बल्ब, पंखा, ट्यूबलाइट, शौचालय, नल, सबमर्सिबल, पाइप, ओवरहेड टैंक, खिड़की, किबाड़, बेंच, डेस्क, टेबुल, आलमारी, गैस चूल्हा सहित किचेन सामग्री, प्रयोशाला सामग्री, छत एवं फर्श सहित सभी प्रकार की मरम्मति के कार्य होंगे. इस राशि से ब्लैकबोर्ड की मरम्मति एवं रंगाई, बेंच, डेस्क, टेबुल एवं आलमीरा की पेंटिंग, जल–जमाव निकासी संबंधी कार्य एवं स्कूल के जंगल–झाड़ की साफ–सफाई भी होगी. विभाग के अनुसार सभी विद्यालयों को 50 हजार रुपये की राशि सीएफएमएस प्रक्रिया के तहत हस्तांतरित की जायेगी. जैसे अगर कोई स्कूल 35 हजार रुपये का कार्य कराता है, तो संबंधित प्रधानाध्यापक 35 हजार रुपये का मूल विपत्र जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय को देंगे तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय द्वारा वह राशि स्कूल को हस्तांतरित की जाएगी.

औरंगाबाद में बस कंडक्टर की हत्या के बाद तनाव, आक्रोशितों ने एनएच 19 जाम कर की आगजनी

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के कुशहा मोड़ के पास रविवार की सुबह दर्जनों लोगों ने 45 वर्षीय बस कंडक्टर की जमकर पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई. जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया और नेशनल हाईवे 19 को जाम कर दिया. मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के सढिल गांव निवासी मंजय कुमार सिंह के रूप में हुई है. मृतक के परिजनों ने बताया कि मंजय औरंगाबाद से धनबाद के लिए चलने वाली बस में कंडक्टर का काम करता था. घटना के वक्त वह ड्यूटी जाने के लिए बस पकड़ने कुशहा मोड़ गया था. वहां मौजूद दर्जनों लोगों ने लाठी–डंडे से उसकी पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.इधर, घटना के बाद आक्रोशित लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे हैं. आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन करते हुए सड़क पर आगजनी भी की है. आक्रोशित लोगों ने करीब एक घंटे तक नेशनल हाईवे 19 को जाम रखा. जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है. आक्रोशित लोगों को शांत करने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे सुनने को तैयार नहीं हैं. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से सड़क से जाम हटाने और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने की अपील की है. वहीं प्रदर्शनकारी आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े हुए हैं.कंडक्टर की हत्या के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है.

बिहार के बेतिया में अपहरण, युवक को खींचकर कार में साथ ले गए दबंग

बेतिया, एजेंसी। बेतिया मुफस्सिल थाना क्षेत्र में शनिवार को एक युवक का पिस्टल की नोंक पर अपहरण करने का मामला सामने आया है. जानकारी के अनुसार, मुफस्सिल थाना अंतर्गत महनागनी के शिवपूजन महतो के अपहरण का मामला सामने आया है. इसका वीडियो सीसीटीवी में कैद हुआ है. सीसीटीवी में दिख रहा है कि हाफ स्वेटर पहने हाथ में पिस्टल लटकाए एक युवक को घसीटते हुए एक व्यक्ति ले जा रहा है. जिसपर अपहरण का आरोप है. एक काली कार में शिवपूजन को बैठाकर उक्त व्यक्ति जबरन साथ लेकर जा रहा है. बताया जा रहा है कि शिवपूजन से जमीन लिखवाया गया फिर उसे छोड़ दिया गया. किसी बड़े होटल में अपहृत को रखा गया था और बाद में उसे छोड़ दिया गया.पूरे मामले में बेतिया के कुछ चर्चित लोगों का नाम सामने आ रहें है. मामले में मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

नीतीश की यात्राएं-5

विकास यात्रा के दौरान टेंट में गुजरी थी रातें, खेत में की थी कैबिनेट की बैठक

पटना, एजेंसी। विकास यात्रा की शुरूआत चार डिग्री तापमान के बीच शुरू हुई थी.जनवरी 2009 में कड़ाके की ठंड जब तापमान चार डिग्री तक पहुंच गया था, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास यात्रा के लिए निकल पड़े. छह चरणों में यह यात्रा जून की तपती लू के दौरान खत्म हुई. विकास यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री अपने अधिकारियों के साथ 20 जिलों में टेंट में रात्रि विश्राम किया. हर दिन किसी एक गांव का चयन, वहां रात्रि विश्राम तथा अगली सुबह उसी गांव में जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल होकर आम लोगों से सीधा संवाद करते. उनकी समस्याओं का ऑन स्पॉट निपटारा भी होता.

विकास यात्रा के ठहराव स्थल पर बिहार गौरव गान, सर्वधर्म प्रार्थना सभा, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिसमें मुफ्त स्वास्थ्य जांच एवं चश्मे का वितरण किया जाता. सरकारी योजनाओं का निरीक्षण, शिलान्यास और उद्घाटन भी किये गये. देर शाम जब बिहार गौरव गान का आयोजन होता तो दिन भर की थकान से जूझ रहे मन को ताजगी मिलती. देसी लोकगीतों के रस में तैयार गौरव गान झूमने को मजबूर कर देता.

सीतामढ़ी की एक ऐसी ही शाम याद आ रही है. मंच पर कलाकार होते. नीचे पहली पंक्ति में मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री और वरिष्ठ नेता गण होते. हम पत्रकारों का एक दल पटना से यात्रा को कवर करने आया था तो हमलोग भी पहली पंक्ति के ही हिस्सा होते. सीतामढ़ी की इस शाम शिवानंद तिवारी भी मौजूद थे. शिवानंद तिवारी तब तक जदयू में शामिल हो चुके थे. देशज और लोकगीतों के शौकीन शिवानंद तिवारी भी हमलोगों के साथ ही बैठे और गीत का आनंद लिया.

विकास यात्रा की शुरुआत पश्चिम चंपारण के बगहा से हुई. जिले के पतिलार गांव में पहला रात्रि विश्राम हुआ. इसके बाद पश्चिम चंपारण के ही कटैया, पूर्वी चंपारण के परशुरामपुर और बलुआ कोठी, सीतामढ़ी के परसौनी, मधुबनी के धकजरी, दरभंगा के कमलपुर, मुजफ्फरपुर के जारंग, समस्तीपुर के झकरा, बेगूसराय के बरबीघी, खगड़िया के गनछारी-खरहा, कटिहार के बहरखाल, पूर्णिया के बेगमपुर, किशनगंज के डाकूपाड़ा-रहमतपाड़ा, बांका के मकरमडीह, भागलपुर के उधाडीह, लखीसराय के हलसी, शेखपुरा के झरपुर, केमूर के मोहनिया, बक्सर के डुमरांव, और मधेपुरा के सिंहेश्वर स्थान पर जनता का दरबार आयोजित हुआ.

विकास यात्रा के तीसरे चरण में 10 फरवरी, 2009 को पहली बार पटना से बाहर बेगूसराय के बरबीघी में कैबिनेट की बैठक हुई . इसमें 33 प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी. विकास यात्रा को आठ चरणों में पूरा किया गया था. यात्रा के दौरान ही लोकसभा चुनाव की घोषणा हो गयी. यात्रा को रोक दिया गया. पहले चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पश्चिमी चंपारण के पतिलार और कटैया, पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि और बलुआ कोठी तथा सीतामढ़ी के बखरी में रातें गुजारी थीं.

सीएम नीतीश ने मधुबनी के लोगों को दी 1000 करोड़ की सौगात, 140 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का तीसरा चरण 16 जनवरी से शुरू होगा

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों प्रगति यात्रा कर रहे हैं. इसके तहत वह अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे हैं. इस यात्रा के दूसरे चरण के तहत मुख्यमंत्री मधुबनी पहुंचे . इस दौरान वे विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं का निरीक्षण करेंगे और कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुबह 9:40 बजे राजधानी पटना से मधुबनी के लिए रवाना हुए और शाम 3:25 बजे वापस पटना लौट आएंगे.

प्रगति यात्रा के तय कार्यक्रमों के अनुसार, मधुबनी पहुंचने पर सबसे पहले मुख्यमंत्री ने मिथिला हाट का दौरा किया. इसके बाद वे मधुबनी में उच्च अधिकारियों के साथ जिला स्तरीय योजनाओं की समीक्षा बैठक किया . इसके साथ ही सीएम नीतीश मधुबनी जिलेवासियों को 1000 करोड़ की 140 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इसके तहत वह खुटौना के दुर्गीपट्टी में सात योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. साथ ही रिवर फ्रंट में लगे योजना बोर्ड का उद्घाटन और शिलान्यास की. प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में मुख्यमंत्री अब तक गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली और दरभंगा की यात्रा कर चुके हैं. मधुबनी के बाद वे सोमवार को समस्तीपुर का दौरा करेंगे.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का तीसरा चरण 16 जनवरी से शुरू होगा. आज सीएम के दूसरे चरण की यात्रा का अंतिम दिन है. इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मकर संक्रांति के बाद अपनी यात्रा की तीसरे चरण पर जाएंगे. तीसरे चरण के तहत सीएम 9 जिलों का दौरा करेंगे. तीसरे चरण की समाप्ती 29 जनवरी को होगी. तीसरे चरण के पहले दिन सीएम खगड़िया जाएंगे. वहीं 29 जनवरी यानी आखिरी दिन वह मधेपुरा पहुंचेंगे.

बक्सर में गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस के इंजन ने दिया धोका, पटना-डीडीयू रेल लाइन पर परिचालन रुका

बक्सर, एजेंसी। गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस के इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण पंडित दीनदयाल उपाध्याय-पटना रेल मार्ग पर रविवार सुबह ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया. यह घटना बक्सर के जमानिया रेलवे स्टेशन के पास हुई, जहां इंजन फेल होने के कारण सुबह से ही ट्रेनों का परिचालन बाधित है. रेलवे के अधिकारी और तकनीशियन मौके पर पहुंच गए हैं और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने में लगे हुए हैं.

ट्रेन के इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण सुबह 8 बजे से ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया है. ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर जहां-तहां खड़ी हैं. इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. रेल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी का सामना करना पड़ रहा है.

तकनीकी खराबी को ठीक करने के लिए मौके पर दूसरा इंजन भेजा गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका. इसके बाद मौके पर डीजल इंजन बुलाया गया. लेकिन परिचालन अभी तक बहाल नहीं हो पाया है. रेलवे के अधिकारी समस्या के समाधान में जुटे हैं और तकनीकी टीम जल्द से जल्द परिचालन बहाल करने की कोशिश कर रही है. हालांकि, स्थिति सामान्य होने में अभी कुछ और समय लग सकता है.

कब तक पूरा होगा चार मंजिला बैरिया बस स्टैंड का सपना मंत्री ने कर दिया खुलासा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी के अंतर्गत बन रहा चार मंजिला बैरिया बस स्टैंड मार्च 2025 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है. निर्माण को लेकर प्रथम फेज की राशि उपलब्ध करा दी गयी है.

जल्द ही द्वितीय फेज की राशि भी उपलब्ध करा दी जायेगी. उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी के तहत लिये गये कार्यों की लगातार समीक्षा कर उनको जल्द पूरा कराया जायेगा. उन्होंने मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी योजना अंतर्गत निर्माणाधीन बैरिया बस स्टैंड के साथ ही सीवरेज प्लांट, सिकंदरपुर लेक समेत अन्य योजनाओं का निरीक्षण किया. उन्होंने अधिकारियों को समय सीमा के अंदर कार्यों को पूरा करने और लगातार उसकी मॉनीटरिंग करने का सख्त निर्देश दिया.

मुजफ्फरपुर दौरा पर पहुंचे नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने शनिवार को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का स्थल निरीक्षण किया. निर्माणाधीन बैरिया बस टर्मिनल के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्माण की धीमी गति को लेकर कड़ी फटकार लगायी. बुडको के इंजीनियरों ने फंड की कमी बतायी. इस पर उन्होंने कहा कि अब तक 15-18 फीसदी ही कार्य संपन्न हुआ है. फिर फंड की कमी कैसे हो गयी.

बुडको के एई ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया. इस पर मंत्री ने बुडको के एमडी से पूरे प्रोजेक्ट की रिपोर्ट तलब करते हुए पंद्रह दिनों के भीतर कार्रवाई की बात कही है. बैरिया बस टर्मिनल प्रोजेक्ट का निरीक्षण के दौरान मंत्री उखड़े उखड़े नजर आये.

मुजफ्फरपुर से छपरा जाना और सुगम होगा. इसको लेकर एक और नये पुल का निर्माण किया जायेगा. वर्तमान पुल की चौड़ाई कम होने के कारण वहां जाम की समस्या होती है. मुजफ्फरपुर- छपरा एनएच-722 स्थित रेवाघाट पर नये पुल निर्माण को लेकर एनएचएआई ने इसकी कवायद शुरू कर दी है. अभी यह एनएच टू लेन है जिसे फोरलेन करने का प्रस्ताव है. वर्तमान में रेवाघाट पर जो पुल है, उसका निर्माण 2001 में पथ निर्माण विभाग ने किया था.

पटना सिटी में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंची दमकल की चार यूनिट

पटना, एजेंसी। पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र के चुटकियां बाजार स्थित एक काबाड़ी की दुकान में भीषण आग लग गई है. आगलगी की इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी मंच गई. आगलगी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है.

कबाड़ी गोदाम में ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग की लपटें तेज हो गईं हैं और देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आग पूरी तरह से फैल गया. स्थानीय लोगों द्वारा अगलगी की सूचना पुलिस और फायर ऑफिस को दी गई.

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर दमकल की चार यूनिट पहुंची है. फायर ब्रिग्रेड के जवानों ने कड़ी मस्कत के बाद आग पर काबू पाया. इस आगलगी की घटना में कबाड़ी दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई है. इस आगलगी से लाखों रुपए का नुकसान बताया जा रहा है.

पिस्टल लहराते हुए वायरल वीडियो मामले में प्रथिमिकी दर्ज

पुलिस को देख भगाने लगा था वार्ड आयुक्त का पति, पिस्टल बरामद

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर शहर के धर्मपुर वार्ड 27 मोहल्ला में वार्ड आयुक्त जीतन परवीन के पति मोहम्मद आरिफ उर्फ शिबू द्वारा पिस्टल लहराने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में नगर पुलिस ने एएसपी संजय पांडे के आदेश पर शुक्रवार देर शाम प्राथमिकी दर्ज करते हुए पिस्टल भी बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना 8 जनवरी की है, जब मोहम्मद आरिफ अपने दरवाजे पर पिस्टल लहरा रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों ने इसका वीडियो बना लिया और वह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मोहम्मद आरिफ अपने हाथ में पिस्टल लेकर सफाई कर रहे थे, तभी गस्ती दल की टीम वहां पहुंची। पुलिस को देख मोहम्मद आरिफ ने पिस्टल को सड़क पर फेंक दिया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

प्राथमिकी में नामजद आरोपित

इस मामले में नगर थाने में पदस्थापित दरोगा जितेंद्र सिंह के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में मोहम्मद आरिफ के अलावा उनके सहयोगियों को भी आरोपी बनाया गया है। एएसपी संजय पांडे ने बताया कि वीडियो के आधार पर नगर पुलिस को प्राथमिकता के आधार पर मामले की जांच करने का आदेश दिया गया था। पुलिस ने पिस्टल भी बरामद कर लिया है और मोहम्मद आरिफ की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

अवैध हथियार के बारे में ली जाएगी जानकारी : एएसपी संजय पांडे ने कहा कि पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मोहम्मद आरिफ के पास यह अवैध हथियार कहां से आया। मामले की जांच जारी है और शिबू की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इस मामले ने नगर क्षेत्र में सुरक्षा और अवैध हथियारों के इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए और कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

भागलपुर-हंसडीहा फोरलेन सड़क का आया बड़ा अपडेट, ढाका मोड़ तक जमीन अधिग्रहण का फंसा था पेच

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर से हंसडीहा फोरलेन सड़क बनना है. पहले फेज में भागलपुर से ढाका मोड़ तक फोरलेन सड़क का निर्माण होना है और इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अपनायी जा रही है लेकिन, इसके जिम्मेदार विभाग की ओर से काम कम और बहानेबाजी के कारण लंबे समय से जमीन अधिग्रहित नहीं हो सकी है. अब जमीन अधिग्रहण का मामला जल्द सुलझाने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए एनएच डिवीजन ने एक टीम नियुक्त किया है. टीम लगातार बांका व भागलपुर के अधिकारियों से संपर्क बनाये हुए है.

शनिवार को बांका के एडीएम, डीएलएओ, एनएच के अधिकारी व उप रजिस्ट्रार मुआयना करने पहुंचे. अधिकारियों ने चक सफिया व खैरा गांव की जमीन का मिलान किया. टीम ने भूमि की प्रकृति का भी निरीक्षण किया. दरअसल, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अधिकारियों से अधिग्रहित होने वाली जमीन की स्पष्ट स्थिति मांगी है. कच्चे व अवैध निर्माण को भी अर्जन में शामिल कर मुआवजे में शामिल करने पर सावधानी बरतने को कहा गया है. इधर, भागलपुर के भूमि सुधार उप समाहर्ता सदर ने 11 मौजों की 3जी रिपोर्ट सौंप दी है. 36 किमी में 11 किमी सड़क का मामला सुलझ चुका है. भागलपुर और बांका जिले में कई जगह आठ फीट से बढ़ कर 14 से 15 फीट पर लोगों का कब्जा है. अधिकारी हर मौजे की जांच कर जमीन की प्रकृति का निर्धारण कर रहे हैं. यानी कौन सी जमीन गैर-मजरुआ, गैर-मजरुआ आम, पुश्तैनी या रैयती है. इसके अतिरिक्त जमीन की किस्म भी तय हो रही है. धनहर, आवासीय, भीठ (आवासीय के बगल की जमीन) या व्यावसायिक की रिपोर्ट बन रही है.

जमीन अधिग्रहण की कार्यवाही पूरी नहीं होने से टेंडर भी नहीं खुल रहा है. इसकी तिथि बार-बार बढ़ायी जा रही है. अबतक में 10 से अधिक बार तिथि बढ़ायी जा चुकी है. पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) की ओर से टेंडर भी जारी किया गया था.

पहले फेज में फोरलेन का निर्माण ईपीसी मोड (इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन) में कराया जाना है. यानी, चयनित कार्य एजेंसी को इंजीनियर, डिजाइनिंग और कंस्ट्रक्शन करना होगा. पिछले वर्ष 765 करोड़ से टेंडर जारी की गयी थी. मौजों में जमीन अधिग्रहण नहीं होने के कारण मामला लटक गया. फतेहपुर मौजे की थाना संख्या-421 में जिस भूमि का अधिग्रहण किया जाना है वो सरकारी जमीन है जिस कारण उसकी 3जी रिपोर्ट तैयार नहीं हो पायी है. एनएच के अधिकारी ने बताया कि जमीन की रिपोर्ट तैयार हो रही है.

रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में जोड़ना चाहती है आप : सम्राट

पटना, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भाजपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि आम आदमी पार्टी रोहिंग्याओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ना चाहती है। अरविंद केजरीवाल पूर्वांचल के लोगों को लगातार अपमानित कर रहे हैं। जबकि बिहार-यूपी के लोग कभी किसी पर बोझ नहीं बनते हैं। केजरीवाल कहते हैं कि बिहार के लोग 500 का टिकट कटवा कर दिल्ली इलाज के लिए पहुंच जाते हैं। जबकि दिल्ली में कुल मतदाताओं की संख्या पटना की आबादी के बराबर है। केजरीवाल ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को भ्रष्टाचारी और अपराधी कहा था। जबकि लालू प्रसाद का परिवार केजरीवाल के साथ है। प्रेसवार्ता में दानिश इकबाल, अमित प्रकाश बबलू, सुनील सेवक, प्रभात कुमार, प्रवीण कुमार भी थे।पटना7 केंद्रीय कर में बिहार को 2024 की अपेक्षा 2025 में दोगुनी राशि मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने करीब 250 अंटा चाईनीज मांझे के साथ एक गिरफ्तार

जौनपुर। डा0 दिनेश चन्द्र जिलाधिकारी जौनपुर एवं डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में चायनीज मांझा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर श्री अजित सिंह चौहान के कुशल पर्वेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम ने रामाश्रय राय, थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल मार्गदर्शन में कस्बा खेतासराय में चायनीज मांझा/नायलान तांत बेच रहे पवन कुमार गुप्ता पुत्र पूरनलाल गुप्ता निवासी वार्ड नं0-09 गोला बाजार न0पं0 खेतासराय थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को करीब 250 अंटा नायलान के तांत के साथ पकड़ा गया माल को जब्त किया गया।

पुलिस टीम द्वारा दो अभियुक्त नशीला पदार्थ (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार

जौनपुर। डां0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष नेवढिया मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर 02 अभियुक्तों पवन उपाध्याय को 3.60 ग्राम हेरोइन एवं सुरेश यादव को 3.20 ग्राम हेरोइन के साथ सई नदी पुल ग्राम जेठपुरा के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0-10/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मीरगंज -ट्रेन से उतर कर घर जा रहे काशीनाथ दुबे की बदमाशों ने की हत्या

जौनपुर। मछली शहर विधानसभा के थाना बरसठी अन्तर्गत गोपीपुर बनकट गांव निवासी काशीनाथ दुबे जो प्रतिदिन जरोना स्टेशन से ट्रेन से जौनपुर दीवानी, कचहरी जाते थे 10 दिसंबर को दीवानी, कचहरी से चलकर जाफराबाद के लिए ट्रेन पकड़ते हैं और ज़रौना रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी से शाम 6:00 बजे उतरते हैं, सब्जी की दुकान पर सब्जी वगैरह थैली में बाध कर साइकिल से अपने घर गोपीपुर की तरफ चलते हैं कि रास्ते में सिरौली गांव प्राथमिक विद्यालय के पास आज्ञात व्यक्तियों द्वारा साइकिल रोककर हाथ तोड़ दिया जाता है और पीछे से सरिया या राड या मोटे बास के डंडे से सर के पिछले हिस्से पर प्रहार किया जाता है सर के पिछले हिस्से पर भयंकर चोट लगती है सर फट जाता है और काशीनाथ दुबे वहीं गिर जाते हैं और उनकी मृत्यु हो जाती है हत्यारे भाग जाते हैं पुलिस सूचना पर पहुंचती है और कहती है एक्सीडेंट हुआ है लास गाड़ी में रखकर सीएससी बरसठी पहुंचते हैं सीएससी में मृत घोषित कराकर लाश को जौनपुर मर्सिडीज़ हाउस ले जाते हैं इस तरह क्षेत्र में बहुत बड़ा आक्रोश व्याप्त है और आने-जाने वाले राहगीरों की शाम को हत्या का भय सता रहा है काशीनाथ एक क्षेत्र के चर्चित व्यक्ति थे और दीवानी कचहरी में बहुत से लोगों का काम भी करा देते थे ,क्षेत्र में लोग इस हत्या के पीछे दीवानी कचहरी का विवाद ही बता रहे हैं।

पुलिस महानिदेशक ने कानून व्यवस्था पर की वीडियो कांफ्रेंसिंग

अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन आलोक सिंह ने जोन की कानून व्यवस्था पर की चर्चा

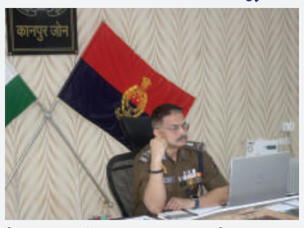

कानपुर। मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन व पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था एवं साफ-सफाई आदि के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा की। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा उपरोक्त के सम्बन्ध में जोन के जनपदों की वस्तुस्थिति एवं की गई तैयारियों से विस्तार में अवगत कराया गया। उन्होंने कानपुर जोन के दोनों रेंज झांसी और कानपुर की कानून व्यवस्था

ग्रीनपार्क में प्रदेश स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

एडीजी जोन कानपुर आलोक सिंह ने किया विजयी टीम को पुरुस्कृत

कानपुर। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता - 25 का आज समापन हो गया। फाइनल मुकाबला जीतने वाली आगरा की टीम को एडीजी जोन कानपुर आलोक सिंह ने ट्राफी देकर सम्मानित किया। कानपुर नगर नगर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित प्रदेशीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का फाइनल मैच आगरा व वाराणसी टीम के मध्य खेला गया, जिसके समापन समारोह में आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा विजेता रही आगरा की महिला टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पुरूस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की महिमा के साथ संपन्न हुआ भक्ति महोत्सव

संवाददाता

जौनपुर। नगर के सिद्धार्थ उपवन में अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) जौनपुर द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का समापन अद्वितीय भक्ति और उत्साह के साथ हुआ। कथा व्यास कमल लोचन प्रभु जी (अध्यक्ष, इस्कॉन मीरा रोड—मुंबई एवं वापी—गुजरात) ने अंतिम दिवस भगवान श्रीकृष्ण की महिमा और भक्ति मार्ग के महत्व पर विचार प्रस्तुत किए। कमल लोचन प्रभु जी ने कहा, वैदिक साहित्य से ऐसा प्रतीत होता है कि जब कोई नाट्य कलाकार अनेक नर्तकियों के बीच नृत्य करता है, तो समूह नृत्य को रास नृत्य कहा जाता है। जब कृष्ण ने शरद ऋतु की पूर्णिमा की रात को विभिन्न मौसमी फूलों से सजी हुई देखा - विशेष रूप से मल्लिका के फूल, जो बहुत सुगंधित होते हैं - तो उन्हें देवी कात्यायनी से गोपियों की प्रार्थना याद आ गई, जिसमें उन्होंने कृष्ण को अपना पति बनाने के लिए प्रार्थना की थी। उन्होंने सोचा कि शरद ऋतु की पूर्णिमा की रात एक अच्छे नृत्य के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। इसलिए तब कृष्ण को अपना पति बनाने की उनकी इच्छा पूरी हो जाएगी।श्रीमद्भागवतम् में इस संबंध में प्रयुक्त शब्द हैं भगवान् अपि। इसका अर्थ है कि यद्यपि कृष्ण भगवान् हैं और इसलिए उनकी कोई ऐसी इच्छा नहीं है जिसे पूरा करने की आवश्यकता हो (क्योंकि वे सदैव छह ऐश्वर्यों से परिपूर्ण रहते हैं), फिर भी वे रास नृत्य में गोपियों की संगति का आनंद लेना चाहते थे। भगवान् अपि का अर्थ है कि यह नृत्य युवा लड़के और युवतियों के सामान्य नृत्य जैसा नहीं है।कथा व्यास ने कहा श्रीमद्भागवतम् में प्रयुक्त विशिष्ट शब्द हैं योगमायाम् उपाश्रितः, जिसका अर्थ है कि गोपियों के साथ यह नृत्य योगमाया के मंच पर है , महामाया पर नहीं । भौतिक जगत में युवा लड़के और युवतियों का नृत्य महामाया या बाह्य ऊर्जा के साम्राज्य में है । गोपियों के साथ कृष्ण का रास नृत्य योगमाया के मंच पर है । योगमाया और महामाया के मंचों के बीच के अंतर की तुलना चैतन्य-चरितामृत में सोने और लोहे के बीच के अंतर से की गई है। धातु विज्ञान की दृष्टि से, सोना और लोहा दोनों ही धातु हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता पूरी तरह से अलग है। इसी तरह, यद्यपि रास नृत्य और भगवान कृष्ण का गोपियों के साथ मिलना युवा लड़कों और लड़कियों के सामान्य मिलन की तरह प्रतीत होता है, लेकिन गुणवत्ता पूरी तरह से अलग है। महान वैष्णवों द्वारा इस अंतर की सराहना की जाती है क्योंकि वे कृष्ण के प्रेम और वासना के बीच के अंतर को समझ सकते हैं। आगे कहा कि महामाया मंच पर इन्द्रिय-तृप्ति के आधार पर नृत्य होते हैं। किन्तु जब कृष्ण ने अपनी बांसुरी बजाकर गोपियों को बुलाया, तो वे कृष्ण को संतुष्ट करने की दिव्य इच्छा से बहुत जल्दी रास नृत्य स्थल की ओर दौड़ पड़ीं। चैतन्य-चरितामृत के रचयिता कृष्णदास कविराज गोस्वामी ने समझाया है कि काम का अर्थ इन्द्रिय-तृप्ति है, तथा प्रेम का अर्थ भी इन्द्रिय-तृप्ति है - किन्तु कृष्ण के लिए। दूसरे शब्दों में, जब क्रियाएँ व्यक्तिगत इन्द्रिय-तृप्ति के मंच पर की जाती हैं, तो उन्हें भौतिक क्रियाएँ कहा जाता है, किन्तु जब वे कृष्ण की संतुष्टि के लिए की जाती हैं, तो वे आध्यात्मिक क्रियाएँ होती हैं। क्रिया के किसी भी मंच पर इन्द्रिय-तृप्ति का सिद्धांत विद्यमान रहता है। लेकिन आध्यात्मिक स्तर पर, इन्द्रिय-तृप्ति भगवान कृष्ण के लिए है। जबकि भौतिक स्तर पर यह कर्ता के लिए है। उदाहरण के लिए, भौतिक स्तर पर, जब कोई सेवक स्वामी की सेवा करता है, तो वह अपने स्वामी की इन्द्रियों को संतुष्ट करने का प्रयास नहीं कर रहा होता, बल्कि अपनी इन्द्रियों को संतुष्ट करने का प्रयास कर रहा होता है। यदि भुगतान बंद कर दिया जाए तो सेवक स्वामी की सेवा नहीं करेगा। इसका अर्थ है कि सेवक केवल अपनी इन्द्रियों को संतुष्ट करने के लिए स्वामी की सेवा में संलग्न होता है। हालाँकि, आध्यात्मिक स्तर पर, भगवान के सेवक बिना भुगतान के कृष्ण की सेवा करते हैं, और वह सभी परिस्थितियों में अपनी सेवा जारी रखते हैं। कृष्ण चेतना और भौतिक चेतना के बीच यही अंतर है। कथा यजमान के रूप में विवेक सेठ रहे। कथा के अंतिम दिवस शुभारंभ हवन-पूजन से हुआ। संयोजक डा क्षितिज शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि, शहर से लगभग 24 किलोमीटर दूर, भीरा बाज़ार के पास, कुंभ गाँव में 40 एकड़ के क्षेत्रफल में "गोमती इको विलेज" विकसित किया जा रहा जो जौनपुर को प्रदेश, देश और विदेश में आध्यात्म और पर्यटन के पटल पर एक प्रमुख पहचान देगा।

तत्कालीन अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी व लिपिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

गोंडा। जिले में अनियमित तरीके से मदरसों क़ी मान्यता देने व कई वर्षो तक फर्जी शिक्षकों क़ो मानदेय दिलाने वाले अधिकारी व लिपिक के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संगठन के अधिकारी द्वारा मुक़दमा पंजीकृत कराया गया है। प्रकरण जनपद गोंडा के मदरसों से जुड़ा है। प्रभारी निरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन धनंजय सिंह ने कोतवाली नगर में अल्पसंख्यक विभाग के दो जिम्मेदारों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया है। जिसमें जनपद गोंडा के तत्कालीन अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमरजीत सिंह निवासी ग्राम देवरा थाना गोसाईंगंज जनपद अयोध्या व कनिष्ठ लिपिक शमीम अहमद निवासी मुन्नन खां चौराहा निकट सदभावना पुलिस चौकी गोंडा का नाम शामिल है।

गोंडा के सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के पत्र पर हुई कार्रवाई - अधिकारी द्वारा दी गई तहरीर में कहा गया है की सांसद कीर्तिवर्धन सिंह द्वारा वर्ष 2018 में पुलिस महानिदेशक भ्रष्टाचार निवारण संगठन क़ो पत्र भेजा गया था। जिसमे जनपद गोंडा के अल्पसंख्यक विभाग में संगठित भ्रष्टाचार व्याप्त होने क़ी शिकायत क़ी गई थी।

पत्र में कहा गया था क़ी जिले में 870 मदरसे पंजीकृत हैं, जिसमे 350 मदरसों क़ी मान्यता कागजों में दिखाकर करीब 800 शिक्षकों का मानदेय कई वर्षो से निकाले जाने का आरोप लगाया गया था।

जांच में अनियमितता हुई उजागर- जांच सम्पादित होने पर पाया गया क़ी अप्रैल 2013 से मई 2015 तक अमरजीत सिंह अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। उन्होने अपने कार्यकाल में तत्कालीन कनिष्ठ लिपिक शमीम अहमद से मिलीभगत कर अवैध लाभ अर्जित करते हुए मदरसों क़ी मान्यता दिलाने सहित कई अन्य कार्य कराये। जिसमे 357 मदरसों क़ी पत्रावलियों क़ी सूची निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण विभाग क़ो प्रेषित किया जाना पाया गया। लेकिन मूल डिस्पैच रजिस्टर से मात्र 58 पत्रावलियों का मिलान होना पाया गया। यही नहीं 357 मदरसों का भौतिक व स्थलीय सत्यापन करने पर 126 मदरसे मौके पर नहीं मिले।

नोटिस भेजनें के बाद भी नही उपलब्ध कराया गया अभिलेख- लिपिक शमीम अहमद द्वारा तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमरजीत सिंह से मिलीभगत करके विभिन्न योजनाओं से संबंधित अभिलेख व मदरसों का डिस्पैच पंजिका अपने पास रखा गया है।

जिसके क्रम मे भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुख्यालय उत्तर प्रदेश व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा बार-बार नोटिस जारी करने के बाद भी शमीम अहमद द्वारा अभिलेख नहीं उपलब्ध कराया गया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर ने बताया क़ी मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है।

चाइनीज मांझे से युवक का कटा गला

संवाददाता

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सैदनपुर निवासी रमेश मौर्य का पुत्र हर्ष 18 वर्ष आज रविवार की सुबह किसी काम से पुरानी सब्जी मंडी अपने बाइक से जारहा था कि जैसे ही वह सिटी स्टेशन के समीप ओवर ब्रिज पर चढ़ा मांझा उसके गले में फस गया और वह लहुलुहान हो गया स्थानिया लोगों ने उसको जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां पर उसका उपचार चल रहा है। इसके अलावा युवक चाइनीज मांझे के साथ-साथ कॉपर का तार लगाकर पतंग के साथ उड़ाया जाता है। अक्सर शहर में जब पतंग की गिरती है। उसमें कॉपर या लोहे के तार पाए जाते हैं।

परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा "नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति लागू करने की अपेक्षा

संवाददाता

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने अवगत कराया है कि जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा हेल्मेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा "नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति लागू करने की अपेक्षा की गयी है।

केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा-129 एवं उ०प्र० मोटर यान नियमावली-1998 के नियम-201 के अनुसार सभी मोटर साइकिल चालकों एवं सवारियों के लिये भारतीय मानक ब्यूरो (बी०आई०एस०) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रोटेक्टिव हेड गियर (हेल्मेट) पहनना अनिवार्य है। इन प्राविधानों का उल्लंघन केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम-1998 की धारा 177 के तहत दण्डनीय है, जिसमें जुर्माने का प्राविधान है। इस सम्बन्ध में जनपद में स्थित सभी पेट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देश दिये जाते हैं कि आगामी 07 दिवसों में अपने प्रांगण में इस आशय के बड़े-बड़े होर्डिंग लगाएंगे, कि 27 जनवरी 2025 से किसी भी ऐसे दो पहिया वाहन को पेट्रोल का विक्रय नहीं किया जाएगा जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो। सभी पेट्रोल पम्प संचालक एवं स्वामी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके प्रतिष्ठान में सी०सी०टी०वी० कैमरा सदैव सक्रिय रहे ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में सी०सी०टी०वी० फुटेज का अवलोकन कर आवश्यक निर्णय लिया जा सके।

हंसपुर वालों को डराने के लिए आखिर किसके रिवाल्वर और राइफल का प्रयोग कर रहा दबंग दीपक सिंह, डीसीपी से शिकायत

- दबंगई के प्रदर्शन के लिए अर्जुन उर्फ दीपक सिंह का सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो
- कार्यवाही नहीं होने पर हंसपुर नौबस्ता क्षेत्र में संगीन बारदात का भी कारण बन सकती अन्य के नाम वाले असलहों के साथ अर्जुन उर्फ दीपक सिंह की दबंगई

सुनील बाजपेई

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र का हंसपुर गांव आजकल दबंग गुंडों के निशाने पर है। सोशल मीडिया पर इन दबंगों का यह आतंक खुलेआम असलहों और वीडियो धमकियों के रूप में खूब वायरल भी हो रहा है। डीसीपी से की गई शिकायत के बाद पुलिस ने घटना की जांच की शुरू कर दी है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक विरोध करने पर हत्या कर देने की हद तक बरकरार आतंक के फलस्वरुप हंसपुर के अधिकांश पीड़ित इन दबंगों के खिलाफ खुलकर शिकायत करने का साहस भी नहीं करते, फिर भी कुछ गांव वालों ने हिम्मत करके घटना की शिकायत डीसीपी दक्षिण से करते हुए एफ आर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हंसपुर में रहने वाले सुधीर कुमार सिंह , जंग बहादुर सिंह ,श्रीकृष्ण सिंह तोमर, सतीश सिंह ,जयंत सिंह, संजीव सिंह और नेकपाल सिंह आदि पीड़ितों के साथ डीसीपी दक्षिण से शिकायत करने पहुंचे केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप देश और समाज के हित में शिक्षा के क्षेत्र में हर दृष्टिकोण से अग्रणी बताए जाने वाले हंसपुर स्थित विद्यालय के संचालक लवकुश सिंह ने एफ आई आर दर्ज कर कार्रवाही करने की मांग करते हुए बताया कि अर्जुन सिंह उर्फ दीपक सिंह पुत्र नेकपाल सिंह निवासी मकान नं० 82 हंसपुर नौबस्ता ने अपनी दबंगई के प्रदर्शन का अड्डा आजकल क्षेत्र की पाल आटा चक्की को बना रखा है। जहां से दबंग अर्जुन सिंह उर्फ दीपक सिंह दबंगई और गुंडई के जरिए अपने स्वार्थ पूर्ति के इरादे को पूरा करने के लिए काल्पनिक नामों से गाली गलौज करने के साथ ही तरह-तरह के हथकंडों से संभ्रांत लोगों को भयभीत भी करता है। इसके लिए वह सोशल मीडिया व्हाट्सएप और फेसबुक आदि का भी सहारा लेता है।

घटना की शिकायत डीसीपी दक्षिण से करने पहुंचे सर्वोत्तम शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यालयों में से एक के संचालक लवकुश सिंह और अन्य सभी पीड़ितों ने सूत्रों को बताया कि इस दबंगई का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल में ही दबंग अर्जुन सिंह उर्फ दीपक सिंह असलहे के साथ सोशल मीडिया पर वायरल फोटो वीडियो भी लोगों को काल्पनिक नामों से धमकी दे रहा है। यद्यपि समाचार पत्र आतंक पूर्ण चर्चा का विषय बने इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

पीड़ितों और आरोपी के नजदीकी सूत्रों के भी मुताबिक अर्जुन उर्फ दीपक सिंह लोगों को भयभीत करने के लिए जिन असलहों राइफल और रिवाल्वर आदि का प्रयोग सोशल मीडिया पर करता है ,उनका लाइसेंस धारक अर्जुन उर्फ दीपक सिंह है ही नही। वह इसके लिए किसी अन्य के नाम वाले लाइसेंसी असलहों का प्रयोग करता है। इन दोनों शस्त्रों रिवाल्वर और राइफल का लाइसेंस धारक कौन है? उसने अपने नाम वाले रिवाल्वर और राईफल को अर्जुन उर्फ दीपक सिंह को क्यों और किस इरादे से दिया है? क्या इसके पीछे उसकी कोई खास मंशा है?

सूत्रों का दावा है कि अगर प्रदर्शित राइफल और रिवाल्वर दीपक सिंह के नाम से नहीं है तो इसका मतलब क्या दोनों हथियार अवैध है ? फिलहाल इन सवालों के जवाब अभी तक नहीं मिल पाये है। जिसके लिए पुलिस की जांच और कार्रवाही का इंतजार है। अलबत्ता पीड़ितों और सूत्रों की माने तो अर्जुन उर्फ दीपक सिंह की यह दबंगई क्षेत्र में किसी न किसी संगीन वारदात का भी कारण बन सकती है और अब सवाल यही कि डीसीपी साउथ से की गई लिखित शिकायत के आधार पर कथित दबंग अर्जुन उर्फ दीपक सिंह पर कानून का शिकंजा क्या वास्तव में कसा जाएगा या फिर मामला ठंडे बस्ते में जाएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

पीडीए सम्मेलन एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन

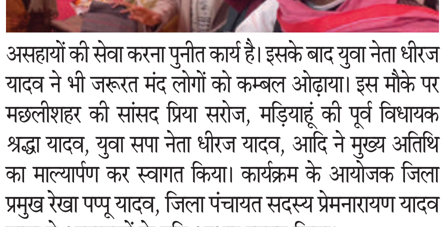

संवाददाता

जौनपुर। केडीएस महाविद्यालय पाली सुबासपुर के परिसर में पीडीए सम्मेलन एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर कुल 5000 से अधिक लोगों को कंबल वितरित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहाकि गरीबों असहायों की सेवा करना पुनीत कार्य है। इसके बाद युवा नेता धीरज यादव ने भी जरूरत मंद लोगों को कम्बल ओढ़ाया। इस मौके पर मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज, मड़ियाहूं की पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, युवा सपा नेता धीरज यादव, आदि ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजक जिला प्रमुख रेखा पप्पू यादव, जिला पंचायत सदस्य प्रेमनारायण यादव बाबा ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने दुष्कर्म मे अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

जौनपुर। डॉ0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के पर्यवेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के वाँछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। थाना स्थानीय पर आवेदिका द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र जिसमें अभियुक्त फैज आलम पुत्र सदरूद्दीन निवासी बरईपुर थाना दीदारगंज जिला आजमगढ जो 04 बच्चो का पिता होते हुये अपने आप को बिना शादी शुदा के बताकर तथा शादी का झांसा देकर आवेदिका के साथ दुष्कर्म करना व गाली गुप्ता व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-10/2025 धारा 69/352/351(3) बीएनएस थाना खेतासराय पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम द्वारा नामजद अभियुक्त फैज आलम पुत्र सदरुद्दीन निवासी बरईपुर थाना दीदारगंज जिला आजमगढ को रेलवे स्टेशन खेतासराय के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

अनीता आनंद कनाडा के PM पद की रेस से बाहर, पार्टी नेता बनने से इनकार किया

टोरंटो। भारतीय मूल की अनीता आनंद ने कनाडा के प्रधानमंत्री पद की रेस से अपना नाम पीछे कर लिया है। साथ ही इस साल होने वाले चुनाव में लड़ने से भी मना कर दिया है। अनीता ने इसकी जानकारी X पर एक लेटर पोस्ट कर दी है।

अनीता ने लिखा कि आज मैं घोषणा कर रही हूं कि मैं कनाडा की लिबरल पार्टी की अगली नेता बनने की दौड़ में शामिल नहीं होऊंगी और ओकविले के लिए संसद सदस्य के रूप में फिर से चुनाव नहीं लड़ूंगी। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे थे कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद अनीता अगली प्रधानमंत्री बन सकती हैं। फिलहाल नई नेता के चुने जाने तक जस्टिन ट्रूडो ही प्रधानमंत्री रहेंगे। अनीता के पिता तमिलनाडु जबकि मां पंजाब की रहने वाली थीं। हालांकि, अनीता का जन्म और पालन-पोषण कनाडा के ग्रामीण क्षेत्र नोवा स्कोटिया में हुआ था। उन्होंने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस में आर्ट्स ग्रेजुएशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से न्यायशास्त्र में आर्ट्स ग्रेजुएशन, डलहौजी यूनिवर्सिटी से लॉ ग्रेजुएशन और टोरंटो यूनिवर्सिटी से लॉ में मास्टर्स किया। 57 साल की अनीता पेशे से वकील हैं। उन्होंने 2019 में कनाडा की ओकविल सीट से पहला संसदीय चुनाव जीता था। इसी साल उन्हें सार्वजनिक सेवाओं और खरीद का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। अनीता कनाडा का रक्षा मंत्रालय संभालने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले 1990 में किम कैंपबेल ने ये जिम्मेदारी संभाली थी।

कैलिफोर्निया की आग में अब तक 16 की मौत, हवा की रफ्तार बढ़ने से तेजी से फैल रही

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में बीते 6 दिन से लगी आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। इसकी वजह से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों के लापता होने की आशंका है। हवा की रफ्तार बढ़ने से आग के फैलने में तेजी आई है। फिलहाल ये 80 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही है, जो अगले 12 घंटों में और बढ़ सकती है। आग से निपटने में अमेरिका की मदद के लिए मेक्सिको से फायरफाइटर्स पहुंचे हैं। आग के संकट के बीच कैलिफोर्निया के सांता मोनिका शहर में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने कर्फ्यू घोषित कर दिया। इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस (LA) में लगी आग से अब तक करीब 11.6 लाख करोड़ रुपए (135 बिलियन डॉलर) के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू किया गया है।

बाइडेन बोले- मैं चुनाव में ट्रम्प को हरा सकता था, पार्टी की एकजुटता के लिए दावेदारी छोड़ी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वे नवंबर में हुए चुनाव में ट्रम्प को हरा सकते थे, लेकिन उन्होंने अपनी पार्टी की एकजुटता के लिए उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया। बाइडेन ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग में ये बातें कहीं। बाइडेन से पूछा गया था कि क्या आपको चुनाव ना लड़ने के अपने फैसले पर खेद है। इस पर उन्होंने एक हद तक अपनी सहमति जताई। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें चुनाव के बीच उम्मीदवारी वापस लेने का कोई पछतावा नहीं है। राष्ट्रपति बाइडेन 15 जनवरी को ओवल ऑफिस से विदाई भाषण देंगे। राष्ट्रपति के तौर पर पद छोड़ने से पहले ये उनका अंतिम भाषण होगा। यह भाषण अमेरिकी समय के मुताबिक रात 8 बजे शुरू होगा। बाइडेन बोले- कमला चार साल बाद फिर चुनाव लड़ सकती हैं बाइडेन से जब यह पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि आपने डोनाल्ड ट्रम्प को चुनाव जीतने का आसान मौका दे दिया। उन्होंने कहा- मुझे ऐसा नहीं लगता है कि हमने ट्रम्प को आसान मौका दिया लेकिन मुझे लगता है कि मैं ट्रम्प को हरा देता। बाइडेन ने कहा कि उनकी पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि वे चुनाव में आगे बढ़ पाएंगे या नहीं। पार्टी को एकजुट रखना बहुत जरूरी था। उन्होंने कहा कि अमेरिका का राष्ट्रपति बनना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान था, लेकिन वे ऐसा इंसान नहीं बनना चाहते थे जिसकी वजह से पार्टी चुनाव हार जाए।

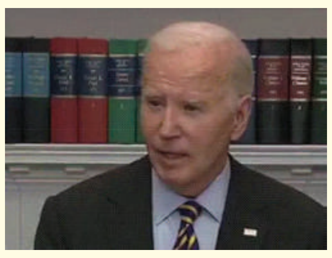

US में टेकऑफ से पहले प्लेन के इंजन में खराबी, हादसे में 4 लोग घायल, इमरजेंसी स्लाइडर से बाहर निकले पैसेंजर्स

वॉशिंगटन। अमेरिका के अटलांटा एयरपोर्ट पर शुक्रवार को डेल्टा एयरलाइन के एक प्लेन में टेकऑफ से पहले इंजन में खराबी आ गई। जिसके बाद पैसेंजर्स को इमरजेंसी स्लाइडर के जरिए प्लेन से बाहर निकला गया। CNN के मुताबिक इंजन में खराबी की वजह से प्लेन की उड़ान रद्द करनी पड़ी। इस हादसे में 4 लोग घायल हो गए। प्लेन में 200 से भी ज्यादा लोग सवार थे। हादसे का वीडियोज सोशल मीडिया पर भी वायरल हैं। जिसमें पैसेंजर्स इन्फ्लेटेबल स्लाइड (चादर जैसा कपड़ा) से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। एक पैसेंजर कर्टिस जेम्स ने CNN को बताया कि प्लेन के टेक ऑफ करने से पहले कुछ गड़बड़ हो गई और इंजन में आग लग गई। विमान को इमरजेंसी की स्थिति में खाली करना पड़ा। डेल्टा एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि प्लेन के क्रू ने इंजन में समस्या का पता चलते ही टेक ऑफ को रोक दिया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि इस हादसे में 4 पैसेंजर्स को मामूली चोटें आई हैं, एक को अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी 3 का मौके पर ही इलाज किया गया।

केरल में दलित एथलीट का यौन शोषण- 9 FIR दर्ज, 5 साल में 62 लोगों ने रेप किया

पाथनमिट्टा। केरल के पाथनमिट्टा में में एक दलित लड़की के यौन शोषण से जुड़े केस में 14 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इन सभी को 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया है। इनमें लड़की का मंगेतर भी शामिल है। केस में 2 पुलिस थानों में 9 FIR दर्ज की गई हैं। मामले का पता तब चला एक एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने लड़की के व्यवहार में बदलाव देखा। फिर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (CWC) को इसकी सूचना दी। लड़की ने काउंसलर को बताया कि पिछले 5 साल में 62 लोगों ने उससे रेप किया। लड़की का आरोप है कि पहली बार 13 की उम्र में उसके साथ रेप हुआ था। जब उसके दोस्त ने पहली बार शोषण किया। अब वह 18 साल की हो चुकी है। उसके माता-पिता को भी इस बारे में पता नहीं था। लड़की के बताए आरोपियों में से 40 लोगों पर POCSO के तहत केस दर्ज किया गया है। इनमें कोच, साथी एथलीट, क्लासमेट और घर के आसपास रहने वाले कुछ लड़के भी हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने 3 दिन के अंदर डिटेल रिपोर्ट और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पीड़ित नाबालिग थी इसलिए आरोपियों पर POCSO एक्ट और SC-ST एक्ट की धाराएं भी जोड़ी जाएंगी। माता-पिता काम पर जाते, तब घर पर भी यौन शोषण होता लड़की ने काउंसिलिंग के दौरान बताया कि पहली बार यौन शोषण 13 साल की उम्र में उसके तत्कालीन प्रेमी ने किया था, जिसने बाद में उसे अपने दोस्तों को सौंप दिया। इन लोगों ने उसके वीडियो बनाकर वायरल किए। इनके आधार पर वे उसे ब्लैकमेल करते थे। कई बार जब माता-पिता काम पर जाते थे तो उसके घर पर भी उसका यौन-शोषण हुआ। लड़की एथलीट है, जब वह ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेने जाती तो वहां भी उसके कोच और साथी एथलीट्स ने उसका यौन शोषण किया।

मणिपुर के दो गांवों में कर्फ्यू, नगा महिला पर हमले के बाद से तनाव

एजेंसी, इंफाल

असम राइफल्स के कैंप पर भीड़ का हमला

मणिपुर के कांगपोक्पी जिले के दो पड़ोसी गांवों कंसाखुल और लेइलोन वैफेई में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। दोनों गांवों और उनके आसपास के इलाकों में लोगों की आवाजाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। एक गांव के कुकी युवाओं के दूसरे गांव की एक नगा महिला पर कथित हमले के बाद से यहां तनाव है। वहीं, कामजोंग जिले के होन्गबाई इलाके में शनिवार को एक भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी कैंप पर हमला कर उसे नष्ट कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक जवानों ने घर निर्माण के लिए लकड़ी ले जाने से रोका था। इससे वे लोग नाराज थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए जवानों ने आंसू गैस के गोले दागे और हवाई फायरिंग की।

एक हफ्ते से ज्यादा समय से जारी है हिंसाः कांगपोकपी जिले में हिंसा बीते एक हफ्ते से ज्यादा समय से जारी है। 3 जनवरी को कुकी समुदाय के लोगों ने कांगपोकपी पुलिस अधीक्षक (SP) ऑफिस पर हमला कर दिया था। इसमें SP मनोज प्रभाकर समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अधिकारियों ने बताया था कि कुकी लोगों की मांग इंफाल पूर्वी जिले के बॉर्डर पर मौजूद गांव सैबोल से सुरक्षाबल को हटाने की है। समुदाय का आरोप है कि SP ने सेंट्रल फोर्स को गांव से बाहर नहीं निकाला है। चुराचांदपुर और टेंग्नौपाल से चाइनीज गोला-बारूद बरामद सिक्युरिटी फोर्सेस ने मणिपुर के मणिपुर के चुराचांदपुर और टेंग्नौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाते हुए हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। सिक्योरिटी फोर्स के एक सीनियर ऑफिसर के मुताबिक, चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन की रेंज में आने वाले ओल्ड गेलमोल गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया था। जिसमें 1 AK-56 राइफल और चाइनीज गोला-बारूद बरामद किया गया। इसके साथ ही टेंग्नौपाल में मोरेह पुलिस स्टेशन रेंज में आने वाले गोवाजंग में भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इस दौरान सिक्योरिटी फोर्सेज ने 1 किलो वाले 2 और 5 किलो वाला 1 IED बम बरामद किया।

18 राज्यों में कोहरा, दिल्ली में 25 ट्रेनें, फ्लाइट लेट

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ अयोध्या में पारा 4*, MP के 8 शहरों में आंधी-बारिश, राजस्थान में ओले गिरे

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी के कारण कई इलाकों में तापमान 0 डिग्री से नीचे बना हुआ है, इस कारण यहां बर्फीली हवाएं चल रही हैं, जिसका असर उत्तर भारत के राज्यों में भी देखने को मिल रहा है। दिल्ली समेत देश के 18 राज्यों में आज घना कोहरा देखने को मिला। धुंध का सबसे ज्यादा असर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में दिखा। दिल्ली में विजिबिलिटी घटने से 25 ट्रेनें और कुछ फ्लाइट्स लेट हुईं। उत्तर प्रदेश के कानपुर, मैनपुरी, फतेहपुर, रायबरेली में न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री के बीच रहा। अयोध्या लगातार दूसरे दिन पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान 4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मध्यप्रदेश के मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया के रतनगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और गुना में बारिश हुई और आंधी चली। भोपाल में भी रविवार सुबह बारिश हुई। राजस्थान के जोधपुर, नागौर, फलौदी के आसपास कई जगह ओले गिरे। मध्य प्रदेश-राजस्थान के अलावा आज देश के 17 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

स्टेशन पर निर्माणाधीन वेटिंग हॉल गिरा

एजेंसी, कन्नौज

कन्नौज रेलवे स्टेशन पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां दो मंजिला निर्माणाधीन स्टेशन के वेटिंग हॉल का लिंटर अचानक ढह गया। मलबे में दबे 23 घायलों को घायलों को ई-रिक्शे और एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से गंभीर रूप से घायल 7 लोगों को राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया गया। वहीं, देर रात हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया। इसमें दिख रहा है कि एक मजदूर नीचे काम कर रहा है। मजदूर हाथ में एक लंबी बल्ली लेकर छत के नीचे पहुंचता है। इसी दौरान बल्ली टकराने से शटरिंग खिसक जाती है और बांस-बल्लियों के साथ लिंटर नीचे गिर जाता है। वहीं, हादसे के बाद देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। 3 जेसीबी मौके पर रेस्क्यू में जुटी रहीं। सीनियर अफसरों ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत दो मंजिला नई बिल्डिंग बन रही थी। सुबह अचानक पूरा लिंटर ढह गया। सूचना मिलते ही यूपी सरकार के मंत्री असीम अरुण भी मौके पर पहुंचे। डीएम सुभ्रांत कुमार शुक्ला और एसपी बिनोद कुमार, सीओ सिटी घटनास्थल पर गए। कानपुर जोन के आईजी जोगेंद्र सिंह भी कन्नौज रेलवे स्टेशन पहुंचे। सीएम योगी ने कन्नौज में हुए हादसे का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंच कर राहत काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। रेलवे ने दो कोच वाली विशेष ट्रेन से बचाव दल कन्नौज स्टेशन भेजा है।

ट्रम्प के शपथ ग्रहण में जयशंकर जाएंगे, चीनी राष्ट्रपति को भी न्योता, VIP टिकट खत्म

एजेंसी, वॉशिंगटन/ नई दिल्ली

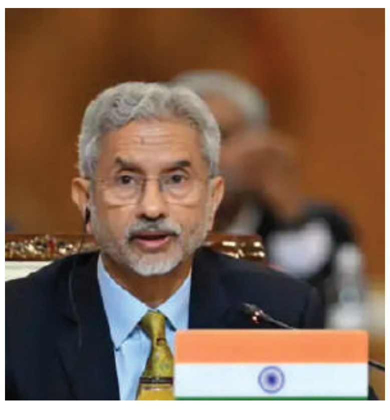

♦ प्रोग्राम कमेटी ने 1400 करोड़ जुटाए

विदेश मंत्री जयशंकर 20 जनवरी को अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। वे यहां नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण आयोजन समिति ने इसके लिए भारत को न्योता भेजा है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी X पर पोस्ट के जरिए दी। इसके साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले को भी निमंत्रण भेजा गया है। ट्रम्प की प्रवक्ता कैरोली लेविट ने चीनी राष्ट्रपति को निमंत्रण भेजने की पुष्टि की है। उन्होंने फॉक्स न्यूज से कहा- ट्रम्प सभी देशों के नेताओं से खुलकर बातचीत करना चाहते हैं, फिर वो चाहे हमारे सहयोगी हों या हमारे विरोधी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए दुनिया भर के अरबपतियों में होड़ लगी है। हालांकि इस कार्यक्रम के लिए बड़ा डोनेशन देने के बाद भी कई लोगों को वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया है, क्योंकि सारे VIP टिकट खत्म हो चुके हैं। ट्रम्प की आयोजन टीम ने प्रोग्राम के लिए अभी तक 1400 करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि जुटा ली है। माना जा रहा है कि जल्द ये आंकड़ा 1700 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

जयशंकर अन्य देशों के डेलिगेशन से भी मिलेंगेः अमेरिका पहुंच कर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ट्रम्प प्रशासन में शामिल हो रहे मंत्रियों और दूसरे तमाम देशों से आए नेताओं के साथ मुलाकात भी करेंगे। ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को हराकर जीत हासिल की है। डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव में 312 इलेक्टोरल वोट जीते, जबकि कमला हैरिस को 226 वोट ही मिले। चुनाव में जीत के लिए किसी प्रत्याशी को 270 इलेक्टोरल वोट्स चाहिए होते हैं।

असम खदान रेस्क्यू 7वां दिन- 5 मजदूर अब भी फंसे, 4 मजदूरों के शव मिले

एजेंसी, दीमा हसाओ

♦ खदान में पानी का लेवल 15 मीटर घटा

असम के दीमा हसाओ जिले में 300 फीट गहरी कोयला खदान में मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 7वां दिन है। अब तक 4 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं। 5 मजदूर अब भी खदान के अंदर बने रैट होल्स में फंसे हैं।

जिन मजदूरों के शव निकाले गए हैं उनमें 8 जनवरी को नेपाल के गंगा बहादुर श्रेष्ठ का और 11 जनवरी को उमरांगसो के लिजेन मगर, कोकराझार के खुशी मोहन राय और सोनितपुर के सरत गोयारी शामिल हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन इंडियन आर्मी और NDRF मिलकर चला रही है। इस बीच असम के विशेष डीजीपी हरमीत सिंह ने बताया हादसे वाले दिन खदान में वाटर लेवल 30 मीटर था, अब यह 15 मीटर से भी कम हो गया है। राज्य के खान एवं खनिज मंत्री कौशिक राय ने बताया कि अगले 36 घंटों के भीतर पानी निकालने का का काम खत्म हो सकता है।

खदान से 12 पंप निकाल रहे पानीः असम पुलिस के मुताबिक 12 पंप खदान से पानी निकाल रहे हैं। मेन शाफ्ट में 6 पंप और तीन शाफ्ट में बाकी 6 पंप काम कर रहे हैं। खदान से और कितना पानी आएगा, इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। अभी पानी के बहाव और खिंचाव के साथ 3 शव बाहर निकल आए हैं। आगे जब पानी और नीचे जाएगा और शाफ्ट और खुलेगा तो शायद कुछ और रिजल्ट मिल सकेगा। पानी जब पूरा बाहर निकल जाएगा।

सुरक्षाबलों ने 3 नक्सली मार गिराए, नक्सली DVCM संगठन के

शवों के पास ऑटोमेटिक वेपन मिले, सर्चिंग जारी

एजेंसी, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को फोर्स ने तीन नक्सलियों को मार गिराया है। घटनास्थल से तीनों के शव के साथ ऑटोमेटिक वेपन बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्चिंग जारी है। बीजापुर SP जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। घटना मद्देड़ इलाके के बन्देपारा क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादियों को रविवार सुबह से जवानों ने घेर रखा था। मारे गए नक्सलियों में से कुछ DVCM (डिविजनल कमेटी मेंबर) कैडर के बताए जा रहे हैं। इस कैडर के नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ में 8 लाख रुपए का इनाम है।

नक्सलियों ने जवानों पर की फायरिंगः जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया के जंगल में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को माओवादियों के कोर इलाके में ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। वहीं जवान मौके पर पहुंचे। जहां नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी।

ऑपरेशन जारीः जवानों ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि फोर्स ने नक्सलियों को घेर रखा है। फिलहाल नो नेटवर्क जोन होने की वजह से जवानों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। पुलिस अफसरों का कहना है कि बड़े नक्सली लीडरों की मौजूदगी की सूचना थी। फिलहाल ऑपरेशन जारी है।

झारखंड में प्रिंसिपल ने 100 छात्राओं की शर्ट उतरवाईं

एजेंसी, धनबाद

झारखंड के धनबाद में प्राइवेट स्कूल में करीब 100 छात्राओं की शट्‌र्स उतरवाईं गईं। उन्हें बिना शर्ट ही घर भेजा गया। छात्राओं के परिजनों ने शनिवार को धनबाद कलेक्टर से मुलाकात कर स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है। दरअसल, घटना 9 जनवरी की है। 11वीं और 10वीं की छात्राओं के फाइनल एग्जाम से पहले होने वाले प्री-बोर्ड के एग्जाम चल रहे थे। एग्जाम के आखिरी दिन 'पेन डे' पर छात्राओं ने एक-दूसरी शट्‌र्स पर मैसेज लिखे। छात्राओं के ऐसा करने से स्कूल प्रिंसिपल नाराज हुईं। आरोप है कि उन्होंने करीब 100 छात्राओं की शट्‌र्स उतरवाईं। उन्हें बिना शर्ट घर जाने दिया। छात्राएं केवल ब्लेजर में घर पहुंचीं। धनबाद कलेक्टर माधवी मिश्रा ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, स्कूल प्रिंसिपल सिस्टर एम देवाश्री ए सी का कहना है कि उन पर लगे आरोप गलत है। पैरेंट्स का आरोप है कि 11वीं की छात्राओं से 10वीं कक्षा की स्टूडेंट्स के शर्ट उतरवाए गए। साथ ही कहा गया कि सभी पैरेंट्स को फोन कर एक-एक शर्ट मंगवाओं तब स्कूल से जाने दिया जाएगा। कई बच्चियां बिना शर्ट के केवल ब्लेजर पहन कर ही घर पहुंची और खूब रोईं। वहीं, पैरेंट्स स्थानीय विधायक रागिनी सिंह के साथ डीसी कार्यालय पहुंचे। विधायक रागिनी सिंह ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताते हुए कहा कि वे अभिभावकों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री से भी मिलेंगी।

शेख हसीना को भारत में रहने दें: मणिशंकर

एजेंसी, कोलकाता

♦ चाहे हमें जिंदगीभर ही उनका मेजबान रहना पड़े, हसीना 6 महीने से भारत में हैं

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेशी की पूर्व पीएम प्रधानमंत्री शेख हसीना जब तक चाहें, भारत में रहने दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा- शेख हसीना ने हमारे लिए बहुत कुछ अच्छा किया है। हम कभी इस बात से असहमत नहीं होंगे। मुझे खुशी है कि उन्हें शरण दी गई। मुझे लगता है कि जब तक हसीना चाहें, हमें उनका मेजबान बने रहना चाहिए, भले ही वह जीवनभर के लिए ही क्यों न हों। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री पिछले महीने ढाका गए थे और वहां के अधिकारियों से चर्चा की थी। दरअसल, अय्यर कोलकाता में आयोजित 16वें एपीजे कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल में पहुंचे थे। यहीं उन्होंने ये बात कही।

पार्टीशन ने पाकिस्तान बनवाया, भारत में उनसे बात करने का साहस नहीं- अय्यरः मणिशंकर अय्यर ने ये भी कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जो आतंक फैलाता है, लेकिन वह खुद भी आतंक का शिकार है। पाकिस्तान ने सोचा था कि वे अफगानिस्तान में तालिबान को सत्ता में ला सकते हैं, लेकिन आज उनके लिए सबसे बड़ा खतरा अफगानिस्तान में तालिबान है। उन्होंने कहा कि पार्टीशन की घटना ने पाकिस्तान को अलग देश बना दिया। हमारे पास सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस है, लेकिन मोदी सरकार में उनके साथ बैठकर बातचीत करने का साहस नहीं है। अय्यर ने कहा कि एक तमिल के तौर पर मुझमें और एक पंजाबी के तौर पर मेरी पत्नी में उनकी और एक पाकिस्तानी पंजाबी की तुलना में कहीं ज्यादा अंतर है।

सैन्य सरकार के साथ व्यापार पर बात करना संभवः अय्यर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धि थी कि भारत ने पाकिस्तान से गुप्त चैनल पर बात की। इसे जनरल मुशर्रफ ने कश्मीर पर चार सूत्री समझौता कहा था। अय्यर ने कहा कि मनमोहन सिंह ने ये भी दिखाया था कि सैन्य सरकार के साथ व्यापार पर बात करना संभव है। हमारे लिए पाकिस्तान को अपने गले में लटकाए रखना आत्मघाती है। हमें उनसे वैसे ही बात करनी चाहिए, जैसा मनमोहन सिंह ने कश्मीर के मुद्दे पर किया था। 5 अगस्त 2024 से भारत में हैं शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ था। इसके बाद शेख हसीना ने वहां से भागकर भारत में पनाह ली थी। वे तब से यही पर हैं। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं।

शॉन पोलाक बोले-गेंदबाजों को वाइड पर छूट देने की दिशा में किया जा रहा काम

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के मशहूर क्रिकेटर और पूर्व कप्तान शॉन पोलाक ने कहा कि आईसीसी क्रिकेट काउंसिल गेंदबाजों को वाइड पर छूट देने की दिशा में काम कर रही है क्योंकि मौजूदा नियम के मुताबिक यह गेंदबाजों के लिए बहुत सख्त है। खासकर तब जब बल्लेबाज खेलते समय इधर उधर हिलता है। पोलाक आईसीसी के लिए मीडिया का प्रतिनिधत्व करते हैं।

पोलाक ने कहा कि वह आईसीसी क्रिकेट समिति का हिस्सा हैं और हम वाइड गेंद पर गेंदबाजों के लिए कुछ और छूट देनेन पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगता है कि इसको लेकर नियम गेंदबाजों के प्रति बहुत सख्त है। अगर कोई बल्लेबाज आखिरी मिनट में हिलता है, तो इससे गेंदबाज की पोजिशन में बदलाव होता है। ऐसे में उसका लय बिगड़ जाता है।

पोलाक ने कहा कि मौजूदा नियमों के मुताबिक अगर गेंदबाज के गेंद को फेंकने से पहले बल्लेबाज अपनी जगह बदलता है तो इससे गेंद वाइड दे दी जाती है। इस नियम में थोड़ा बदलाव चाहता हैं। वह चाहता हैं कि एक गेंदबाज को रन अप के समय पता होना चाहिए कि उसे कब, क्यों या कैसी गेंद फेंकनी है। उन्होंने कहा कि एक गेंदबाज से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह गेंदबाजी करते समय आखिरी सेकंड में अपनी रणनीति बदल देगा। उसे पहले ही पता होना चाहिए कि उसे कहां गेंद करनी है। इसी पर चर्चा कर किया जा रहा है।

कोन्स्टास अपने ही तरीके से खेलें : शास्त्री

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि 19 साल के ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को अपने तरीके से ही खेलना चाहिये। जब कॉन्स्टास ने भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में अपने पदार्पण मैच में ही आक्रामक अर्धशतक लगाया था। कोन्स्टास ने इस दौरान जसप्रीत बुमराह का मुकाबला भी बिना डरे शॉट लगाये। शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि उनमें युवावस्था का उत्साह था। वह तुरंत खुद की घोषणा करना चाहते थे कि वह ऐसा व्यक्ति है जो विपक्ष पर आक्रमण करेगा। उसने बात आगे बढ़ानी चाही और उसने ऐसा किया भी। शास्त्री ने एमसीजी में कॉन्स्टास की पारी देखने के बाद कहा कि उन्होंने मेलबर्न में भारत को परेशान कर दिया, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन मेरी उन्हें सलाह होगी कि उनके पास प्रतिभा है, इसलिए उनका ध्यान किसी भी चीज से अधिक रन बनाने पर होना चाहिए। आप अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करें। आप खेलें जैसा आप चाहते हैं। शास्त्री के अनुसार, अपने घरेलू मैदान से दूर खेलने से कोनस्टास को परिपक्व होने और कई अन्य चीजें सीखने में मदद मिलेगी क्योंकि वह सफलता की यात्रा जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि श्रीलंका दौरा उनके लिए कई मायनों में अहम रहेगा। ऑस्ट्रेलिया से बाहर जाना और विदेशों में खेलना उनके करियर के लिए अच्छा रहेगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड टीम का किया गया ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने 19 फरवरी से शुरू हो रही आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। न्यूजीलैंड ने रविवार सुबह 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनर टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। कप्तान के रूप में सेंटनर के लिए यह पहला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट होगा। 15 सदस्यीय टीम में विल ओ'रुरके, बेन सियर्स और नाथन स्मिथ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शामिल हैं। तीनों अपना पहला सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट खेलेंगे। मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। वरिष्ठ खिलाड़ी केन विलियमसन और टॉम लैथम टीम को अनुभव प्रदान करेंगे। अन्य बल्लेबाजों में विल यंग, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन और डेरिल मिशेल टीम में शामिल हैं। कीवी टीम ने एशियाई पिचों को ध्यान में रखते हुए स्पिन खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। इसमें कप्तान सेंटनर मुख्य स्पिन विकल्प हैं। साथ ही स्पिन ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र भी मौजूद हैं। न्यूजीलैंड टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने टूर्नामेंट के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट हमारे खेल के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनमें अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस समय कई गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं और इससे चयन संबंधी चर्चाएं निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण रहीं। लेकिन अंततः हमने उस टीम को चुना है जो हमें पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में अपेक्षित परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प प्रदान करेंगे।

न्यूजीलैंड टीमः मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, केन विलियमसन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विल ओ'रुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, विल यंग।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय बांग्लादेश टीम का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने 19 फरवरी से शुरू हो रही आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में प्रमुख अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को शामिल नहीं किया गया है। उनके अलावा खराब फार्म से जूझ रहे लिटन दास को भी स्क्वाड से बाहर कर दिया गया है। वरिष्ठ खिलाड़ियों में विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम और ऑलराउंडर महमूदुल्लाह जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। सात टी20 मैच खेल चुके परवेज हुसैन को अपना वनडे डेब्यू करने का मौका मिला है। तेज रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले नाहिद राणा पर भी विश्वास जताया है। मेंहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन बांग्लादेश के दो प्रमुख स्पिनर होंगे। इनके अलावा तेज गेंदबाजी में मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद भी दल का हिस्सा हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश स्क्वाड : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्य सरकार, तंजीद हसन, तौहीद ह्रदोय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, जाकिर अली, मेंहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन, नसीम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

बांग्लादेश के ग्रुप स्टेज के मैच :

20 फरवरी - बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई

24 फरवरी - बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी

27 फरवरी - पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी

जसप्रीत बुमराह हो सकते हैं चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैचों से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। बुमराह के अगले माह 19 फरवरी से होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैचों से बाहर होने की संभावना है। इससे भारतीय टीम को झटका लग सकता है। बुमराह ग्रुप स्तर के मैचों से बाहर हो सकते हैं। पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट के दौरान उनकी पीठ में ऐंठन आ गयी थी जिससे वह अभी तक नहीं उबरे हैं।

आज तक की जानकारी के अनुसान बुमराह की पीठ में सूजन है और उन्हें बेंगलुरु के नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में पहुंचने को कहा गया है। इसमें उनके रिहैब का ध्यान रखा जाएगा। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी।

अब चयनकर्ता इस बात को लेकर विचार कर रहे हैं कि बुमराह को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया जाए या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा जाए। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईसीसी को एक अस्थायी टीम की सूची देगा। चयनकर्ताओं के पास अभी बुमराह की फिटनेस पर नजर रखने का समय है। इस तेज गेंदबाज की शुरुआती रिपोर्ट में उन्हें फ्रैक्चर नहीं है पर उनकी पीठ में सूजन है। एनसीएक में रिकवरी के बाद वह एक या दो अभ्यास मैच खेलेंगे। इससे पता चलेगा कि वह कितने फिट हैं। ”

आईएसएलः मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने बेंगलुरू एफसी को दी अप्रत्याशित हार

एजेंसी, बेंगलुरू

बेंगलुरू एफसी को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में अप्रत्याशित हार का मुंह देखना पड़ा, जब मेजबान टीम को शनिवार को उसी घरेलू मैदान श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अंक तालिका की सबसे निचली टीम मोहम्मडन एससी ने 1-0 से हरा दिया। ब्लैक पैंथर्स की जीत में उज्बेक मिडफील्डर मिर्जालोल कासिमोव ने मैच का एकमात्र गोल 88वें मिनट में दागा। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के फ्रेंच सेंटर-बैक फ्लोरेंट ओगिएर को डिफेंस में मजबूत प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। आज हेड कोच जारागोजा की अनुपस्थिति के कारण कमान संभाल रहे सहायक कोच रेनेडी सिंह ब्लूज की इस हार से निश्चित रूप से निराश होंगे। बेंगलुरू एफसी 15 मैचों में आठ जीत, तीन ड्रा और चार हार से 27 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। वहीं, ब्लैक पैंथर्स द्वारा दूसरी जीत हासिल करने से रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव बेहद प्रसन्न होंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे नीचे से ऊपर उठकर 12वें स्थान पर आ गई है। मैच का एकमात्र गोल 88वें मिनट में आया, उज्बेक मिडफील्डर मिर्जालोल कासिमोव ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। बॉक्स के बाहर मिली फ्री-किक पर कासिमोव ने लगभग 25 गज की दूरी से करारा शॉट लगाया और गेंद हवा में घुमती हुई डिफेंसिव वॉल के ऊपर से निकल कर लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी जबकि गोलकीपर गुरप्रीत संधू अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव करने में विफल हुए।

आनन्द चन्दोला खेल महोत्सव में संतोष, संदीप और रावत शतरंज में शीर्ष पर

एजेंसी, वाराणसी

आनंद चंदोला खेल महोत्सव के दूसरे चरण में शनिवार को 37वीं दीनानाथ गुप्त स्मृति मीडिया बैडमिंटन, विश्वनाथ सिंह दद्दू स्मृति मीडिया टेबल टेनिस, कैरम व शतरंज प्रतियोगिता पराड़कर स्मृति भवन में शुरू हुई। यह प्रतियोगिता वाराणसी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित हो रही है। प्रतियोगिता में संतोष चौरसिया, संदीप गुप्ता और केबी रावत शतरंज खेल में दो-दो बाजी जीत कर शीर्ष पर हैं। आर. संजय, चंदन रूपानी, ओपी चौधरी और पंकज त्रिपाठी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। विजय कुमार और दिनेश पाठक रेफरी रहे। कैरम में संदीप गुप्ता ने चंद्रप्रकाश को, सुनील शुक्ला ने नीलाम्बुज तिवारी को, चंदन रूपानी ने सुशील मौर्या को, आर संजय ने डा. अत्रि भारद्वाज को, पंकज त्रिपाठी ने सागर यादव को, रवीन्द्र त्रिपाठी ने अमित खन्ना को, शैलेश चौरसिया ने अरुण मालवीय को तथा रोहित चतुर्वेदी ने अरविन्द्र मिश्र को हरा कर अंतिम आठ में प्रवेश किया। अन्तर्राष्ट्रीय रेफरी रमेश वर्मा की देखरेख में राष्ट्रीय अम्पायर अश्वनी चक्रवाल, अभिषेक विश्वकर्मा, रवि आर्या और शोएब रजा निर्णायक रहे। बैडमिंटन में प्रशांत मोहन, नीलाम्बुज तिवारी, संदीप शुक्ला, पंकज त्रिपाठी, चंदन रूपानी, योगेश गुप्त, नितेश सिंह व संदीप गुप्ता ने अंतिम आठ में प्रवेश किया। 12 जनवरी को सुबह 10:30 बजे से सभी शेष मैच खेले जायेंगे। इसके पूर्व मुख्य अतिथि संजय जैन एवं प्रशांत केजरीवाल ने दीप प्रज्वलन कर तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए इस तरह के खेल प्रतियोगिता का होना जरूरी बताया। काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ अत्रि भारद्वाज, वाराणसी प्रेस क्लब के मंत्री विनय शंकर सिंह एवं कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्र ने कार्यक्रम संचालन किया। इस अवसर पर यूपी कैरम संघ के अध्यक्ष बैजनाथ सिंह,वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गुप्त, केडीएन राय, बीबी यादव, विनय सिंह, जितेन्द्र श्रीवास्तव, सुनील शुक्ला, खेल संयोजक कृष्ण बहादुर रावत मौजूद रहे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए पाकिस्तानी स्कवॉड घोषित, टीम में हुए 7 बदलाव

एजेंसी, इस्लाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय पाकिस्तानी टीम की घोषणा की है। चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली क्लीन स्वीप की हार के बाद टीम में सात बदलाव किए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 17 जनवरी दूसरा मैच 25 जनवरी को मुल्तान में खेला जाएगा। मोहम्मद अब्बास और नसीम शाह को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम से आराम दिया गया है। साथ ही आमेर जमाल और मीर हमजा को भी चयनकर्ताओं ने आराम दिया है। वहीं चोटिल सैम अयूब और खराब फॉर्म में चल रहे अब्दुल्ला शफीक के चलते टीम से बाहर हैं। जबकि विकेटकीपर हसीबुल्लाह खान की जगह रोहेल नज़ीर को मोहम्मद रिज़वान के बैकअप के तौर पर टीम में जगह दी गई है। अबरार अहमद के साथ साजिद खान और बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली की स्पिन तिकड़ी की वापसी हुई है। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलने के बाद टीम में वापसी की है। मोहम्मद हुरैरा को भी वापस लाया गया है। ये दोनों चोटिल सैम अयूब और खराब फॉर्म में चल रहे अब्दुल्ला शफीक की जगह लेंगे। इसके अलावा, टीम में मोहम्मद अली को वापस बुलाया गया है और पहली बार तेज गेंदबाज काशिफ अली का भी चयन हुआ है। वहीं. कप्तान शान मसूद, उप-कप्तान सऊद शकील, बाबर आजम, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद रिजवान, नोमान अली और सलमान अली आगा ने टेस्ट टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। पीसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, “कार्यभार प्रबंधन (वर्कलोड मैनेजमेंट) के हिस्से के रूप में आमेर जमाल, मोहम्मद अब्बास, मीर हमजा और नसीम शाह की तेज गेंदबाजी चौकड़ी को आराम दिया गया है। वहीं. वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को फिरकी में फंसाने के लिए टीम में स्पिनरों को ज्यादा मौका दिया गया है।”

50वीं राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी चैम्पियनशिप : बालक वर्ग में हरियाणा और बालिका वर्ग में सॉई की टीम बनी चैंपियन

एजेंसी, हरिद्वार

रोशनाबाद इन्डोर स्टेडियम में आयोजित 50वीं राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी चैम्पियनशिप का शनिवार को रंगारंग समापन हुआ। चैंपियनशिप में बालक वर्ग में हरियाणा विजेता और उत्तराखंड उपविजेता रहे जबकि बालिका वर्ग में सॉई की टीम विजेता और हरियाणा ने रनरअप का खिताब प्राप्त किया। समापन समारोह में शेर सिंह (स्वतंत्र प्रभार निदेशक, गेल) तथा खानपुर विधायक उमेश शर्मा ने संयुक्त रूप से पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश जोशी ने बताया कि इस आयोजन की विशेषता यह रही कि जहाँ एक ओर कबड्डी में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भावी खिलाड़ियों का कौशल निखरकर सामने आया तो वहीं दूसरी ओर देश के लिए खेलने वाली नई पौध को ऊर्जा प्रदान करने हेतु भारतीय टीम के कप्तान पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्डी अजय ठाकुर, संजीव कुमार, अर्जुन अवार्डी अशोक शिंदे, तेजस्वनी बाई के साथ-साथ विख्यात अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी निरंतर आयोजन से जुड़े रहे। इस अवसर पर प्रो-कबड्डी लीग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे जो खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अपनी लीग से जोड़ने का प्रयास करते नजर आए। आज चतुर्थ दिवस में बहुत ही रोमांचक क्वाटर फाइनल हुए। बालक वर्ग में साई व तमिलनाड़ का मैच टाई रहा जिसमें 5 रैड में साई ने विजय प्राप्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं यूपी-हरियाणा के मैच में हरियाणा ने 37-27, राजस्थान-आंध्र के मैच में राजस्थान ने 49-34 तथा उत्तराखंड-गोवा के मैच में उत्तराखंड ने 38-27 अंकों के साथ विजय प्राप्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश लिया। बालिका वर्ग के क्वाटर फाइनल मैचों का स्कोर कार्ड साई-कर्नाटक 36-30, महाराष्ट्र-गोवा 45-43, तमिलनाडू-हरियाणा 34-42 व आसाम-राजस्थान 24-30 रहा। अंकों के आधार पर बालिका वर्ग में साई, महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग सेमीफाइनल में हरियाणा ने सॉई को 57-47 से व उत्तराखंड ने राजस्थान को 38-29 से तथा बालिका वर्ग में सॉई ने महाराष्ट्र को 47-22 से व हरियाणा ने राजस्थान को 52-17 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। बालिका वर्ग के फाइनल में सॉई ने हरियाणा पर 2 अंको की रोमांचक जीत दर्ज की। बालक वर्ग में हरियाणा व उत्तराखंड के संघर्ष पूर्ण मैच में हरियाणा ने जीत दर्ज की। महेश जोशी अध्यक्ष उत्तराखंड व चेतन जोशी सचिव ने समस्त अतिथियों, आफिशियल जिला खेल अधिकारी व युवा कल्याण अधिकारी का आभार व्यक्त किया व सभी खिलाड़ियों को धन्यवाद दिया।

हिन्दी दैनिक
RNI : JHAHIN/2014/54374
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 13 जनवरी, 2025

नादेव कम्पोस्ट क्या है

श्री नारायण देवराव पानधारी पान्डे, निवासी-ग्राम-पुसाद, जिला यवतमाल, महाराष्ट्र द्वारा यह विधि विकसित की गयी है। इसमें ईटों का एक ढॉचा बनाते हैं, जिसका आकार 2 मीटर चैड़ा, 3.5 मीटर लम्बा तथा 1 मीटर ऊँचा होता है। ढॉचे की जुड़ाई पक्के गारे से की जाती है, ताकि ढॉचे का प्रयोग लम्बे समय तक किया जा सके। इसकी दीवारों में कुछ छेद छोड़े जाते हैं, ताकि समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर पानी का छिड़काव किया जा सके एवं वायु संचार होता रहे। इस ढॉचे के अन्दर खेत, खलिहान, घर एवं रसोई से प्राप्त फसल अवशेष, गोबर, पानी एवं मिट्टी की मात्रा के साथ सड़ाया जाता है। इस विधि से सड़ी खाद बहुत उच्च गुणवत्ता की होती है, तथा बेकार अनुपयोगी पदार्थो का प्रयोग हो जाता है।

ढॉचा बनाने की विधि

9 इंच मोटी ईंट की चिनाई ऊपर दी गयी लम्बाई, चैड़ाई के अनुसार बनाते हैं। प्रथम तीन पंक्तियों में कोई छेद नहीं होता, चैथी, छठी, आठवीं दसवीं पंक्ति की चिनाई में एक फुट के अन्तराल पर 5 इंच चैड़ाई का एक छेद बनाते जाते है। ग्यारहवी, बारहवीं एवं तेरहवीं पंक्ति में पुनः कोई छेद नहीं छोड़ जाते हैं। ढॉचे के अन्दर की जमीन को ईंट बिछाकर पक्का कर देता है।

विधि

40-50 किग्रा. गोबर 100-150 लीटर पानी में घोल कर ढॉचे की तह पर डाल देते हैं।

8 इंच मोटी कचरे की तह दबा-दबा कर बिछाते है फिर 30-40 किग्रा. गोबर 100-125 लीटर पानी का घोल कचरे के ऊपर डालते हैं तत्पश्चात लगभग 100 किग्रा. मिट्टी को ऊपर बिछाते हैं।

यह क्रिया ढॉचे की ऊँचाई से 10-12 इंच ऊपर भरने तक दुहराते हैं।

बाद में गोबर एवं मिट्टी की मोटी परत लगाकर ढॉचे को ऊपर से बंद कर देते हैं। 70-80 दिन बाद गड्ढे के ऊपर 15-20 छेद मोटे डन्डे की सहायता से बना देते है तथा 10 लीटर गौ मूत्र में पी.एस.बी., एजेटोवैक्टर कल्चर के पैकेट, 2 किग्रा. गुड़ एवं 100 ग्राम हवन की राख को मिलाकर घोल तैयार कर लेते हैं। उक्त घोल को छेदों में डालकर छेदों को पुनः बन्द कर देते हैं तत्पश्चात् 30-40 दिन उपरान्त खाद तैयार हो जाती है इस प्रकार एक बार की खाद 100 से 120 दिन में पूर्ण रूपेण तैयार हो जाती है।

खाद निकालने एवं रखने की विधि

100 से 120 दिन के उपरान्त खाद के निकालकर छनने से छान लेते हैं तथा बगैर सड़े पदार्थ को अलग कर लेते है और किसी छायादार स्थान में खाद को ढक कर रखते हैं बगैर सड़े पदार्थ को पुनः भराई में प्रयोग करते हैं। इस प्रकार एक अच्छी सड़ी खाद प्राप्त होती है। वर्ष में तीन बार भराई करने से लगभग 100 कुन्तल खाद प्राप्त होती है।

खाद में तत्वों की उपलब्धता

नत्रजन 0.75 से 1.75 प्रतिशत।
फास्फोरस 0.70 से 0.90 प्रतिशत।
पोटाश 1.20 से 1.40 प्रतिशत।
सूक्ष्म तत्व पौधों/फसलों की आवश्यकतानसार।

ढॉचा भरने के विधि एवं सामग्री

क्र.सं.	मद	इकाई
1	कचरा	20-25 कुन्टल
2	मिट्टी	5-10 कुन्टल
3	गोबर	3-4 कुन्टल
4	पानी	800-1200 लीटर
5	पी.एस.बी. कल्चर	4 पैकेट
6	एजेटोबैक्टर	4 पैकेट
7	गौ मूत्र	10 लीटर
8	गुड	2 किग्रा.
9	हवन की राख	100 किग्रा.

खाद प्रयोग की मात्रा एवं विधि

दलहनी एवं तिलहनी फसलों में 50 से 60 कुन्तल प्रति हेक्टर, गेहूँ-धान आदि में 90 से 100 कुन्तल प्रति हेक्टर, सब्जी वाली फसलों में 120-150 प्रति हेक्टर खाद प्रथम जुताई के समय प्रयोग की जाती है।

किसी भी एक खेत तें लगातार तीन वर्ष तक उपरोक्त खाद का प्रयोग करते हुए फसल चक्र के सिद्धान्त का पालन किया जायें तो प्रथम वर्ष में रासायनिक उर्वरकों की मात्रा का 50 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 75 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 100 प्रतिशत प्रयोग बन्द किया जा सकता है एवं भरपूर उपज भी ली जा सकती है।

नादेव कम्पोस्ट प्रयोग के लाभ

- यदि किसी भी खेत में वर्ष में एक बार फसल लेने के पूर्व नादेव कम्पोस्ट का प्रयोग किया जाये ताकि लगातार तीन वर्ष तक प्रयोग किया जाये तो खेत एवं फसल पर निम्नांकित प्रभाव पड़ता है।
- चौथे वर्ष रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग बन्द किया जा सकता है।
- भूमि में पानी धारण करने की क्षमता बढ़ जाती है तथा गेहूँ जैसी फसल को एक पानी कम देने से पैदावार पूरी प्राप्त होती है।
- फसलों में कीट/व्याधि के प्रकोप को 50-75 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।
- फसलों से प्राप्त उपज का स्वाद अच्छा होता है। बाजार में 10-20 प्रतिशत अधिक मूल्य पर बेची जा सकती है।
- मीन को ऊसर/बंजर होने से बचायी जा सकती है।
- खेती की लागत 20 प्रतिशत घटाई जा सकती है।

जीरो बजट प्राकृतिक खेती

महात्मा गांधी के सोलह आना सच्चे इस वाक्य को ध्यान में रखकर जीरो बजट प्राकृतिक खेती की जाये, तो किसान को न तो अपने उत्पाद को औने-पौने दाम में बेचना पड़े और न ही पैदावार कम होने की शिकायत रहे। लेकिन सोना उगलने वाली हमारी धरती पर खेती करने वाला किसान लालच का शिकार हो रहा है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाले इस देश में रासायनिक खेती के बाद अब जैविक खेती सहित पर्यावरण हितैषी खेती,एग्रो इकोलोजीकल फार्मिंग,बायोडायनामिक फार्मिंग, वैकल्पिक खेती,शाश्वत कृषि,सावयव कृषि, सजीव खेती, सांद्रिय खेती, पंचगव्य, दशगव्य कृषि तथा नडेप कृषि जैसी अनेक प्रकार की विधियां अपनाई जा रही हैं और संबंधित जानकार इसकी सफलता के दावे करते आ रहे हैं। परन्तु किसान भ्रमित है। परिस्थितियां उसे लालच की ओर धकेलती जा रही हैं। उसे नहीं मालूम उसके लिये सही क्या है ? रासायनिक खेती के बाद उसे अब जैविक कृषि दिखाई दे रही है। किन्तु जैविक खेती से ज्यादा सस्ती,सरल एवं ग्लोबल वार्मिंग (पृथ्वी के बढ़ते तापमान) का मुकाबला करने वाली जीरो बजट प्राकृतिक खेती÷ मानी जा रही है।

सफल उदहारण : गाय से प्राप्त सप्ताह भर के गोबर एवं गौमूत्र से निर्मित घोल का खेत में छिड़काव खाद का काम करता है और भूमि की उर्वरकता का ह्रास भी नहीं होता है। इसके इस्तेमाल से एक ओर जहां गुणवत्तापूर्ण उपज होती है, वहीं दूसरी ओर उत्पादन लागत लगभग शून्य रहती है। राजस्थान में सीकर जिले के एक प्रयोगधर्मी किसान कानसिंह कटराथल ने अपने खेत में प्राकृतिक खेती कर उत्साह वर्धक सफलता हासिल की है । श्री सिंह के मुताबिक इससे पहले वह रासायिक एवं जैविक खेती करता था, लेकिन देसी गाय के गोबर एवं गोमूत्र आधारित जीरो बजट वाली प्राकृतिक खेती कहीं ज्यादा फायदेमंद साबित हो रही है। प्राकृतिक खेती के सूत्रधार महाराष्ट्र के सुभाष पालेकर की मानें तो जैविक खेती के नाम पर जो लिखा और कहा जा रहा है, वह सही नहीं है। जैविक खेती रासायनिक खेती से भी खतरनाक है तथा विषैली और खर्चीली साबित हो रही है। उनका कहना है कि वैश्विक तापमान वृद्धि में रासायनिक खेती और जैविक खेती एक महत्वपूर्ण यौगिक है। वर्मीकम्पोस्ट का जिक्र करते हुये वे कहते हैं...यह विदेशों से आयातित विधि है और इसकी ओर सबसे पहले रासायनिक खेती करने वाले ही आकर्षित हुये हैं, क्योंकि वे यूरिया से जमीन के प्राकृतिक उपजाऊपन पर पड़ने वाले प्रभाव से वाकिफ हो चुके हैं।

पर्यावरण पर असर : कृषि वैज्ञानिकों एवं इसके जानकारों के अनुसार फसल की बुवाई से पहले वर्मीकम्पोस्ट और गोबर खाद खेत में डाली जाती है और इसमें निहित 46 प्रतिशत उड़नशील कार्बन हमारे देश में पड़ने वाली 36 से 48 डिग्री सेल्सियस तापमान के दौरान खाद से मुक्त हो वायुमंडल में निकल जाता है। इसके अलावा नायट्रस, ऑक्साइड और मिथेन भी निकल जाती है और वायुमंडल में हरितगृह निर्माण में सहायक बनती है। हमारे देश में दिसम्बर से फरवरी केवल तीन महीने ही ऐसे है, जब तापमान उक्त खाद के उपयोग के लिये अनुकूल रहता है।

आयातित केंचुआ या देसी केंचुआ? : वर्मीकम्पोस्ट खाद बनाने में इस्तेमाल किये जाने वाले आयातित केंचुओं को भूमि के उपजाऊपन के लिये हानिकारक मानने वाले श्री पालेकर बताते है कि दरअसल इनमें देसी केचुओं का एक भी लक्षण दिखाई नहीं देता। आयात किया गया यह जीव केंचुआ न होकर आयसेनिया फिटिडा नामक जन्तु है, जो भूमि पर स्थित काष्ट पदार्थ और गोबर को खाता है। जबकि हमारे यहां पाया जाने वाला देशी केंचुआ मिट्टी एवं इसके साथ जमीन में मौजूद कीटाणु एवं जीवाणु जो फसलों एवं पेड़- पौधों को नुकसान पहुंचाते है, उन्हें खाकर खाद में रूपान्तरित करता है। साथ ही जमीन में अंदर बाहर ऊपर नीचे होता रहता है, जिससे भूमि में असंख्यक छिद्र होते हैं, जिससे वायु का संचार एवं बरसात के जल का पुर्नभरण हो जाता है । इस तरह देसी केचुआ जल प्रबंधन का सबसे अच्छा वाहक है । साथ ही खेत की जुताई करने वाले हल का काम भी करता है ।

जीरो बजट प्राकृतिक खेती क्या है?

जीरो बजट प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर एवं गौमूत्र पर आधारित है ।एक देसी गाय के गोबर एवं गौमूत्र से एक किसान तीस एकड़ जमीन पर जीरो बजट खेती कर सकता है ।देसी प्रजाति के गौवंश के गोबर एवं मूत्र से जीवामृत, घनजीवामृत तथा जामन बीजामृत बनाया जाता है ।इनका खेत में उपयोग करने से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है ।जीवामृत का महीने में एक अथवा दो बार खेत में छिड़काव किया जा सकता है ।जबकि बीजामृत का इस्तेमाल बीजों को उपचारित करने में किया जाता है ।इस विधि से खेती करने वाले किसान को बाजार से किसी प्रकार की खाद और कीटनाशक रसायन खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती है ।फसलों की सिंचाई के लिये पानी एवं बिजली भी मौजूदा खेती-बाड़ी की तुलना में दस प्रतिशत ही खर्च होती है ।

सफलता की शुरुआत

जीरो बजट प्राकृतिक खेती जैविक खेती से भिन्न है तथा ग्लोबल वार्मिंग और वायुमंडल में आने वाले बदलाव का मुकाबला एवं उसे रोकने में सक्षम है । इस तकनीक का इस्तेमाल करने वाला किसान कर्ज के झंझट से भी मुक्त रहता है । प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक देश में करीब 40 लाख किसान इस विधि से जुड़े हुये आयातित ।

केले का उत्तक संवर्धन- उत्पादन तकनीक

उत्तक संवर्धन (टिशू कल्चर) क्या है?

एक परखनली में बहुत नियंत्रित एवं स्वच्छ स्थितियों में पौधे के एक हिस्से या एक कोशिका समूह के उपयोग द्वारा पौधे के प्रसार को 'टिशू कल्चर' कहा जाता है।

कृषि जलवायु

केला मूलतः एक उष्णकटिबंधीय फसल है तथा 13 ख्र सें -38 सें तापमान की रेंज में एवं 75-85 प्रतिशत की सापेक्षिक आर्द्रता में अच्छी तरह बढ़ती है। भारत में ग्रैन्डनाइन जैसी उचित किस्मों के चयन के माध्यम से इस फसल की खेती आर्द्र कटिबंधीय से लेकर शुष्क उष्णकटिबंधीय जलवायु में की जा रही है। शीत की वजह से नुकसान 12 ख्र सें (ष्ट) से निचले तापमान पर होता है। केले की सामान्य वृद्धि 18 ख्र सें से शुरू होती है, 27 ख्र सें पर इष्टतम होती है, उसके बाद गिरकर 38 ख्र सें पर रूक जाती है। धूप की वजह से उच्च तापमान फसल को झुलसा देता है। 80 किमी प्रति घंटे से अधिक वेग की वायु भी फसल को नुकसान पहुँचा देती है।

मिट्टी

केले के लिए मिट्टी में अच्छी जल निकासी, उचित प्रजनन क्षमता तथा नमी होनी चाहिए। केले की खेती के लिए गहरी, चिकनी बलुई मिट्टी, जिसकी क्ध्र 6-7.5 के बीच हो, सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। खराब जल निकासी, वायु के आवागमन में अवरोध एवं पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टी केले के लिये अनुपयुक्त होती है। नमकीन, ठोस कैल्शियम युक्त मिट्टी, केले की खेती के लिए अनुपयुक्त होती है। निचले इलाकों की, अत्यंत रेतीली एवं गहरी काली सूखी, खराब जल निकासी वाली मिट्टी से बचें।

केलों के लिये ऐसी मिट्टी अच्छी होती है जिसमें अधिक अम्लता या क्षारता न हो, जिसमें अधिक नाइट्रोजन के साथ कार्बनिक पद्धार्थ की प्रचुरता हो एवं भरपूर पोटाश के साथ फॉस्फोरस का उचित स्तर हो।

किस्में

भारत में केला विभिन्न परिस्थितियों एवं उत्पादन प्रणालियों के तहत उगाया जाता है। इसलिए किस्मों का चुनाव विभिन्न जरूरतों एवं परिस्थितियों के हिसाब से उपलब्ध कई किस्मों में से किया जाता है। लेकिन, लगभग 20 किस्में जैसे ड्वार्फ कैवेंडशि, रोबस्टा, मोन्थन पूवन, नेन्ट्रन, लाल केला, नाइअली, सफेद वेलची, बसराई, अर्धापूरी, रस्थाली, कर्पुरवल्ली, करथली, एवं ग्रैन्डनाइन आदि अधिक प्रचलित हैं। ग्रैन्डनाइन लोकप्रियता अर्जित कर रहा है तथा अच्छी गुणवत्ता के गुच्छों के फलस्वरूप पसंदीदा किस्म बन सकता है। गुच्छों में अच्छी दूरी पर, सीधे तथा बड़े आकार के फल होते है। फल में आकर्षक, एक समान पीला रंग आता है, उसकी बेहतर स्व-जिंदगी होती है।

भूमि तैयार करना

केला रोपने से पहले डाइन्चा, लोबिया जैसी हरी खाद की फसल उगाएं एवं उसे जमीन में गाड़ दें। जमीन को 2-4 बार जोतकर समतल किया जा सकता है। पिंडों को तोड़ने के लिए राटोवेटर या हैरो का उपयोग करें तथा मिट्टी को उचित ढलाव दें। मिट्टी तैयार करते समय स्त्रड्ढरूकी आधार खुराक डालकर अच्छी तरह से मिला दी जायें है।

सामान्यत~ 45 सेंमी × 45 सेंमी × 45 सेंमी के आकार के एक गड्ढे की आवश्यकता होती है। गड्ढ़ों का 10 किलो स्त्रड्ढरू (अच्छी तरह विघटित हो), 250 ग्राम खली एवं 20 ग्राम कॉन्बोफ्यूरॉन मिश्रित मिट्टी से पुन~ भराव किया जाता है। तैयार गड्ढ़ों को सौर विकिरण के लिए छोड़ दिया जाता है, जो हानिकारक कीटों को मारने में मदद करता, मिट्टी जनित रोगों के विरुद्ध कारगर होता तथा मिट्टी में वायु मिलने में मदद करता है। नमकीन क्षारीय मिट्टी में, जहाँ क्ध्र 8 से ऊपर हो, गड्ढे के मिश्रण में संशोधन करते हुए कार्बनिक पदार्थ को मिलाना चाहिए।

रोपने की सामग्री

लगभग 500-1000 ग्राम वजन के सॉर्ड सकर्स, सामान्यतः प्रसार सामग्री के रूप में उपयोग किये जाते है। सामान्यतः सकर्स कुछ रोगज़नक़ों एवं नीमाटोड्स से संक्रमित हो सकते है। इसी प्रकार सकर की आयु एवं आकार में भिन्नता होने पर फसल एक समान नहीं होती है, फसल कटाई की प्रक्रिया लंबी हो जाती है और प्रबंध मुश्किल हो जाता है। इसलिए, इन विट्रो क्लोनल प्रसार में टिशू कल्चर में, रोपाई केलिये पौधों की सिफारिश की जाती हैं। वे स्वस्थ, रोग मुक्त, एक समान तथा प्रामाणिक होते हैं। रोपने के लिये केवल उचित तौर पर कठोर, किसी अन्य से उत्पन्न पौधों की सिफारिश की जाती है।

रोपाई का समय

टिशू कल्चर केले की रोपाई वर्ष भर की जा सकती, सिवाय उस समय के जब तापमान अत्यन्त कम या अत्यन्त ज्यादा हो। ड्रिप सिंचाई प्रणाली की सुविधा महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र में दो महत्वपूर्ण मौसम हैं- मृग बाग खरीफ) रोपाई के महीने जून ङ्क जुलाई, कान्दे बाग (रबी) रोपाई के महीना अक्तूबर- नवम्बर।

फसल ज्यामिति

परंपरागत रूप से केला उत्पादक फसल की रोपाई 1.5 मी × 1.5 मीटर पर उच्च घनत्व के साथ करतें हैं, लेकिन पौधें का विकास एवं पैदावार सूर्य की रोशनी के लिए प्रतिस्पर्धा की वजह से कमजोर हैं। ग्रैन्डाइन को फसल के रूप में लेकर जैन सिंचाई प्रणाली अनुसंधान एवं विकास फार्म पर विभिन्न परीक्षण किए गए थे। तदोपरांत 1.82 मी × 1.52 मी के अंतराल की सिफारिश की जा सकती है, इस पंक्ति की दिशा उत्तर- दक्षिण रखते हुए तथा पंक्तियों के बीच 1.82 मी का बड़ा अन्तर रखते हुए 1452 पौधे प्रति एकड़ (3630 प्रति हेक्टेयर) समा लेती है। उत्तर भारत के तटीय पट्टों जहां आर्द्रता बहुत अधिक है तथा तापमान 5-7ख्रसें तक गिर जाता है, रोपाई का अंतराल 2.1 मी × 1.5 मी. से कम नहीं होनी चाहिए।

ग्रैन्डनाइन किस्म के लिये फसल की ज्यामिति

रोपाई का तरीका

पौधे की जड़ीय गेंद को छेड़े बगैर उससे पॉलीबैग को अलग किया जाता है तथा उसके बाद छद्म तने को भूस्तर से 2 सें.मी. नीचे रखते हुए पौधों को गड्ढ़ों में रोपा जा सकता है। गहरे रोपण से बचना चाहिए।

जल प्रबंधन

केला, एक पानी से प्यार करने वाला पौधा है, अधिकतम उत्पादकता के लिए पानी की एक बड़ी मात्रा की आवश्यकता मांगता है। लेकिन केले की जड़ें पानी खींचने के मामले में कमजोर होती हैं। अत~ भारतीय परिस्थितियों में केले के उत्पादन में दक्ष सिंचाई प्रणाली, जैसे ड्रिप सिंचाई की मदद ली जानी चाहिए। केले के जल की आवश्यकता, गणना कर 2000 मिली मीटर प्रतिवर्ष निकाली गई है। ड्रिप सिंचाई एवं मल्चींग तकनीक से जल के उपयोग की दक्षता में बेहतरी की रिपोर्ट है। ड्रिप के ज़रिये जल की 56 प्रतिशत बचत एवं पैदावार में 23-32 प्रतिशत वृद्धि होती है। पौधों की सिंचाई रोपने के तुरन्त बाद करें। पर्याप्त पानी दें एवं खेत की क्षमता बनाये रखें। आवश्यकता से अधिक सिंचाई से मिट्टी के छिद्रों से हवा निकल जाएगी, फलस्वरूप जड़ के हिस्से में अवरोध उत्पन्न होकर पौधे की स्थापना और विकास प्रभावित होगें। इसलिए केले के लिए ड्रिप पद्धति उचित जल प्रबंधन के लिये अनिवार्य है।

टिशू कल्चर रोपाई सामग्री के फायदे

अच्छे प्रबंधन के साथ केवल मातृ पौधे
कीट और रोग मुक्त विकसित छोटे पौधे
एक समान बढ़त, अधिक पैदावार
कम समय में फसल की परिपक्वता - भारत जैसे कम भूमि स्वामित्व वाले देश में जमीन का अधिकतम उपयोग संभव है
वर्ष भर रोपाई संभव है क्योंकि विकसित छोटे पौधे वर्ष भर उपलब्ध कराये जाते हैं
कम अवधि में एक के बाद एक, दो अंकुरण संभव हैं जो खेती की लागत कम कर देते हैं
बगैर अंतर के कटाई
95 से 98 प्रतिशत पौधें में गुच्छे लगते हैं
कम अवधि में नई किस्में पेश की जा सकती व बढ़ाई जा सकती है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 13 जनवरी, 2025

कैंसर के इलाज के बीच सीरीज करने पर बोलीं हिना खान

एक्ट्रेस हिना खान उर्फ शेर खान टीवी, फिल्म में मजबूत किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। अपनी अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेत्री असल जिंदगी में भी एक फाइटर हैं। इन दिनों वह कैंसर जैसी बीमारी से जंग लड़ रही हैं। इसके अलावा अभिनेत्री गृह लक्ष्मी सीरीज में भी नजर आने वाली हैं। अब हाल ही में, हिना ने कैंसर की बीमारी के इलाज के बीच काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

मजबूती से खड़ी हैं हिना खान

हिना खान को अपने थर्ड स्टेज कैंसर का पता चलने के बाद जल्द ही एक साल होने वाला है और अभिनेत्री का कहना है कि 2024 और 2025 के बीच का अंतर यह है कि वह केवल मजबूत हुई हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं अब भी वही हिना हूं। पुरानी हिना भी साहसी और मजबूत थी और यह हिना भी बहुत मजबूत और साहसी है और सच में अब वह बहुत मजबूत हो गई है।

बीमारी को कॉमन करने का किया पूरा प्रयास

हिना ने आगे कहा, मैंने अपनी इस पूरी जर्नी के दौरान काम किया है। मैंने कैंसर की बीमारी को कॉमन करने का पूरा प्रयास किया है। जब से मेरी कीमोथेरेपी शुरू हुई है तब से मैं काम कर रही हूं, शूटिंग कर रही हूं, यात्रा कर रहा हूं और डबिंग पूरी कर चुकी हूं। मैंने अपना रैंप वॉक किया। यही नहीं मैंने इंटरव्यूज तक दिए हैं। अगर मेरा शरीर अनुमति देता है, तो मैं काम करूंगी।

फैंस का किया शुक्रिया अदा

सोशल मीडिया पर फैंस के मिल रहे फैंस के प्यार को लेकर हिना ने कहा, मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि लोग इस तरह से प्रतिक्रिया देंगे या अपना प्यार बरसाएंगे। और, सिर्फ प्यार ही नहीं। जिस तरह से लोगों ने मेरे लिए प्रार्थना की। मैं सच में काफी इमोशनल हो गई थी।
बता दें कि गृह लक्ष्मी में हिना के अलावा चंकी पांडे, दिब्येंदु भट्टाचार्य, राहुल देव, हरीश, अभिषेक वर्मा, अंकित भाटिया और कुंज आनंद भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सात-एपिसोड की सीरीज रुमान किदवई द्वारा निर्देशित और कौशिक इजारदार द्वारा निर्मित है।

केआरके की आलोचना से परेशान उर्वशी, 'दबिड़ी दीबिड़ी' को वल्गर कहने पर बोलीं

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डाकू महाराज के गाने 'दबिड़ी दीबिड़ी' को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर गाने के स्टेप्स की काफी आलोचना हो रही है। इसी क्रम में केआरके ने भी गाने के स्टेप्स को काफी वल्गर बताया था। अब उर्वशी रौतेला ने केआरके की ट्रोलिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

केआरके ने गाने को बताया था अश्लील

केआरके ने गाने को ट्रोल करते हुए कहा कि उर्वशी को ऐसे अश्लील डांस स्टेप्स करने के लिए शर्म आनी चाहिए। एक्स पर उनके पोस्ट में लिखा था, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को ऐसे अश्लील गाने शूट करने में शर्म नहीं आती? तो बेहतर है कि एडल्ट फिल्में बनाना शुरू कर दें। उर्वशी को भी ऐसे गाने करने के लिए शर्म आनी चाहिए।

उर्वशी ने दिया मुंहतोड़ जवाब

उर्वशी ने केआरके पर निशाना साधते हुए लिखा, यह दुख की बात है कि कुछ लोग जिन्होंने कुछ हासिल नहीं किया, वे उन लोगों की आलोचना करने के हकदार महसूस करते हैं, जो अपने काम को लेकर काफी मेहनत करते हैं। असली शक्ति दूसरों को गिराने में नहीं है, बल्कि उन्हें ऊपर उठाने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में है।
सोशल मीडिया पर भी हुई थी आलोचना
सोशल मीडिया पर लोगों ने इस जोड़ी के बीच उम्र के अंतर को लेकर भी आलोचना की है। 64 साल के अभिनेता-राजनेता एनबीके 30 साल की उर्वशी के साथ यह डांस कर रहे हैं। 'दबिड़ी दीबिड़ी' को शेखर मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। निर्माताओं ने अभी तक आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस दिन होगी रिलीज

डाकू महाराज में बॉबी देओल, प्रज्ञा जयसवाल, श्रद्धा श्रीनाथ और चंदिनी चौधरी भी शामिल हैं। बॉबी कोल्ली की लिखित और निर्देशित यह फिल्म 12 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

मुझे पसंद नहीं कोई मुझे ज्यादा तवज्जो दे

'ग्रीक गॉड' के नाम से मशहूर अभिनेता ऋतिक रोशन आज अपने 51वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग डॉक्यूमेंट्री के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीवन से जुड़े कुछ अटपटे वाकयों का जिक्र किया। ये भी कहा कि उनको कोई ज्यादा तवज्जो दे ये पसंद नहीं। अभिनेता ने कहा, जब मैंने यह डॉक्यूमेंट्री देखी तो मैं बिल्कुल हैरान रह गया। इसे इतनी खूबसूरती से निर्देशित किया गया है। अभिनेता ने बताया कि वह अपने दादा से कभी नहीं मिले।
उन्होंने डॉक्यूमेंट्री को शानदार बताते हुए कहा, मुझे आश्चर्य है कि मुझे जादुई तरीके से उनसे बात करने का मौका मिलेगा। डॉक्यूमेंट्री देखने के बाद मैं वास्तव में उनसे उनके बचपन के बारे में पूछना चाहूंगा कि उन्होंने क्या-क्या झेला, मुझे आश्चर्य है कि वह मुझसे क्या पूछेंगे। मुझे लगता है कि वह मुझसे पूछ सकते हैं कि क्या मैं खुश हूं? अभिनेता ने साल 2000 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' को अपनी प्रेरणा बताया। अभिनेता ने कहा, मैं उनका शुक्रिया अदा करूंगा क्योंकि मैं अक्सर सोचता हूं कि जब मैं अपनी पहली फिल्म कर रहा था तो मेरे अंदर क्या प्रेरणा थी। वह क्या थी? यह कहां से आया? इसका सबसे आसान जवाब यह है कि यह पहले से ही मेरी जीन में था और यही आगे बढ़ता गया। ऋतिक रोशन को उनके आकर्षक लुक के कारण बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि उन्हें ध्यान आकर्षित करना पसंद नहीं है। अभिनेता ने कहा, जब मेरे डैड ने कहा कि वह यह डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहते हैं, तो मुझे अजीब लग रहा था। मुझे ध्यान आकर्षित कराना पसंद नहीं है और फिर मुझे यह एहसास हुआ कि यह मेरे बारे में नहीं है। यह इतिहास के बारे में है और इतिहास महत्वपूर्ण है। यह मेरे पूर्वजों, मेरे मॉम-डैड, मेरे दादा, मेरे चाचा के बारे में है।

शाहरुख खान ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'चामुंडा' को ठुकराया

शाहरुख खान ने दिनेश विजान की फिल्म 'चामुंडा' का ऑफर ठुकरा दिया है। शाहरुख को 'चामुंडा' में मुख्य भूमिका की पेशकश की गई थी। कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि शाहरुख खान मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। मैडॉक ने शाहरुख खान को जो सब्जेक्ट ऑफर किए थे, उनमें से एक 'चामुंडा' थी, जिसे 2026 में रिलीज किया जाना है। हालांकि, अब किंग खान ने इस फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। अमर कौशिक के निर्देशन में, मैडॉक शाहरुख खान को आलिया भट्ट के साथ 'चामुंडा' के लिए कास्ट करना चाहता था। हालांकि, चीजें उनके मुताबिक नहीं हुईं। एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया शाहरुख खान पहले से बने यूनिवर्स में शामिल नहीं होना चाहते थे। इसके बजाय मैडॉक और अमर कौशिक के साथ एक नई दुनिया शुरू करना चाहते थे।

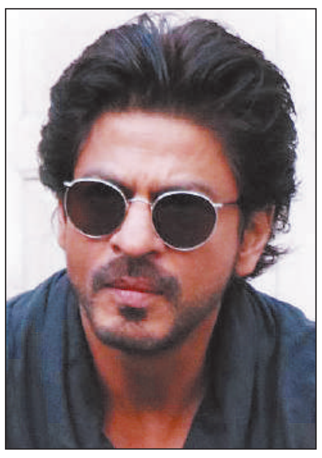

उन्होंने दोनों से कुछ नया लेकर आने और पहले कभी ना की गई शैली को तलाशने के लिए कहा है। दोनों अब 'चामुंडा' के लिए नए नाम की तलाश कर रहे हैं और कुछ सालों में शाहरुख खान के साथ मिलकर कुछ नया करने की उम्मीद है।

फिर से छाएगा आशिकी 2 जैसा जादू, क्या रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएंगे श्रद्धा कपूर-आदित्य?

श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड की सबसे मशहूर ऑनस्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं। उनकी फिल्में आशिकी 2 और ओके जानू ने उनकी जादुई रोमांटिक केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता। कथित तौर पर श्रद्धा और आदित्य एक रोमांटिक फिल्म के लिए फिर से साथ आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक बार फिर से श्रद्धा कपूर और आदित्या रॉय कपूर की रोमांटिक जोड़ी साथ नजर आ सकती है। जानकारी के अनुसार, दोनों स्टार्स मोहित सूरी की अगली फिल्म के लिए साथ आ सकते हैं। यह एक रोमांटिक फिल्म होगी। बहरहाल, मोहित सूरी और उनकी क्रिएटिव टीम द्वारा कहानी और स्क्रीनप्ले पर काम किया जा रहा है। हो सकता है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा भी की जा सकती है।

दर्शकों को पसंद है श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी

श्रद्धा और आदित्य के प्रशंसक उन्हें एक बार फिर किसी फिल्म में साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनके एक साथ पिछली फिल्मों की बात करें तो आशिकी 2 एक बड़ी सफलता थी। मोहित सूरी निर्देशित इस फिल्म को दर्शकों ने अपनी प्रेम कहानी, अभिनय और खास तौर पर संगीत के लिए पसंद किया था। इसके गाने आज भी लोकप्रिय हैं। 2017 में श्रद्धा और आदित्य ने रोमांटिक ड्रामा ओके जानू में भी काम किया है। शाद अली द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी नहीं चली, लेकिन श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी सभी को पसंद आई। श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। श्रद्धा को आखिरी बार हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में देखा गया था।

वामिका ने भूत बंगला के लिए शुरू की शूटिंग

अभिनेत्री वामिका गब्बी अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। वामिका इस फिल्म की शूटिंग के लिए जयपुर पहुंच गई हैं। उन्होंने सेट से अपना पहला लुक भी साझा किया है। वामिका ने अपना चेहरा कवर कर रखा है।

साझा किए बीटीएस मोमेंट्स

पहले ही खबरें आ चुकी हैं कि वामिका अक्षय कुमार की भूत बंगला में नजर आने वाली हैं। सेट से अब वामिका ने अपने बीटीएस मोमेंट्स शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा कि ये नहीं चाहते कि मैं अपना लुक नहीं दिखाउंगी।

फिल्म में नजर आएंगी तब्बू

जयपुर शेड्यूल में शहर के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई आउटडोर शूटिंग शामिल होने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी।

साल 2026 में रिलीज होगी फिल्म

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, भूत बंगला का निर्माण शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा किया गया है। फिल्म का सह-निर्माण फारा शेख और वेदांत बाली ने किया है। कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है और पटकथा रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने लिखी है। संवाद रोहन शंकर के हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना रनौत ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर साधा निशाना

कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी में भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इजरजेंसी में कंगना ने अभिनय के साथ ही निर्देशन भी किया है। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड निर्देशकों पर अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि अगर इंडस्ट्री में अच्छे फिल्म निर्माता होते तो उन्हें अपनी फिल्मों का निर्देशन नहीं करना पड़ता।

कंगना ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर ताना कसते हुए कहा कि जिस तरह से वे महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं वह अत्याचारी है। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, उन्होंने साउथ की फिल्मों में महिला नायक को जिस तरह से दिखाया किया जाता है, उससे भी अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि वह उनकी जगह नहीं बनना चाहतीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, कंगना रनौत ने कहा, मैं अपने आस-पास के निर्देशकों से निराश हूं।अगर हमारे पास अच्छे निर्देशक होते, तो मुझे खुद निर्देशन करने की जरूरत नहीं पड़ती। यह किसी का अपमान करने के लिए नहीं है, लेकिन पूरी ईमानदारी से, अगर आपको लगता है कि कोई ड्रीम डायरेक्टर है ,जिसके साथ मैं काम करना चाहती हूं, तो ऐसा कोई नहीं है।
कंगना ने आगे कहा पिछले पांच सालों से मेरा यही मामला रहा है। खासकर वे जो बड़ी फिल्में बना रहे हैं, जिनमें महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं, वह दूसरे स्तर पर अत्याचारी है। फिल्म इंडस्ट्री में एक भी ऐसा निर्देशक नहीं है जिसके साथ वह काम करना चाहती हों। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने इंटरव्यू में आगे कहा, चाहे क्वीन हो, तनु वेड्स मनु हो या फिर मेरे शुरुआती सालों में मैंने गैंगस्टर, फैशन जैसी फिल्में की हों। इन सभी फिल्मों में मेरे सभी निर्देशक नए थे। मैंने कभी किसी खान की फिल्म या यशराज की फिल्म में काम नहीं किया। कंगना ने कहा, मैं निर्देशकों, लेखकों से बहुत निराश रही हूं और मैंने सोचा बस अब बहुत हो गया। मैं कुछ करूंगी और खुद ही करूंगी। यह बहुत अच्छा रहा है।

जिगरा के फ्लॉप होने को एक सबक के तौर पर लिया

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी थी। फिल्म के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी निर्देशक वसन बाला ने खुद ली थी। हालांकि, आलिया भट्ट के छोटे भाई का किरदार निभा रहे वेदांग रैना इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म को लेकर कहा कि ये कुछ ऐसा था, जिस पर मैंने बहुत विश्वास किया था।
एक इंटरव्यू में वेदांगा रैना ने कहा कि फिल्म जिगरा ने उन पर और उनके करियर पर बहुत असर डाला। उन्होंने पूरी टीम के प्रति अपनी सहानुभूति भी व्यक्त की, उनकी कड़ी मेहनत को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता को उन्होंने एक सीख की तरह लिया।

वेदांग रैना ने की करियर की बात

वेदांग ने कहा, जिगरा फिल्म के निर्माण के दौरान उनके पास कोई विशेष करियर योजना नहीं थी। उन्होंने इसे द आर्चीज के बाद एक महत्वपूर्ण अवसर माना और फिल्म के लिए अपना शानदार प्रदर्शन किया था।